आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
04 जुलाई 2025
वर्षः 38, अंकः 205
पृष्ठः 12, मूल्यः 3 रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

फीचर

पहले जड़ा थप्पड़, फिर को-एक्टर ने खींचे इस एक्ट्रेस के बाल, जमकर हुई थी लड़ाई

झारखंड

मुहर्रम पर्व को लेकर चतरा जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

हज़ारीबाग

हजारीबाग में उत्तम यादव गिरोह के 9 अपराधी गिरफ्तार, आरोपियों का पुलिस ने कराया पैदल मार्च

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्थिति में सुधार के संकेत, दवा और दुआ दोनों का असर

संवाददाता द्वारा

रांचीः दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 19 जून से भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और हेमंत सरकार के कॉर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में सुधार के संकेत मिले हैं. झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि दवाओं के साथ-साथ राज्य भर में उनकी कुशलता के लिए हो रही प्रार्थना और दुआओं का असर हो रहा है. मनोज पांडेय ने कहा कि समस्त राज्यवासियों को उम्मीद है कि शीघ्र ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन स्वस्थ्य होकर रांची आएंगे.

रांची में गुरुवार को NH-75 पर बने एलिवेटेड फ्लाई ओवर के हो रहे उद्घाटन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री की इच्छा फ्लाई ओवर के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने की थी, इसलिए उन्होंने उद्घाटन तिथि बढ़ाने का आग्रह किया था. झामुमो नेता ने कहा कि अभी झारखंड राज्य के निर्माता शिबू सोरेन की तबीयत भी ठीक नहीं है, ऐसे में अभी यह कार्यक्रम नहीं होना चाहिए था. मनोज पांडेय ने कहा कि ये भाजपा वाले लोग संवेदनहीन लोग हैं. इनके अंदर संवेदना नाम की कोई चीज नहीं है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय के बयान पर पलटवार करते हुए झारखंड भाजपा के प्रवक्ता अजय साह ने झामुमो के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो के जो लोग हर चीज को राजनीतिक चश्मे से देखते हैं वही यह आरोप लगा रहे हैं.

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि गुरुजी शीघ्र स्वस्थ हों इसकी हम सब कामना कर रहे हैं. हम सबका मानना है कि गुरुजी हमेशा राज्य के विकास और जनहित के लिए चिंतित रहने वाले नेता हैं और उनकी इच्छा भी यही है कि जल्द से जल्द एलिवेटेड फ्लाईओवर जनता को समर्पित कर दिया जाए.

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए पूजा अर्चना का दौर अभी भी जारी है. मंदिर, मस्जिद, दरगाह, गुरुद्वारा और सरना स्थल पर पूजा अर्चना का दौर जारी है.

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन 19 जून से दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के हेड डॉ. ए.के. भल्ला के नेतृत्व में चल रहा है. विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम 81 वर्षीय शिबू सोरेन की देखभाल कर रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, पूर्व मंत्री बसंत सोरेन सहित कई लोग अभी भी दिल्ली में ही बने हुए हैं.

बता दें कि झारखंड के कोने कोने में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ की कामना की जा रही है. धनबाद में भी पूजा अर्चना की गई. जिसमें कई जेएमएम नेता सहित आस पास की महिलाओं ने हिस्सा लिया. सभी ने मां दुर्गा से यह प्रार्थना की है कि दिशोम गुरु जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं और हमारे बीच रहकर हमारा मार्गदर्शन करें.

भोगनाडीह हिंसा को लेकर झामुमो ने फूंका भाजपा का पुतला, साजिश रचने का लगाया आरोप

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पाकुड़/साहिबगंज/दुमकाः हूल दिवस के मौके पर भोगनाडीह में आयोजित सरकारी कार्यक्रम में बाधा डालने समेत मुख्यमंत्री के खिलाफ साजिश रचने के विरोध में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने पाकुड़ में जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम के नेतृत्व में बीजेपी का पुतला दहन किया. पुतला दहन में शामिल झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी एवं उनके नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रशासन से भोगनाडीह में घटी घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

इस मौके पर जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि भोगनाडीह में विशेषकर हूल दिवस पर भयानक साजिश रची गई थी, जो साहिबगंज प्रशासन की सूझबूझ से नाकाम हो गई. एजाजुल इस्लाम ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश रचने में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के करीबी को

गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने भोगनाडीह में हूल दिवस पर घटी घटना को बीजेपी की हताशा एवं निराशा का परिचायक बताते हुए इस साजिश में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि चंपाई सोरेन के करीबियों ने जमशेदपुर से आकर यहां हथियार बांटने का काम किया है.

जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने कहा कि यदि पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सक्रिय नहीं होते तो एक बड़ी दुर्घटना घट सकती थी. जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि इस घटना की साजिश रचने वाले एवं घटना को अंजाम देने वाले लोगों पर प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करें, इसकी झामुमो मांग करता है.

साहिबगंज में 30 जून को भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन हुए मारपीट का ठीकरा झामुमो, बीजेपी के मत्थे फोड़ रही है. झामुमो के साहिबगंज जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये साजिश, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, चंपाई सोरेन और पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम के इशारे पर की गई है. इसी के विरोध में झामुमो कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रेलवे स्टेशन चौक पहुंचकर भाजपा का पुतला दहन किया.

इस दौरान झामुमो के कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, चंपाई सोरेन, लोबिन हेंब्रम समेत अन्य भाजपा नेताओं के विरोध में जमकर नारेबाजी की. इस दौरान जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने कहा कि सिदो कान्हू की पावन धरती पर जिस प्रकार बीजेपी ने साजिश रची है, उसके विरोध में केंद्रीय समिति के दिशा निर्देश पर बीजेपी नेताओं का पुतला दहन किया गया है.

जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने भाजपा नेताओं को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि अब भी वक्त है सुधर जाओ वरना कहीं के नहीं रहोगे. उन्होंने आगे कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार पवित्र स्थान पर गंदी राजनीति की शुरुआत की गई है. सभी जानते हैं कि झारखंड में बीजेपी नेताओं की कोई पकड़ नहीं है. न ही क्षेत्र में जाने की हिम्मत है. उन्होंने कहा कि मंडल मुर्मू, सिदो कान्हू के छठे वंशज हैं लेकिन उसके साथ-साथ वह बीजेपी के कार्यकर्ता भी हैं. राजाराम मरांडी ने आगे बताया कि क्षेत्र के लोग यह भी कह रहे हैं कि सिदो कान्हू के वंशज कहलाने वाले मंडल मुर्मू का डीएनए टेस्ट करवाया जाए. स्थानीय लोगों का कहना है कि बीजेपी सरकार ने सिदो कान्हू के संघर्ष के बाद बने सीएनटी-एसपीटी एक्ट को खत्म करने का प्रयास किया था उसके साथ मंडल मुर्मू बीजेपी में कैसे चले गए? झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से दुमका के बड़ा बांध चौक पर भाजपा का पुतला दहन कर विरोध किया गया. झामुमो नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 30 जून के दिन हूल दिवस के अवसर साहिबगंज के भोगनाडीह सिदो कान्हू पार्क स्थल में पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों के बीच झड़प के लिए बीजेपी जिम्मेदार है. उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि बीजेपी की साजिश के चलते इस तरह की घटना हुई है. भाजपा के नेता संथाल परगना के तहत आदिवासी को आदिवासी से लड़ाने का षड्यंत्र रच रहे हैं. इस क्षेत्र को मिजोरम बनाना चाह रही है.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का किया उद्घाटन, लगाई सौगातों की झड़ी

संवाददाता द्वारा

रांचीः केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड को 6300 करोड़ रुपये से अधिक की 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का तोहफा दिया. खराब मौसम के कारण अपने तय समय से देरी से रांची पहुंचे गडकरी ने रातु रोड पर 4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया. इसके बाद ओटीसी ग्राउंड में आयोजित समारोह में कई बड़ी घोषणाएं कीं.

रांची में इलेक्ट्रिक बस और आउटर रिंगरोड की घोषणा : नितिन गडकरी ने कहा, नागपुर के बाद रांची देश का दूसरा शहर होगा, जहां इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी. ये बसें डीजल बसों की तुलना में 30त्र सस्ती होंगी. उन्होंने रांची में आउटर रिंगरोड निर्माण को मंजूरी देने की घोषणा की और रातु रोड फ्लाईओवर के सौंदर्यीकरण के लिए आर्ट कॉलेज के छात्रों के सहयोग की बात कही. गडकरी ने बताया कि

झारखंड में एक लाख करोड़ रुपये से सड़क निर्माण कार्य होगा, जिसमें कई परियोजनाएं शामिल हैं.

प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटनः गडकरी ने 6300 करोड़ रुपये की 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैंः

छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा से गुमला तक 4-लेन सड़क (NH-43): लंबाई 32 किमी, लागत 1330 करोड़ रुपये (शिलान्यास)

शंखा से खजुरी तक 4-लेन सड़क (NH-39): लंबाई 23 किमी, लागत 1130 करोड़ रुपये (लोकार्पण)

दामोदर नदी पर हाई-लेवल पुल और भौरा रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी (NH-218): लंबाई 4 किमी, लागत 285 करोड़ रुपये (शिलान्यास)

मुर्गाताल से मानपुर खंड तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर चौड़ीकरण (NH-218): लंबाई 27 किमी, लागत 95 करोड़ रुपये (शिलान्यास)

सिमडेगा में 8 हाई-लेवल ब्रिज (NH-143): लंबाई 4 किमी, लागत 35 करोड़ रुपये (शिलान्यास)

पलमा से गुमला तक 4-लेन सड़क (NH-23): लंबाई 63 किमी, लागत 1900 करोड़ रुपये (उद्घाटन)

बरही-कोडरमा खंड 4-लेन सड़क (NH-31): लंबाई 28 किमी, लागत 825 करोड़ रुपये (उद्घाटन)

रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर (NH-75): लंबाई 4 किमी, लागत 560 करोड़ रुपये (उद्घाटन)

बाराहाट से तुलसीपुर खंड तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर चौड़ीकरण (NH-133): लंबाई 15 किमी, लागत 70 करोड़ रुपये (उद्घाटन)

गोड्डा से सुंदरपहाड़ी खंड तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर चौड़ीकरण (NH-333A): लंबाई 18 किमी, लागत 100 करोड़ रुपये (उद्घाटन)

गिरिडीह शहर में सड़क चौड़ीकरण (NH-114A): लंबाई 9 किमी, लागत 20 करोड़ रुपये (उद्घाटन).

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दुबई में फंसे झारखण्ड के कामगार जल्द लौटेंगे स्वदेश

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश के बाद दुबई में फंसे गिरिडीह, हजारीबाग और धनबाद के 15 कामगारों के वतन वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कामगारों ने वीडियो जारी कर राज्य सरकार से वतन वापसी में सहयोग की अपील की थी। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग और राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को कामगारों के सुरक्षित वतन वापसी एवं बकाये पारिश्रमिक का भुगतान कराने का निर्देश दिया था। सभी 15 कामगार दुबई स्थित Masai Contracting L.L.C. कंपनी में कार्यरत हैं। कामगारों ने जानकारी दी कि उन्हें पिछले कई महीनों से वेतन

नहीं मिला है। बार-बार अनुरोध के बावजूद कंपनी की ओर से वेतन भुगतान में टालमटोल की जा रही है। कंपनी द्वारा किसी प्रकार का वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिन मकानों में वे रह रहे हैं, वहाँ मकान का किराया नहीं देने पर पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई है। वे वतन वापसी करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री के मिले निर्देश के आलोक में राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कामगारों को भोजन, पानी एवं आवश्यक दैनिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराने, Masai Contracting L.L.C. कंपनी से बकाया वेतन दिलवाने एवं कामगारों के शीघ्र वतन वापसी के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय दूतावास, अबूधाबी / दूतावास, दुबई से अनुरोध किया गया। इसके उपरांत 02 जुलाई को कंपनी द्वारा अप्रैल 2025 का वेतन कुल 5,55,242.07 भुगतान किया गया। कंपनी द्वारा शेष बकाया पारिश्रमिक का भुगतान करने एवं भारत वापसी की व्यवस्था का आश्वाशन कंपनी के प्रतिनिधि एन. टी. रेड्डी (महाप्रबंधक) ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों को दिया है।

साहेबगंज में मालगाड़ी पर चढ़ी मालगाड़ी, 18 बोगियां पटरी से उतरीं

क्राइम संवाददाता द्वारा

साहेबगंज। साहेबगंज जिले के बरहरवा रेलवे क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हुआ। बरहरवा हिल अपर साइड में पत्थर चिप्स से लदी एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। मालगाड़ी मालदा रेल मंडल के अधीन थी। हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। गाड़ी पहाड़ी ढलान पर खड़ी थी और ढलान के कारण सरकने लगी। फिर वह बेकाबू होकर पलट गई।

बोगियां एक-दूसरे से टकरा गईः बताया जा रहा है कि मालगाड़ी की कई बोगियां एक-दूसरे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोगियां पटरी से उतरकर बस्ती की ओर गिर गई। टक्कर और बोगियों के गिरने की आवाज सुनकर गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि बोगियां एक के बाद एक टकरा रही थीं और पत्थर चारों ओर बिखर गए थे।

घटना देख डर गए लोगः गांव के लोग घटना देखकर डर गए। राहत की बात यह है कि बोगियां बस्ती की ओर गिरने के बावजूद किसी को चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

विनय चौबे पर भ्रष्टाचार के कई आरोप, एसीबी की जांच में गड़बड़ियां हो रहीं उजागर

क्राइम संवाददाता द्वारा

झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच में निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे के द्वारा विभिन्न पदों पर पदस्थापित रहने के दौरान कथित रुप से की गई कई गड़बड़ियां सामने आ रही हैं. शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार चौबे के खिलाफ जैसे-जैसे एसीबी की जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे उनकी पूर्व की कार्यप्रणाली में कई अनियमितताएं उजागर हो रही हैं. एसीबी की जांच का दायरा केवल विनय चौबे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनसे जुड़े कई अन्य व्यक्तियों की गड़बड़ियां भी एक के बाद एक सामने आ रही हैं.

डेढ़ साल पहले तक झारखंड की ब्यूरोक्रेसी में प्रभावशाली अधिकारी के रूप में पहचान रखने वाले चौबे के खिलाफ कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसके बाद एसीबी ने उनके खिलाफ अलग-अलग मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. वर्तमान में उनके खिलाफ दो मामलों में जांच चल रही है, और दो अन्य मामलों, हजारीबाग खासमहल भूमि घोटाला और गैर मजरुआ खास किस्म जंगल भूमि घोटाला में एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति सरकार से मांगी है. सरकार से अनुमति मिलते ही एसीबी इन मामलों में भी प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरु करेगी.

विनय चौबे पर गड़बड़ियों के कई आरोप : एसीबी ने हजारीबाग जिला में गैर मजरुआ खास किस्म जंगल

प्रकृति की जमीन, जिसे डीम्ड वन की श्रेणी में रखा गया है, उसमें हुए एक बड़े घोटाले का खुलासा किया है. यह जमीन सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों के तहत संरक्षित वन क्षेत्र मानी जाती है. लेकिन इसे विनय कुमार सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम पर अवैध रूप से दाखिल-खारिज कर दिया गया. यह काम तब हुआ, जब विनय चौबे हजारीबाग में डीसी के पद पर पदस्थापित थे.

एसीबी की जांच में करोड़ों की इस सरकारी जमीन की बंदरबांट में कथित लाभार्थी विनय कुमार सिंह की मिलीभगत की पुष्टि हुई है. यह मामला तत्कालीन हजारीबाग डीसी विनय कुमार चौबे के कार्यकाल से जुड़ा हुआ है. यह दूसरा मौका है जब विनय चौबे के डीसी कार्यकाल में सरकारी भूमि को अवैध रूप से निजी स्वामित्व में स्थानांतरित किया गया है. इस मामले में एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सरकार से अनुमति मांगी है.

हजारीबाग खासमहल भूमि घोटाला : हजारीबाग जिला में एक बड़ा खासमहल भूमि घोटाला सामने आया है, जिसमें एसीबी की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. इस मामले में तत्कालीन हजारीबाग डीसी विनय कुमार चौबे सहित कई अधिकारियों और निजी व्यक्तियों पर खासमहल और ट्रस्ट को आवंटित भूमि के अवैध हस्तांतरण का आरोप है.

यह घोटाला हजारीबाग की 2.75 एकड़ खासमहल भूमि से संबंधित है, जिसे 1948 में 30 वर्षों के लिए एक ट्रस्ट सेवायत को लीज पर दिया गया था. यह लीज 1978 में समाप्त हो गई थी और 2008 तक इसका नवीनीकरण किया गया. हालांकि 2008 से 2010 के बीच एक सुनियोजित प्रशासनिक षड्यंत्र के तहत इस भूमि को सरकारी भूमि घोषित कर 23 निजी व्यक्तियों को आवंटित कर दिया गया. आरोप है कि इस षड्यंत्र के केंद्र में तत्कालीन डीसी हजारीबाग विनय कुमार चौबे थे.

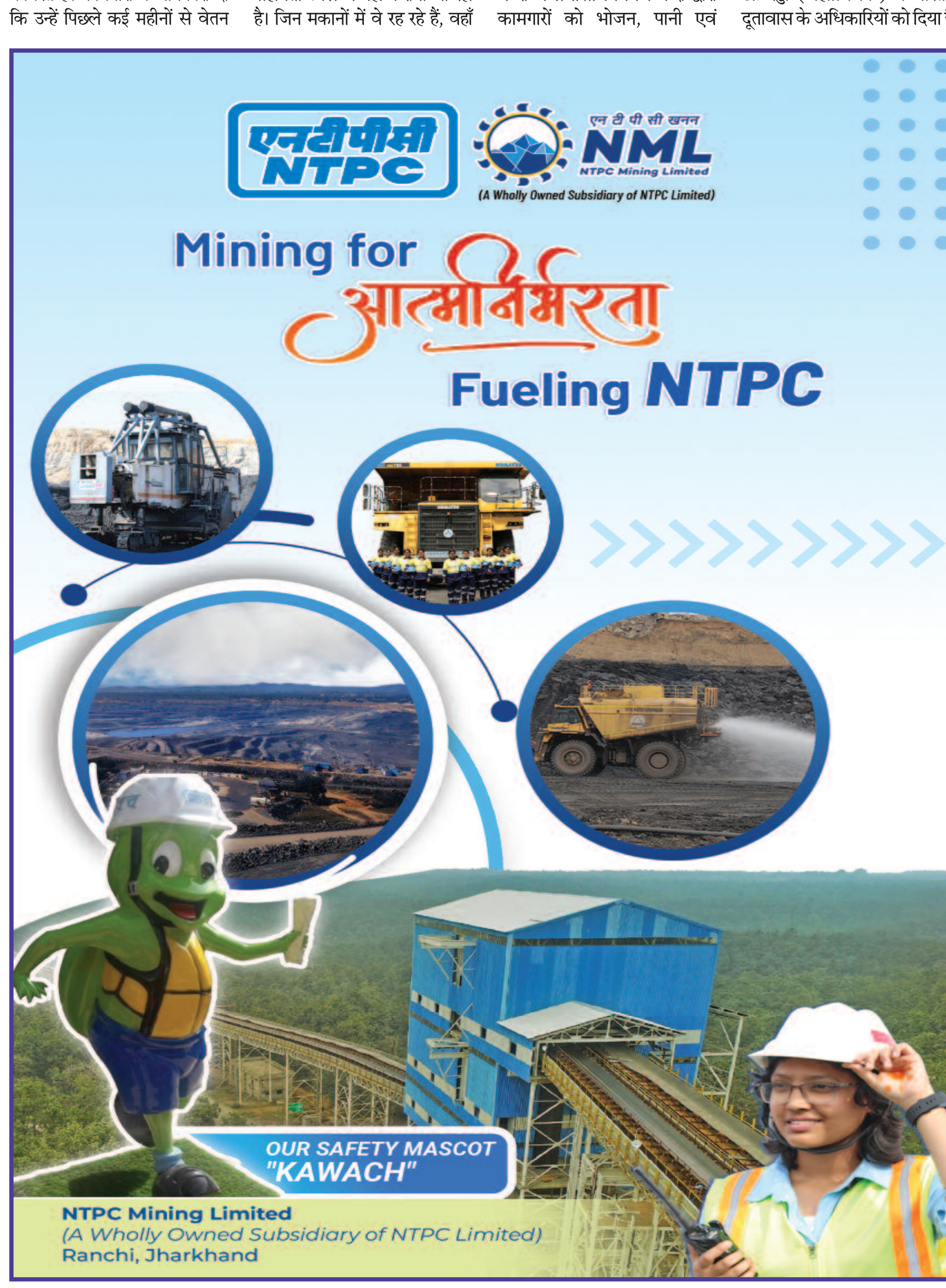

आपदा ने सराज घाटी का बदल दिया नक्शा ध्वस्त हुए घर बयां कर रहे तबाही का मंजर

"राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और ग्रामीणों की टीमें जुट गई हैं। आपदा प्रबंधन टीम ने बगस्याड़ से 16 किलोमीटर पैदल चलकर थुनाग पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय ग्रामीणों ने साहस और एकजुटता के साथ राहत कार्यों में योगदान दिया, जिससे अभियान को गति मिली। स्थानीय निवासियों और प्रशासन ने सरकार से तत्काल हवाई सर्वेक्षण और एनडीआरएफ व सेना की मदद की अपील की है। लोग सोशल मीडिया के जरिए आपदा की तस्वीरें और वीडियो साझा कर मदद की गुहार लगा रहे हैं।

थुनाग (मंडी) : हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र में थुनाग और आसपास के क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदा ने सबसे भीषण त्रासदी का रूप ले लिया है। भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन के कारण क्षेत्र में भयावह तबाही मची है। थुनाग बाजार में लगभग 150 मकान और दुकानें पूरी तरह जमींदोज हो चुकी हैं, वहीं जरोल बाजार भी तबाह हो गया है। जंजैहली में भी जल प्रलय ने भारी तबाही मचाते हुए पूरा नक्शा ही बदल दिया है। सराज घाटी अलग-थलग पड़ी हुई है। आपदा ने बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। सभी सड़कें और पुल ध्वस्त हो चुके हैं, जिससे थुनाग का शेष दुनिया से संपर्क पूरी तरह कट गया है। बिजली और पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं, जिससे राशन और पानी का गंभीर संकट पैदा हो गया है।

लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर : मोबाइल नेटवर्क की अनुपस्थिति ने सूचना संग्रह और राहत कार्यों को मुश्किल बना दिया है। लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। अस्पताल, स्कूल और सरकारी भवन भी इस आपदा की चपेट में हैं, जिन्हें बहाल करने में लंबा समय लग सकता है। राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और ग्रामीणों की टीमें जुट गई हैं। आपदा प्रबंधन टीम ने बगस्याड़ से 16 किलोमीटर पैदल चलकर थुनाग पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय ग्रामीणों ने साहस और एकजुटता के साथ राहत कार्यों में योगदान दिया, जिससे अभियान को गति मिली। स्थानीय निवासियों और प्रशासन ने सरकार से तत्काल हवाई सर्वेक्षण और एनडीआरएफ व सेना की मदद की अपील की है। लोग सोशल मीडिया के जरिए आपदा की तस्वीरें और वीडियो साझा कर मदद की गुहार लगा रहे हैं।

खाद्यान्न संकट ने बढ़ाई मुश्किलें, 38 पंचायतें तबाही की चपेट में : सराज क्षेत्र में 30 जून-1 जुलाई की रात आई आपदा के चौथे दिन 80 हजार की आबादी गंभीर खाद्यान्न संकट से जूझ रही है। थुनाग उपमंडल की 38 पंचायतें, विशेष रूप से थुनाग, पखरैर, जरोल, पांडवशीला और चिउणी इस आपदा से बुरी तरह प्रभावित हैं। खाद्य सामग्री की कमी के कारण लोग भूखे रहने को मजबूर हैं और बंद सड़कों ने राहत सामग्री पहुंचाने में बाधा डाली है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को रैनगलू और जंजैहली में राशन किट पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन क्षतिग्रस्त रास्तों के कारण हेलीपैड तक नहीं पहुंच सके। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो और

वीडियो से संकेत मिले हैं कि पखरैर में बादल फटने से तबाही मची, जबकि अन्य क्षेत्रों में भारी बारिश ने भूस्खलन और बाढ़ का कहर बरपाया। पेयजल संकट भी गहरा गया है। 25 पंचायतों को पानी देने वाली छड़ी खड्डु-शैटाधार पेयजल योजना ध्वस्त हो चुकी है। प्राकृतिक जल स्रोत क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीण बारिश का पानी जमा कर गुजारा कर रहे हैं।

दर्जनों टावर ठप : संचार व्यवस्था ठप होने से राहत कार्य रुके हुए हैं। मोबाइल नेटवर्क बहाल नहीं हुआ, और दर्जनों टावर ठप हैं। कांढ़ा के टावर की सिग्नल रेंज बढ़ाने की कोशिशें नाकाम हैं। थुनाग और जंजैहली में नियंत्रण कक्ष संचार के अभाव में निष्क्रिय हैं। बिजली आपूर्ति भी चार दिनों से बंद है, क्योंकि गोहर-थुनाग 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त है। चैल-जंजैहली सड़क का 10 फीसदी हिस्सा गायब है, और लंबाथाच-कलहणी-पंडोह, लंबाथाच-चिउणी-शैटाधार जैसी सड़कें ध्वस्त हैं। ग्रामीण संपर्क सड़कों का नामोनिशान मिट चुका है। आपदा प्रबंधन में प्रशासनिक तालमेल की कमी साफ दिख रही है। लोग खड्डों और नालों में अपनों को ढूंढ रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं ठप हैं, दर्जनों स्कूलों में मलबा घुसा है। प्रभावित लोग अनिश्चितता और संकट के बीच जी रहे हैं, और राहत कार्यों की धीमी गति उनकी मुश्किलें बढ़ा रही है। सरोआ पंचायत के उपप्रधान देवेंद्र राणा उर्फ पम्मी ने बताया कि बारिश के दौरान जब यह आपदा आई तो एक छोटी सी खड्डु ने ऐसा रौद्र रूप धारण किया कि मंदिर की सराय और नौ परिवारों के घर, वाखली पुल, कुकलाह पुल, गावों को जोड़ने वाली सड़कें, बाइकें, स्कूटी, कारें और लोगों का घरेलू सामान सब कुछ पानी में बह गया। कुछ वाहन सिल्ट में फंसे हुए हैं। खड्डु के हर कोने में तबाही के निशान बिखरे हैं। अब तक सिर्फ पटवारी मौका देखने आया है, जबकि बाकी कोई बड़ा प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। न राशन मिला, न टेंट, न फौरी राहत। उन्होंने मांग की है कि बेघर हुए लोगों का तुरंत किसी सुरक्षित जगह रहने का इंतजाम किया जाए। इधर, जिले के अलग-अलग भागों में पांच रिलीफ कैंप में 357 लोगों को ठहराया गया है। इनमें मंडी में दो, थुनाग में दो और धर्मपुर में एक जगह रिलीफ कैंप स्थापित किए गए हैं।

सराज में अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी : पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि सराज क्षेत्र में राहत कार्यों में तेजी लाई जाए। लापता हुए दो दर्जन से अधिक लोगों की तलाशी में गंभीरता से काम किया जाए। जिस तरह की ये त्रासदी हुई है आज से पहले इतना नुकसान सराज में कभी नहीं हुआ है। बुधवार को अपने गृह विधानसभा क्षेत्र के कुकलाह और बगस्याड़ में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि सराज क्षेत्र में तीन दिनों से न तो बिजली है और न संचार सेवाएं चल रही है।

स्याठी में 20 घर क्षतिग्रस्त, सब कुछ बह गया : स्याठी गांव में भूस्खलन से 20 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। 61 लोगों को सुरक्षित राहत शिविरों में आश्रय दिया गया है। स्याठी गांव के प्रभावित परिवारों ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि आपदा में लगभग पूरा गांव ही प्रभावित हो गया है। उनके पास तंबू लगाने के लिए भी जमीन नहीं बची है। जमीन उपलब्ध करवाने की मांग पर प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे मुख्यमंत्री सुक्खू ने आश्वासन दिया कि यदि क्षेत्र में सरकारी भूमि उपलब्ध होगी तो उन्हें आवंटित की जाएगी। वन क्षेत्र में यदि जमीन है तो यह मामला केंद्र के समक्ष उठाया जाएगा।

फार्मा प्लांट विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता, डीएनए से होगी पहचान

हैदराबाद : तेलंगाना के पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता हैं। इसमें पांच श्रमिक ओडिशा के हैं। विस्फोट के बाद मिले अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए का मिलान किया जाएगा। इसके साथ ही विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए राज्य सरकार की विशेष टीम गुरुवार को घटनास्थल का दौरा करेगी। विस्फोट में अब तक 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एसपी पंकज ने कहा कि नौ लोग लापता हैं। लेकिन जब हमें एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) से हड्डियों और अन्य चीजों की रिपोर्ट मिल जाएगी, तब चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। मलबा हटाने का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब आगे किसी शव के मिलने की आशंका नहीं है। वहीं विस्फोट में ओडिशा के चार श्रमिकों की मौत हो चुकी है। जबकि पांच अन्य श्रमिक लापता हैं।

उनके रिश्तेदार अज्ञात शवों के डीएनए मिलान के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। चार लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने डीएनए नमूने दे दिए हैं, जबकि पांचवें व्यक्ति के रिश्तेदार आज तेलंगाना पहुंचेंगे। लापता लोगों में नबरंगपुर जिले के दो, गंजम के दो और कटक का एक श्रमिक शामिल है।

1 करोड़ का मुआवजा : ओडिशा परिवार निदेशालय के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) प्रीतिश पांडा ने बताया कि प्रशासन के मुताबिक विस्फोट के वक्त फैक्टरी में 143 लोग काम कर रहे थे। ओडिशा के कुछ लोग अलग-अलग सेक्शन में काम कर रहे थे। उनमें से चार की मौत हो गई, चार घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है और पांच अन्य अभी भी लापता हैं। ओडिशा के मृतकों की पहचान गंजम जिले के छत्रपुर निवासी आर जगनमोहन, कटक जिले के तिगिरिया निवासी लग्नजीत दुआरी, बालासोर जिले के सिमुलिया निवासी मनोज राउत और जाजपुर जिले के धर्मशाला निवासी डोलगोविंद साहू के रूप में हुई है। घायलों में गंजम जिले के समीर पाधी, भद्रक के चंदन कुमार नायक, नबरंगपुर के नीलांबर भद्रा और चित्रसेन बत्रा शामिल हैं। समीर पाधी की हालत गंभीर है और वह 35 प्रतिशत तक जल गया है तथा उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हम राज्य के लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए संगारेड्डी जिले में हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा के लोगों के शवों को एंबुलेंस से उनके पैतृक स्थानों पर भेज दिया गया है।

टीम को एक महीने में देनी होगी रिपोर्ट : घटना की जांच के लिए राज्य सरकार ने टीम गठित की है। समिति की अध्यक्षता सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ बी वेंकटेश्वर राव करेंगे। टीम को एक महीने के भीतर सरकार को विशिष्ट सुझावों और सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है।

नीतीश पर निशाना साध तेजस्वी यादव ने घोषणा पत्र किया जारी, कहा

चुनाव जीते तो करेंगे 20 काम

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर है। पोस्टरबाजी के द्वारा विपक्ष लगातार सरकार को घेरने और जनता को अपने पाले में लेने के लिए तरह तरह के पोस्टर लगा रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपना 20 सूत्री प्लान जारी कर दिया है। हालांकि राजनीतिक गठबंधनों और दलों का औपचारिक घोषणा पत्र बाद में जारी होगा, लेकिन फिलहाल तेजस्वी यादव की इस 20 सूत्री प्लान ने राजनीतिक गर्माहट जरुर बढ़ा दी है।

20 महीनों में 20 दावे : नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए उनके 20 वर्षों के शासन को 20 महीने में सुधारने का दावा किया है। उन्होंने पोस्टर के माध्यम से कहा है कि जो 20 वर्षों में नहीं हुआ वह तेजस्वी यादव 20 महीनों में कर के दिखायेंगे। उन्होंने सूचीबद्ध तरीके से

20 बिंदु दर्शाए हैं, उनमें पहला डोमिसाइल नीति लागू करने की बात कही गई है। इसके बाद क्रमशः 65% आरक्षण लागू करने और 3. नौकरी व रोजगार दिलाने, 4. युवा आयोग बनाने, 5. मुफ्त में परीक्षा फॉर्म भरवाने, 6. पेपर लीक पर पूर्ण लगाम लगाने, 7. माई-बहिनों के खातें में हर महीने ?2500 भिजवाने, 8. सामाजिक पेंशन 1500 रुपये भिजवाने, 9. 500 रुपये में गैस सिलेंडर मुहैया कराने, 10. 200 यूनिट मुफ्त बिजली दिलवाने, 11. ताड़ी को शराबबंदी से बाहर करवाने, 12. बेटी योजना लागू करने, 13. महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करवाने, 14. शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, 15. भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने, 16. स्वास्थ्य की सुविधा सुगम और बेहतर करने, 17. नए निवेश लाने, 18. उद्योग-धंधे लगाने, 19. पलायन पर लगाम लगाने और 20वां. पर्यटन उद्योग बढ़ाने का दावा किया है। अंत में तेजस्वी यादव ने लिखा है कि युवाओं को मिलेंगे नौकरी व रोजगार, बिहार को मिलेगी स्थिर सरकार। फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का 20 सूत्री प्लान सोशल मीडिया पर वायरल है।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर निशाना

जिनके पास करोड़ों उनके लोन माफ, अन्नदाता की जिंदगी आधी..

नई दिल्ली : लोकसभा में विपक्ष के लीडर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में किसानों की आत्मतहत्या के मामले को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। राहुल गांधी ने सरकार से सवाल किया कि क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? चुप है। बेरुखी से देख रही है। किसान हर दिन कर्ज में और गहराई तक डूब रहा है - बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है... लेकिन टरढ की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज़ माफ़ी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए- अनिल अंबानी का

48,000 करोड़ का रङक 'फ्रॉड'। मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे - आज हाल ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है - चुपचाप, लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही ढफ का तमाशा देख रहे हैं।

इन दो मुद्दों के कारण राज्य में बवाल : बता दें कि महराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के साथ-साथ इस वक्त सोयाबीन खरीद के लिए भुगतान न होने के मुद्दे पर बवाल चल रहा है। कहा जा रहा है कि भुगतान न होने के चलते हंगामा होने के बाद विपक्ष ने इस मुद्दे को थाम लिया है।

कैसे चुने जाएंगे अगले दलाई लामा? 'स्वर्ण कलश' या पारंपरिक विधि का पेच, तिब्बती धर्म गुरु के उत्तराधिकारी पर चीन क्यों लगा रहा अड़ंगा

अंजन कुमार

नई दिल्ली : 14वें दलाई लामा 6 जुलाई को 90 साल के होने वाले हैं। एक बड़ा सवाल है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? तिब्बती धर्म के अनुसार इसका जवाब साफ है। लेकिन, चीन इसमें दखल दे रहा है और इस धार्मिक प्रक्रिया में अड़ंगा डालना चाह रहा है। इसको लेकर 300 से ज्यादा धार्मिक नेता और बड़ी हस्तियां हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के मैक्लोडगंज में जुटे हैं। धर्मशाला तिब्बती सरकार का हेडक्वार्टर है, जो निर्वासन में है। अपने उत्तराधिकारी को लेकर दलाई लामा ने कहा है, 'मेरे उत्तराधिकारी को चुनने का हक तिब्बती लोगों और गादेन फोड्रंग ट्रस्ट को है, बीजिंग को नहीं।'

मौजूदा दलाई लामा को कैसे चुना गया था? : 14वें दलाई लामा यानी तेनजिन ग्यात्सो का जन्म 6 जुलाई, 1935 को तिब्बत में हुआ था। उनका नाम ल्हामो धोंडुप था। उनका परिवार तिब्बत के उत्तर-पूर्वी इलाके में खेती करता था। तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुसार दलाई लामा की आत्मा फिर

से जन्म लेती है। जब 13वें दलाई लामा का निधन हुआ, तो एक खोजी दल बनाया गया। उस खोजी दल को कुछ संकेतों और सपनों के बाद ल्हामो नाम का एक बच्चा मिला। उस बच्चे ने पहले के दलाई लामा की चीजों को पहचाना और कहा, 'यह मेरा है, यह मेरा है।' 1940 में महज चार साल की उम्र में उन्हें आधिकारिक रूप से दलाई लामा के रूप में पहचाना गया और तिब्बत की राजधानी ल्हासा के पोटाला पैलेस में स्थापित किया गया।

अगले दलाई लामा या उत्तराधिकारी की खोज : दलाई लामा ने कहा है कि उनके उत्तराधिकारी को पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार ही खोजा जाना चाहिए। उन्होंने अपनी किताब 'वॉइस फॉर द वॉइलेस' में भी यह बात कही है। उन्होंने कहा कि उनका उत्तराधिकारी चीन के नियंत्रण से बाहर पैदा होगा। उसे बीजिंग की दखल के बिना चुना जाएगा। गादेन फोड्रंग ट्रस्ट को यह काम सौंपा गया है। 2015 में यह ट्रस्ट उन्होंने ही बनाया था। प्राचीन समय में वरिष्ठ भिक्षुओं को कुछ संकेत और सपने आते थे। इससे उन्हें एक ऐसे बच्चे की पहचान में मदद मिलती थी, जिसमें दलाई लामा बनने के लिए कुछ खास बातें मौजूद होती थीं। यह परंपरा 14वीं सदी से चली आ रही है। आमतौर पर यह खोज दलाई लामा की मृत्यु के बाद शुरू होती है। लेकिन, दलाई लामा ने इसके लिए कुछ और तरीके भी बताए हैं। वे अपने जीवनकाल में ही किसी उत्तराधिकारी को 'उत्पन्न' कर सकते हैं; और अगर राजनीतिक दखलंदाजी होती है तो वे इस परंपरा को पूरी तरह से खत्म भी कर सकते हैं। पारंपरिक प्रक्रिया में एक समस्या यह लग रही है कि तिब्बतियों की बड़ी आबादी अपने मूल स्थान पर ही रह रही है और उनका एक बड़ा हिस्सा दलाई लामा के साथ भारत में चीन से दुश्मनी मोल लेकर निर्वासित जीवन जीने को मजबूर है।

गोल्डन अर्न मेथड क्या है, चीन का इसपर क्यों है जोर : चीन चाहता है कि अगले दलाई लामा को 'स्वर्ण कलश' वाले तरीके से चुना जाए। यह तरीका 1793 में किंग राजवंश के समय शुरू हुआ था। इस तरीके में संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक 'स्वर्ण कलश' में डाले जाते हैं। फिर, शासन के अधिकारियों की निगरानी में एक नाम निकाला जाता है। इसलिए चीन का कहना है कि उसके पास इस प्रक्रिया पर ऐतिहासिक और कानूनी अधिकार है। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, 'दलाई लामा के पुनर्जन्म को केंद्र सरकार से मंजूरी मिलनी चाहिए।'

तिब्बती और दलाई लामा चीन की भूमिका क्यों नहीं मानते? : दलाई लामा ने कहा है, 'यह सही नहीं है, क्योंकि चीनी कम्युनिस्ट जो धर्म को नहीं मानते, लामाओं के पुनर्जन्म में दखल दें, दलाई लामा के पुनर्जन्म की तो बात ही छोड़िए।' दुनिया भर के तिब्बती, बौद्ध धर्मगुरु और विद्वान चीन के इस रवैये को तिब्बती पहचान और धार्मिक स्वतंत्रता को नकारने की कोशिश मानते हैं। इन लोगों को डर है कि बीजिंग एक कठपुतली दलाई लामा नियुक्त करना चाहता है। इससे वह तिब्बत पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर लेगा। इसका विरोध करने के लिए, दलाई लामा ने तिब्बतियों से कहा है कि वे किसी भी ऐसे उत्तराधिकारी को न मानें, जिसे राजनीतिक कारणों से चुना गया हो। इसमें वह संभावित उत्तराधिकारी भी शामिल है, जिसे बीजिंग ने जबरदस्ती नियुक्त कर रखा है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद तीर्थ दर्शन के तहत घर लौटे, श्रद्धालुओं का ढोल बाजे के साथ किया गया स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सांसद तीर्थ दर्शन योजना के तीर्थयात्रियों का पहला जत्था आध्यात्मिक और सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के पश्चात माँ विंध्यवासिनी धाम में माँ के भव्य मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही प्रभु श्री राम के अयोध्या नगरी का भी दर्शन किए। पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सम्पन्न इस दिव्य यात्रा के उपरांत तीर्थयात्री सकुशल नृसिंह स्थान मंदिर पहुंचे ग्रामीणों बताया कि सभी श्रद्धालुओं का ढोल- बाजे के साथ स्वागत एवं अभिवादन कर पूरे गांव का भ्रमण किया गया।
सकुशल घर लौटे श्रद्धालुओं ने सांसद मनीष जायसवाल के प्रति आभार जताया और नृसिंह स्थान के पावन धरती से उन्हें तीर्थ यात्रा कराने के लिए धन्यवाद दिया। यात्रियों ने बताया कि यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक रूप से समृद्ध रही बल्कि हम सभी के लिए अविष्करणीय और अनुभवों से भरी थी। तीर्थ यात्रियों के लौटने पर नृसिंह स्थान सहित उनके गांवों में उत्साह का माहौल दिखा और ग्रामीणों ने मिलकर अपने बुजुर्गों और पड़ोसियों का आत्मीयता के साथ स्वागत किया।
इस स्वागत समारोह में विशेष रूप से कटकमदाग के उप प्रमुख विमल प्रसाद गुप्ता, खपरियावा पंचायत के मुखिया राजेश गुप्ता, वार्ड सदस्य तिलेश्वर साव, भाजपा कार्यकर्ता वीरेंद्र साव , सिद्धेश्वर साव, संजय पासवान, सोनू सिंह, सीताराम साव, रंजीत साव, विशाल वर्मा, सुबोध वर्मा, अनिल साव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

छड़वा मोहर्रम मेला की तैयारी पूरी कल से तीन दिनो तक छडवा मे रहेगा भव्य मेला: साजिद

आदिवासी एक्सप्रेस
कटकमसांडी (हजारीबाग) प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी मोहर्रम त्योहार के अवसर पर हजारीबाग के छड़वा मोहर्रम टांड मे ऐतिहसिक मोहर्रम मेला का शुभारंभ कल मोहर्रम की आठवी तारीख को जूमा नमाज के बाद मेला का शुरूआत कर दिया जाएगा जो की निरन्तर तीन दिनो तक चलेगा। छडवा मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मुख्तार अंसारी और सचिव नौशाद खान समेत कमेंटी के सभी सदस्य सक्रिय भुमिका मे है मेला को भव्य रूप से मनाने के लिए मोहर्रम कमेंटी के अध्यक्ष मुख्तार अंसारी के नेतृत्व मॅ विभिन्न गांव का दौरा कर सरकारी गार्डलाईन के बारे मे विस्तृत जानकारी दी जा रही है और मेले मे अधिक से अधिक लोगो को समय सीमा के अंदर आने का निमंत्रण दिया गया है।
उक्त जानकारी कांग्रेस नेता सह छड़वा मोहर्रम कमेटी के मीडिया प्रभारी साजिद अली खान ने देते हुए कहा की पिचरी के नये निशान समेत खुटरा,गदोखर, बलियंद, रोमी, पबरा, हेदलाग,का गगनचूंबी निशान और नई तकनीक से बनी लगभग दो दर्जन ताजिया मेला मे आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

हजारीबाग में उत्तम यादव गिरोह के 9 अपराधी गिरफ्तार, आरोपियों का पुलिस ने कराया पैदल मार्च

क्राइम संवाददाता द्वारा
हजारीबाग: पुलिस ने कुख्यात अपराधी उत्तम यादव गिरोह के नौ सक्रिय अपराधियों को गिरफ्तार किया है. हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 जून 2025 को उत्तम यादव के इशारे पर अपराधियों ने हजारीबाग सदर थाना स्थित श्री ज्वेलर्स पर हत्या और रंगदारी की नीयत से गोलीबारी की थी. इन 9 आरोपियों में से दो आरोपी नीतीश कुमार और बादल कुमार को रांची से गिरफ्तार किया गया है. घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त पिस्तौल, मोटरसाइकिल और अन्य सामान भी बरामद कर लिया गया है.
हजारीबाग पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में संत कोलंबस कॉलेज के पास एकत्रित हो रहे हैं. इस सूचना के आलोक में एक टीम गठित कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. जिसमें दो मोटरसाइकिल पर सवार थे और अन्य चार पहिया वाहन पर सवार थे. पुलिस को सक्रिय देख सभी आरोपी भागने की कोशिश कर रहे थे. पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया. मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों के नाम शक्ति गिरी उर्फ साइको टाइगर और मनीष यादव हैं.
चार पहिया वाहन से मुकेश कुमार, राहुल कुमार वर्मा, शुभम अग्रवाल, गोलू कुमार, रवि रौशन को गिरफ्तार किया गया. तलाशी के दौरान शक्ति गिरी के पास से एक लोडेड पिस्टल और मैगजीन के साथ जिंदा कारतूस बरामद किया गया. मनीष यादव के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया. तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन से पिस्टल की एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किया. आम लोगों के मन से अपराधियों का खौफ खत्म करने और कानून का डर कायम करने के उद्देश्य से हजारीबाग पुलिस ने अनूठी पहल करते हुए गिरफ्तार सभी नौ आरोपियों को पैदल मार्च करवाया.
गौरतलब हो कि श्री ज्वेलर्स पर 7 राउंड फायरिंग के बाद हजारीबाग के व्यवसायी आंदोलनरत थे. उन्होंने पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया था. गिरफ्तारी नहीं होने पर व्यवसायियों ने मसाल-झूठी निकाली. हजारीबाग के प्रतिष्ठान भी एक दिन के लिए बंद रहे. स्थिति यह रही कि सांसद मनीष जायसवाल ने भी हजारीबाग एसपी से दो बार मुलाकात कर व्यवसायियों की सुरक्षा की मांग की. इस घटना को लेकर पूरे राज्य में चर्चा गरम रही कि अपराधी दिनदहाड़े एक दुकान में सात राउंड फायरिंग कर फरार हो जाते हैं.
हजारीबाग में दो व्यवसायियों से रंगदारी मांगने की घटना सामने आई थी. जिसको लेकर जिला प्रशासन अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान भी चला रहा था. हजारीबाग पुलिस ने धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है. जिसका नाम राशिद जावेद है. जो मूल रूप से धनबाद का रहने वाला है. दरअसल वह किसी गिरोह से ताल्लुक नहीं रखता बल्कि एक बड़ा अपराधी के साथ-साथ साइबर ठग है.
हजारीबाग पुलिस ने विभिन्न व्यवसायियों को धमकी देने वाले शख्स राशिद जावेद को गिरफ्तार कर लिया है. उसने दो ज्वेलरी दुकान व्यवसाय और एक जूता व्यवसाय को धमकाकर 10 लाख रुपये की मांग की थी. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही थी. तकनीकी टीम के साथ छापेमारी टीम का गठन किया गया. छापेमारी टीम ने तकनीकी साक्ष्य के जरिए कार्रवाई करते हुए धमकी देने वाले आरोपी राशिद जावेद को धनबाद से गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के पास से धमकी देने में प्रयुक्त मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है.
हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन के मुताबिक पूछताछ में राशिद ने बताया कि हजारीबाग में ज्वेलर्स दुकान में फायरिंग के बाद उत्तम यादव का वीडियो देखने के बाद वह गूगल के जरिए हजारीबाग के विभिन्न स्वर्ण व्यवसायियों और अन्य व्यवसायियों का मोबाइल नंबर प्राप्त कर उन्हें धमका रहा था और पैसे की मांग कर रहा था. पूछताछ में उसने बताया कि सोनी अलंकार के मालिक, बिहारसू के मालिक और युवराज ज्वेलर्स के मालिक को भी पैसे की मांग को लेकर धमकाया था. गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास भी है. उसके खिलाफ अब तक कई मामले दर्ज होने की बात सामने आई है. जिसमें से आर्म्स एक्ट से जुड़े तीन मामले बैंक मोड़ थाने में दर्ज हैं.

हूल दिवस के दिन भोगनाडीह में उपद्रव कराने की कोशिश के विरोध में झामुमो ने किया भारतीय जनता पार्टी का पुतला दहन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा, हजारीबाग जिला समिति द्वारा गुरुवार झंडा चौक पर भारतीय जनता पार्टी का पुतला दहन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन भाजपा द्वारा हूल दिवस (30 जून) के अवसर पर भोगनाडीह में उपद्रव फैलाने के कथित प्रयास के खिलाफ आयोजित किया गया। पुतला दहन से पूर्व झामुमो कार्यकर्ताओं ने बंशीलाल चौक से रैली निकालकर भाजपा की दोहरी नीति नहीं चलेगी जैसे नारों के साथ विरोध जताया। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो के वरिष्ठ नेता कमल नयन सिंह ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सत्ता की लालसा में भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है।
झामुमो जिला सचिव नीलकंठ महतो ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता मंडल हेंब्रम ने हूल दिवस के कार्यक्रम को असफल बनाने की साजिश रची थी। इसके तहत एक माह पूर्व से भोगनाडीह व आसपास के क्षेत्रों में धोती-साड़ी बांटी जा रही थी ताकि समुदायों के बीच भ्रम फैलाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने समय रहते इस साजिश को विफल कर दिया, जिससे भाजपा की मंशा जगजाहिर हो गई।
पुतला दहन कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश, निसार अहमद, रंजीत मेहता, सत्येंद्र मेहता, राजेश मेहता, दयानंद मेहता, रामकुमार मेहता, बीरबल मेहता, राजेंद्र कुशवाहा, सुरेंद्र मेहता, छत्रधारी कुशवाहा, विकास राणा, इपतेखार अहमद, नईम राही, बाबू विक्रम, आनंद सिंह, विवेक राणा, अजय कुमार, दिलीप वर्मा, सतीश दास, अजय साव, देवीराम हेंब्रोम,, बबन खान, मोनू शर्मा, विकास यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।
झामुमो नेताओं ने ऐलान किया कि पार्टी ऐसे किसी भी प्रयास का डटकर विरोध करती रहेगी, जिससे राज्य की सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचे और जनभावनाओं का अपमान हो।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में चार वर्षीय एकीकृत बी.एस./बी.ए. बी.एड. कोर्स के छात्रों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शन सह प्रतियोगिता का आयोजन

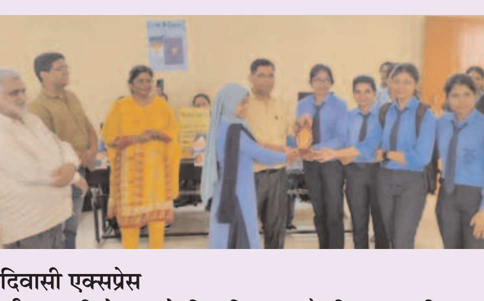

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में गुरूवार को विभागाध्यक्ष डॉ. तनवीर युनूस के नेतृत्व में शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शन सह प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक चला, जिसमें चार वर्षीय एकीकृत बी.एस./बी.ए. बी.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2021-25 के लगभग 100 प्रशिक्षु शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रशिक्षु शिक्षकों ने स्वनिर्मित विविध एवं रचनात्मक शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) का प्रदर्शन किया। प्रदर्शित सामग्रियों का मूल्यांकन एक द्विसदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें प्रबंधन विभाग के डॉ. सरोज रंजन तथा डॉ. अर्चना धान शामिल थे। निर्णायकों ने सभी प्रस्तुतियों का गहन अवलोकन करते हुए श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. तनवीर युनूस ने समापन भाषण में प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।
इस कार्यक्रम की सफलता में डॉ. शालिनी अवधिया, डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. कुमारी भारती, डॉ. अमिता कुमारी, डॉ. विनीता बांकिरा सहित संपूर्ण शिक्षाशास्त्र विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत पेलावल क्षेत्र में मोहर्रम पर्व की ऐतिहासिक और भव्य तैयारी

- पेलावल मोहर्रम कमेटी के द्वारा पगड़ी पोसी रस्म का आयोजन
- हजारीबाग के पेलावल क्षेत्र का मोहर्रम जुलूस अपनी ऐतिहासिकता, अखाड़ों की कला-प्रदर्शन, और सामाजिक सौहार्द के लिए विशेष पहचान रखता है: हैदर अली

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिले में मोहर्रम पर्व की ऐतिहासिक परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी कटकमसांडी प्रखंड के पेलावल उत्तरी एवं पेलावल दक्षिणी पंचायतों में मोहर्रम को लेकर भव्य तैयारियाँ की गई हैं। पेलावल मोहर्रम कमेटी द्वारा मेले और ताजिया जुलूस को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न कराने हेतु जोरदार तैयारियाँ की जा रही हैं। मोहर्रम की पांचवीं तारीख से ही पेलावल के दोनों पंचायत के गांव, मोहल्लों में 'यादें हुसैन' कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें परंपरागत अखाड़ों द्वारा जुलूस निकाला जा रहा है और हैरतअंगेज़ खेल-तमाशे प्रस्तुत किए जा रहे हैं।
बुधवार को मोहर्रम की सप्तमी को देर रात पेलावल मुख्य मार्ग के इब्राहिमी मस्जिद के समीप विशेष आयोजन के तहत पगड़ी पोसी की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर मोहर्रम कमेटी के खलीफा, अध्यक्ष, सचिव सहित अन्य जिम्मेदार सदस्यों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पेलावल ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पांडे को पेलावल ओपी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर पेलावल मोहर्रम कमिटी के द्वारा पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया इसके अलावा कई समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को भी मोहर्रम कमेटी की ओर से पगड़ी पहनाकर सम्मान प्रदान किया गया।
इस रस्म में शामिल प्रमुख व्यक्तियों में पेलावल मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली, पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मिसबाहउल इस्लाम, मोहम्मद मुस्तकीम, मोहम्मद नौशाद, मोहम्मद मुमताज़, पेलावल दक्षिणी पंचायत समिति सदस्य सलाउद्दीन उर्फ बबलू, पेलावल उत्तरी पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद साबिर, पेलावल उत्तरी के मुखिया मोहम्मद एकलाख, समाजसेवी एजाज अहमद, तबारक अली, अबुलैश हाशमी, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद महमुद, रमज़ान अली, अफसर अली, मोहम्मद असलम, पत्रकार एजाज आलम सहित सैकड़ों समाजसेवी एवं सम्मानित नागरिक मौजूद थे।
इस अवसर पर पेलावल मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली ने बताया कि हजारीबाग के पेलावल क्षेत्र का मोहर्रम जुलूस अपनी ऐतिहासिकता, अखाड़ों की कला-प्रदर्शन, और सामाजिक सौहार्द के लिए विशेष पहचान रखता है। इस वर्ष भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक जुलूस में भाग ले रहे हैं।

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सरदार ज्योति मथारू कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से मिले

- कार्यकर्ताओं की समास्या से अवगत होकर संबंधित पदाधिकारी को समस्या के समाधान करने का निर्देश दिया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विभागीय पदाधिकारी की बैठक के पश्चात झारखंड अल्पसंख्यक आयोग ज्योति मथारू तथा आयोग के सदस्य बरकत अली ने अल्पसंख्यक तथा कांग्रेसियों के साथ अहम बैठक कर उनके जनसमस्याओं से अवगत हूए और सम्बन्धित पदाधिकारीगण को तौरीक तौर पर समाधान करने के निर्देश दिया।
इस अवसर पर मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, मिडिया अध्यक्ष निसार खान, प्रदेश सचिव विनोद सिंह, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष साजिद अली खान, ओबीसी कांग्रेस प्रदेश सचिव रेणू कुमारी, यासीन खान, मनिषा टोप्पो, गुड्डू सिंह, जमशेद खान, साजिद हुसैन,शाहिद शेख, मनोज नारायण भगत, परवेज अहमद, दिलदार अंसारी,दिलीप रवि,मुस्ताक अंसारी,सरदार चरणजीत सिंह, मो.वारिस, विजय कुमार सिंह, रिंकू कुमार, शिवनदन साहू, भैया असीम, हैदर अंसारी मौजूद थे!

मोहर्रम त्योहार को लेकर चरही पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

संवादाता चरही
हजारीबाग। मोहर्रम त्योहार लेकर चरही पुलिस ने गुरुवार को फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान चरही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल, प्रभु नारायण दास,अभय आनंद, ए एस आई रणजीत कुमार तथा चरही पुलिस के अन्य जवान मौजूद थे। पुलिस द्वारा इस दौरान फुसरी से 44मोड़ तक फ्लैग मार्च किया तथा जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी ने कहा कि मोहर्रम को लेकर फ्लैग मार्च किया जा रहा है साथ ही लोगों से अपिल की जा रही है कि शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार को आपसी सौहार्द और प्रेम के साथ त्यौहार को मनाएं।

जिला परिषद हजारीबाग में व्याप्त घोटाले के संबंध में कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

ऐसे पदाधिकारी की कार्यशैली से सरकार की छवि हो रही है खराब, जल्द ही इस मामले को लेकर मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से भी करेंगे शिकायत

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिला परिषद के जिला अभियंता की कार्यशैली से नाराज होकर उनके खिलाफ कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया है और कहा है कि हजारीबाग जिला परिषद में जिला अभियंता के द्वारा टेंडर में बहुत तरह से घोटाले और घपला किया जा रहे हैं, मनचाहे लोगों को टेंडर दिया जा रहा है। हाल में हुए कामों को फिर से रिटेंडर करके सरकारी राशि का बंदरबाट किया जा रहा है। चहेते ठेकेदारों को काम दिया जा रहा है और बाकी अन्य ठेकेदार मुख्य दर्शक बने हुए हैं, पिछले तीन वर्षों की निविदा की जांच करा कर इस मामले की पुष्टि की जा सकती है। हाल में ही इनके द्वारा स्टेडियम में कई तरह के घोटाले किए गए, यहां के अखबारों ने जिसे प्रमुखता से छापा है। बावजूद इनपर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जब से यह हजारीबाग में जिला अभियंता बनकर जिला परिषद में योगदान दिए हैं, तब से यह एक खास वर्ग को लाभान्वित करने में लगे हुए हैं। पिछले तीन वर्षों में जितने भी टेंडर हुए हैं उनमें इनके द्वारा बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता की गई है। हजारीबाग स्टेडियम तो मात्र छोटा सा उदाहरण है। आग्रह है कि उनके पूरे कार्यकाल हुए टेंडर की जांच कराई जाए, वित्तीय लेनदेन की जांच हो, और उनके चल अचल संपत्ति की भी जांच एसीबी और सीआईडी तथा उच्च स्तरीय जांच एजेंसी से कराई जाए। इस पत्र की कॉपी जिला के उपायुक्त, एसीबी झारखंड, enforcement directorate को भी भेजी गई है, और आग्रह किया गया है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच हो और ऐसे पदाधिकारी पर कार्रवाई हो जो झारखंड सरकार की छवि बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। सुरजीत नागवाला ने कहा है की हम लोग आंदोलनकारी लोग हैं, कार्रवाई नहीं होने तक हम लोग लड़ते रहेंगे और जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ भूख हड़ताल भी करनी पड़े तो वह भी करने का काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

इटखोरी चौक पर मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन युवक हुए घायल, किया गया रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। बुधवार संध्या 6:30 बजे चौक स्थित वाइनशॉप के सामने अमर केसरी के भूंजा दुकान के पास दो मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर टकरा गए। इस दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना पश्चात बाद राहगीरों ने तीनों घायलों को ऑटो द्वारा तुरंत इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों द्वारा तीनों का प्राथमिक उपचार कर घायलों की गंभीर अवस्था को देखते हुए बेहतर चिकित्सा के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार गंभीर रूप से घायलों को हजारीबाग से रांची रेफर किया गया है। तीनों घायलों की पहचान उदेश्वर सिंह पिता केवल सिंह ग्राम पिण्डारकोन, दूसरा युवक गोविंद चौरसिया पिता भागी चौरसिया ग्राम इटखोरी तीसरा अरुण चौधरी पिता सूरज चौधरी ग्राम चौबे के रूप में पहचान हुयी है। उदेश्वर सिंह चतरा से चौपारण की और अपने घर जा रहे थे वहीं गोविंद चौरसिया अरुण चौधरी चौपारण की ओर से चतरा की ओर जा रहे थे उसी बीच दोनों में आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई इसमें तीनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

वाटर कुलर लगने से विद्यालय के विद्यार्थियों में खुशी

आदिवासी एक्सप्रेस

सतगावां कोडरमा। प्रखंड के ईटाय गांव निवासी सुजीत सिंह ने अपने पिता स्वर्गीय रामानंद सिंह की पुण्यतिथि पर मध्य विद्यालय ईटाय में वाटर कुलर लगवाया है जिसका उद्घाटन पूर्व मुखिया जयशंकर प्रसाद ने फीता काटकर किया। वाटर कुलर लगने से विद्यालय के विद्यार्थियों में बहुत खुशी का माहौल है। सूत्रों के अनुसार सुजीत सिंह अमेरिका में रह कर जॉब करता है , उनकें सौजन्य से ही यह कार्य सम्पन्न हो पाया। उन्होंने घोषणा किया कि लाखों रुपए से विद्यालय परिसर में सार्वजनिक शौचालय बनवाया जाएगा। साथ ही गाँव के प्रवेश द्वार पर चंद्रवंशी तोरण द्वार का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की आगे आकर विद्यालय के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की कमी न हो। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण मिश्रा ने इस पहल के लिए जयशंकर प्रसाद और उनके परिवार का आभार जताया। जयशंकर प्रसाद ने कहा कि यह प्रेरणा उन्हें पिता और बड़े भाई से मिली है , स्थानीय लोगों ने इसे सराहनीय सामाजिक पहल बताया। इस तरह के जन कल्याण करने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। मौके पर प्रधानाध्यापक शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र छात्राएं एवं अनेकों ग्रामीण मौजूद थे, बब्लू सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, शिवराज सिंह, सतीश सिंह, नवलेश सिंह, अशोक सिंह, अरुण सिंह, रतन सिंह, अम्बिका सिंह शामिल थे।

बालूमाथ सिटी हॉस्पिटल में 6 जुलाई को लगेगा विशेष नि:संतानता जांच शिविर

बालूमाथ। बालूमाथ निःसंतान दंपतियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लातेहार जिला के बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित बालूमाथ सिटी हॉस्पिटल में 6 जुलाई 2025 को विशेष निःसंतान जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में निःसंतान दंपतियों को बिल्कुल मुफ्त परामर्श और आवश्यक जांच की सुविधा दी जाएगी।

शिविर में एक प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगी,जो निस्संतान से संबंधित हर प्रकार की समस्या का समाधान सुझाएंगी और सही उपचार की दिशा में मार्गदर्शन करेंगी। यह शिविर साहू पेट्रोल पंप के सामने, मुरपा रोड बालूमाथ स्थित बालूमाथ सिटी हॉस्पिटल परिसर में सुबह 10:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक चलेगा।

हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि ऐसे दंपति जो संतान सुख से वंचित हैं, वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह-मशविरा कर सकते हैं। अपॉइंटमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है ताकि अधिक भीड़ न हो और हर दंपति को पर्याप्त समय मिल सके। इच्छुक लोग 9631293200 पर कॉल कर अपनी अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं या सीधे हॉस्पिटल पहुंचकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बालूमाथ सिटी हॉस्पिटल के संचालक ने क्षेत्र के निस्संतान दंपतियों से अपील की है कि इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मुहर्रम पर्व को लेकर चतरा जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

- **मुहर्रम का पर्व आपसी सद्भाव, संयम और त्याग का प्रतीक है-चतरा उपायुक्त**
- **मुहर्रम पर्व के अवसर पर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, तमाम गतिविधियों पर रहेगी पैनी नजर-पुलिस अधीक्षक चतरा**

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

चतरा। जिले में मुहर्रम पर्व-2025 को शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने हेतु समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने की, वहीं चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए समाजसेवी, धर्मगुरु, ताजिया कमेटी के सदस्य, जनप्रतिनिधि, एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने कहा कि मुहर्रम का पर्व आपसी सद्भाव, संयम और त्याग का प्रतीक है। जिले में इसका शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ तैयार है तथा आमजन को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। सभी समुदायों से अपेक्षा है कि वे आपसी समन्वय और सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शांति और सौहार्द बनाए रखेंगे।चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बैठक में सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि मुहर्रम के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील किया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आगे उन्होंने सोशल मीडिया पर निगरानी को लेकर कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने अथवा भ्रामक एवं उत्तेजक पोस्ट साझा करने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। साइबर सेल की टीम सक्रिय रहेगी और ऐसे किसी भी गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आमजन से अपील है कि वे किसी भी असत्य या संदिग्ध सूचना को बिना सत्यापन के साझा न करें, तथा किसी भी आपत्तिजनक सामग्री की जानकारी तुरंत पुलिस या प्रशासन को दें। इसके लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिसका संपर्क सूत्र 9334103793 है। यह कंट्रोल रूम 24म7 सक्रिय रहेगा। किसी भी आपात स्थिति या शांति भंग करने वाली सूचना के लिए नागरिक इस नंबर पर सीधे संपर्क करें। बैठक में जुलूस के मार्ग, ताजिया के संचालन, लाइटिंग, पेयजल, साफ-सफाई, चिकित्सीय सुविधा, विद्युत आपूर्ति, तथा यातायात नियंत्रण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। समाज के प्रतिनिधियों ने भी सुझाव रखते हुए प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया। अंत में उपायुक्त महोदया ने इस बैठक में सभी उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

चतरा सांसद का प्रयास लाया रंग, केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री ने संसदीय क्षेत्र की महत्वपूर्ण योजना की दी स्वीकृति

घोषणा के बाद चतरा लोकसभा क्षेत्र के जनता में हर्ष का माहौल

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

चतरा। लोकसभा क्षेत्र के चंदवा रेलवे ओवर ब्रिज महा मिलन 16 के मांग की प्रतिक्षा लंबे समय से चंदवा की जनता कर रही थी। संसदीय क्षेत्र की जनता की इस चिर प्रतीक्षित मांग को केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकृति प्रदान की। इसके निर्माण को लेकर चंदवा क्षेत्र में निवास करने वाली आम जनता वर्षों से लंबा संघर्ष करती रही है और लगातार इस मुद्दे पर। जन आंदोलन भी कर चुकी है। जनता की अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के पास इस प्रस्ताव को रखा था और इसके लिए निरंतर प्रयासरत थे।माननीय सांसद कालीचरण सिंह का यह प्रयास रंग लाया। जनता की चिर प्रतीक्षित अपेक्षा को चतरा सांसद के प्रयासों के फल स्वरुप मूर्त रूप प्रदान किया केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने। संसद के इस प्रस्ताव को आज केंद्रीय मंत्री ने खुले मंच से घोषणा कर जल्द ही निर्माण कार्य को आरंभ करने की बात कही साथ ही सांसद से निर्माण कार्य में आम आदमी के जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा उसके निष्पादन के लिए भी केंद्रीय मंत्री ने मंच से सांसद से आग्रह किया। उक्त कार्य लोकसभा क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन और निर्माण से क्षेत्र लोगों को कई प्रकार की सहूलियतें होगी साथ ही कई प्रकार की समस्याओं से निजात भी मिलेगी। इस योजना के लिए सांसद कालीचरण सिंह के द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास की संसदीय क्षेत्र की आम जनता ने स्वागत किया। निर्माण की घोषणा से संसदीय क्षेत्र की जनता में उमंग और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। संसदीय क्षेत्र की जनता ने केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं चतरा लोकसभा लोकप्रिय सांसद काली चरण सिंह को लोगो ने भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

इटखोरी से बाबा बर्फानी के भक्तों का जत्था निकाला अमरनाथ की यात्रा पर

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के विभिन्न गांव मोहल्ले से गुरुवार को 10 की संख्या में युवा श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। यात्रा पर रवाना होने से पूर्व जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं ने इटखोरी के ऐतिहासिक पावन मां भद्रकाली मंदिर पहुंचकर माता रानी का दर्शन पूजन कर यात्रा के मंगलमयता के लिए पूजा आराधना की। इसके बाद वे लोग मंदिर प्रांगण के कई धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर मत्था टेककर अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो गए। जत्थे में शामिल रंधीर सिंह एवं द विजन पब्लिक स्कूल के निदेशक नीरज सिन्हा ने बताया कि हमलोग 7 जुलाई को अमरनाथ पहुंच कर बाबा बर्फानी का दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद 11 जुलाई को माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचेंगे। यहां मां की पूजा अर्चना के बाद 15 जुलाई को खाटू श्याम पहुंचकर पुजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद 17 जुलाई को ट्रेन के रास्ते से कोडरमा आएंगे।जत्थे में मुख्य रूप से रणधीर सिंह, धनंजय सिंह, उपेन्द्र सिंह, पवन सिंह, नीरज सिंह, नीरज सिन्हा, सुधीर सिंह, योगेंद्र सिंह, शिवकुमार सिंह और रंजीत सिन्हा शामिल हैं।

लक्ष्मीपुर आपसी विवाद में पत्नी को टांगी से काटकर पति ने किया हत्या, गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस/पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार थाना कांड सं0 56/25, दिनांक 03.07.2025, धारा 103(1), भारतीय न्याय संहिता (BNS)-2023 के अंतर्गत एक महिला की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला वादी शत्रुधन भुईयाँ (उम्र लगभग 60 वर्ष), पिता स्व0 बोधन भुईयाँ, ग्राम बुडरोंधा, थाना पीपरा, जिला पलामू के आवेदन पर दर्ज किया गया, जिसमें उनकी पुत्री आलती देवी की हत्या का आरोप उनके दामाद बसंत भुईयाँ (उम्र लगभग 35 वर्ष), पिता श्री भुईयाँ, ग्राम महुअरी टोला, रस्सीटांड़, थाना नौडीहा बाजार, जिला पलामू पर लगाया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर त्वरित छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में अभियुक्त बसंत भुईयाँ को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। घटना के दिन भी झगड़े के दौरान गुस्से में आकर उसने टांगी से गर्दन पर वार कर दिया, जिससे आलती देवी की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

बरामदगीः

1. घटना में प्रयुक्त खून से सना टांगी
2. खून से सना कपड़ा

गिरफ्तार अभियुक्तः

1. बसंत भुईयाँ (उम्र करीब 35 वर्ष), पिता श्री भुईयाँ, ग्राम महुअरी टोला रस्सीटांड़, थाना नौडीहा बाजार, जिला पलामू

छापामारी दलः

1. अमित कुमार द्विवेदी - थाना प्रभारी, नौडीहा बाजार
2. पु0अ0नि0 उदय प्रसाद यादव - अनुसंधानकर्ता
3. पु0अ0नि0 प्रदीप शर्मा
4. स0अ0नि0 नागेन्द्र कुमार
5. स0अ0नि0 दीपक कुमार
6. आरक्षी 1719 - नागेन्द्र राम
7. आरक्षी 49 - पंकज कुमार सिंह, नौडीहा बाजार थाना सशस्त्र बल

गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई एवं साक्ष्य संकलन जारी है।

अनियंत्रित ट्रेलर ने बाइक सवार को मारा धक्का स्थिति गंभीर किया गया रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। गुरुवार को थाना क्षेत्र के इटखोरी हजारीबाग रोड बघमुंडी गांव में टेलर ने बाइक सवार को मारी टक्कर जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। ये घटना बघमुंडी स्कूल के समीप हुआ है, घायल बाइक सवार उमेश दास पिता दामोदर दास ग्राम का गांव तुम्बी चौक परसौनी के रहने वाले हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमेश दास इटखोरी से कर्मा जा रहे थे और ट्रेलर पदमा मुख्य मार्ग की तरफ से आ रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि घायल युवक को हजारीबाग रेफर कर दिया गया है, ड्राइवर गाड़ी छोड़ कर फरार हो गया और गाड़ी को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई है। मुकेश दास ने बताया कि उमेश दास की स्थिति गंभीर है जिसका इलाज हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है।

आगामी पर्व मुहर्रम को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति बैठक का किया गया आयोजन, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

- **विधि व्यवस्था के संधारण हेतु प्रमुख स्थानों पर की जायेगी पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्तिः उपायुक्त**
- **जिला स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष रहेगा कार्यरतः उपायुक्त**
- **टीम भावना के साथ अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें, अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें: उपायुक्त**
- **व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया पर रखी जा रही है निगरानी, विद्वेष फैलाने वालों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई करने का दिया गया निर्देशः पुलिस अधीक्षक**

शुभम सौरभ

गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार कक्ष में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न अनुमंडलों से आए शांति समिति के लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों से शांति के साथ पर्व मनाने को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान शांति समिति के लोगों द्वारा साफ सफाई, पेयजल एवं बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर भी चर्चा किया गया। इसके पश्चात जिला उपायुक्त ने अनुमंडलवार और थानावार मुहर्रम पर्व को लेकर किए गए तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना उत्पन्न न हो। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि जिले में अमन चैन, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने में शांति समिति, प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तियों की अहम भूमिका है। उपायुक्त ने कहा कि शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाएं। आगे उपायुक्त ने कहा कि जिले के जिन जगहों पर शांति समिति की बैठक नहीं हुई है, वहां के अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी शांति समिति की बैठक कर लें। उपायुक्त ने कहा कि सभी अनुमंडल पदाधिकारी अपने स्तर से आवश्यकता अनुरूप वीडियोग्राफर/सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे को लगवाना सुनिश्चित करेंगे। वहीं सभी अनुमंडल पदाधिकारी को अपने क्षेत्र के सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध धारा 107 के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा, अनुमंडल पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी उस पथ का भौतिक निरीक्षण एवं सत्यापन कर लें। विधि व्यवस्था के संधारण हेतु प्रमुख स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर गश्ती दलों को सक्रिय करें। पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है, सभी आवश्यक कार्यों को किया जा रहा है। आगे पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे सभी स्थान जो कि संवेदनशील हैं, वहां पर विशेष निगरानी रखनी है। रूट पुराना ही रहे इस पर भी विशेष ध्यान रखना है। फेसबुक व्हाट्सएप समेत सभी सोशल मीडिया का मॉनिटरिंग करना है। सभी थाना प्रभारी एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारी इसके लिए सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन के साथ एक बैठक कर लें और किसी प्रकार का भी भ्रामक खबर न फैले। इस पर विशेष ध्यान देना साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों को फैलाने वाले पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जुलूस के दौरान आग का खेल, एयर गन आदि के प्रदर्शन पर रोक रहेगा। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बीएनएस धारा 126 के तहत जितनी हो सकती है, कारवाई करें। उन्होंने कहा कि रूट चार्ट के अनुसार ही ड्रोन का उपयोग करें। अग्निशमन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही संवेदनशील स्थानों में बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि मुहर्रम पर्व को देखते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार लाएं। अंत में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर समय से पहुंचेंगे। ताकि हमारा रिस्पॉन्स समय से हो। बैठक में उपरोक्त के अलावा सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, शांति समिति के सदस्य सहित अन्य कई संबंधित पदाधिकारी एवं गणमान्य व बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

खराब ट्रांसफार्मर मिलने से नाराज ग्रामीणों ने घंटो किया सड़क जाम

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता हिरणपुर

हिरणपुर (पाकुड़)। हिरणपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा डांगापड़ा -हिरणपुर मुख्य सड़क दुर्गा मंदिर के समीप सड़क, को घंटो जाम कर दिया , ग्रामीण पुराना ट्रांसफार्मर मिलने से काफी नाराज थे, अपने नाराजगी को व्यक्त करने के लिए सड़क को जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग बार-बार पुराना ट्रांसफार्मर देता है, जो एक दो दिन भी नहीं टिकता है। जिसके कारण ग्रामीणों ने सड़क जाम करके नया ट्रांसफार्मर लगाने का डिमांड किया है। वही जाम के चलते सड़क की देने और गाड़ी की लंबी कतारे देखने को मिला जिसकी सूचना मिलते ही हिरणपुर थाना के पुलिस एएसआई दिलीप मंडल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझने का प्रयास किये परंतु ग्रामीण नए ट्रांसफार्मर की बात पर आरा रहा। अंततः बाद में जब बिजली विभाग से फोन पर संपर्क किया गया तो बताया कि अभी नया ट्रांसफार्मर स्टॉक में नहीं है। उसके बाद ग्रामीण किसी तरह शांत होकर रोड को जाम मुक्त किया। मौके पर जाम को लेकर सक्रिय ग्रामीणों में सुकुमार मंडल, राकेश मंडल, माधव मंडल, सनातन मंडल आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

डायरिया रोको अभियान 14 अगस्त तक , उपायुक्त ने प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा आईडीएफ स्टॉप डायरिया कैंपेन के प्रचार प्रसार हेतु डायरिया रथ को उपायुक्त मनीष कुमार व डीआरसीएचओ डॉ एस.के झा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि यह कैंपेन दिनांक 01-07-2025 से 14-08-2025 तक किया जाना है। स्टॉप डायरिया कैंपेन के दौरान सभी 5 वर्ष से कम बच्चों को 02 ओआरएस पैकेट एवं 14 जिंक टेबलेट का वितरण किया जाना है तथा सभी स्वास्थ्य संस्थान जैसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ओआरएस एवं जिंक कॉर्नर का स्थापना कर सभी लक्षित लाभार्थियों ORS एवं जिंक टेबलेट का वितरण भी किया जाना है।

कृषि विभाग द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत

● किसानों के बीच मूंगफली का बीज वितरित किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- कृषि विभाग द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत पाकुड़ प्रखंड के दादपुर पंचायत के महादेवपुर सेजा गांव एवं नवीनगर पंचायत के पिपरजोरी गांव के लगभग 70 किसानों के बीच 10 -5 किलो मूंगफली का बीज वितरित किया गया। वितरण कार्यक्रम में बीटीएम शमीम अंसारी, एटीएम सुदीप सेन, नीलम श्रीवास्तव, कृषक मित्र तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महेशपुर बाजार में श्रम विभाग के द्वारा चलाया गया बाल श्रम विमुक्ति सह जागरुकता अभियान

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

गुरुवार को श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी, पाकुड़ गिरीश चंद्र प्रसाद के द्वारा महेशपुर बाजार के विभिन्न प्रतिष्ठानों, होटल एवं गैरेज आदि में बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सभी प्रतिष्ठानों में धारा-12 क के तहत सूचना प्रदर्शित कराई गई। श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी श्री गिरीश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं खतरनाक नियोजन में 14-18 वर्ष तक के बच्चों का नियोजन प्रतिषेध है। उल्लंघन की स्थिति में नियोजक पर बीस हजार रुपये से पचास हजार रुपये तक का जुर्मना अथवा 06 माह से 02 वर्ष तक का कारावास या दोनो हो सकता है। जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए निरन्तर कारवाई जारी रहेगी। इस अभियान में कैलाश सत्यार्थी फाउन्डेशन के सदस्य, चाइल्ड लाइन एवं श्रम विभाग के कर्मी शामिल थे।

डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक में विभिन्न योजनाओं के प्रस्ताव पर हुई चर्चा

● विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया गया वितरण ● पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को दिलाया स्वच्छता का शपथ ● राशि का 70 फीसद हिस्सा प्राथमिकता के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आदि से संबंधित योजनाओं एवं 30 फीसद हिस्सा आधारभूत संरचनाओं के विकास सड़क, पुल, पुलिया निर्माण में होगी खर्च

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार देर शाम को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) न्यास परिषद की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह परिषद के अध्यक्ष मनीष कुमार ने की।

मौके पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद, लिट्टीपाड़ा विधायक प्रतिनिधि अजीजुल इस्लाम, महेशपुर विधायक प्रतिनिधि अदुद बदुद समेत पंचायतों के मुखिया व जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह बैठक जिले के पंचायतों के विकास के लिए है। सभी अपने- अपने पंचायत क्षेत्रों के विकास को लेकर योजनाओं का चयन करें। क्रमवार सभी योजनाओं को लिया जाएगा। आप सभी विकास में सहयोग करें। राज्य सरकार सभी क्षेत्र में विकास को लेकर अग्रसर है। राशि के अनुकुल कार्य योजना तैयार कर, प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया को ससमय पूरा किया जाए। जिन योजनाओं को लिया जा रहा है, उसकी निविदा जल्द जारी कर कार्य को शुरू करें, ताकि लोगों को योजनाओं का जल्द लाभ मिल सके। सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश डीएमएफटी के तहत उपलब्ध राशि की खर्च करने/कौन-कौन सी योजनाओं को लिया जा सकता हैं उसकी जानकारी दी। कहा कि डीएमएफटी की राशि खनन से प्रभावित पंचायत क्षेत्रों (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से) प्रभावित हो रहा हैं वहीं किया जाना है। इसके लिए ग्राम सभा के माध्यम से योजनाओं का चयन किया जाता है। चयन के समय उच्च एवं निम्न प्राथमिकताओं का ध्यान रखना है। संपूर्ण जिले को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है। उपायुक्त ने उच्च प्राथमिकताओं में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, स्वच्छता आदि से संबंधित योजनाओं एवं निम्न प्राथमिकता में आधारभूत संरचना, सड़क -पुल/पुलिया, सिंचाई आदि से संबंधित योजनाओं को लेने की बात कहीं। उपायुक्त ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025 -26 में डीएमएफटी कोष की राशि से खर्च उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं में 70 फीसद एवं निम्न प्राथमिकता वाली योजनाओं में 30 फीसद होगी।

हिरणपुर प्रखंड की सखी मंडल की दीदी कर रही हैं श्री विधि से धान की खेती, बनीं प्रेरणा स्रोत

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड़), गुरुवार को हिरणपुर प्रखंड की सखी मंडल की महिलाएं अब खेती के क्षेत्र में भी नए प्रयोग कर मिसाल कायम कर रही हैं। प्रखंड के सखी मंडल की दीदी ने धान की खेती में पारंपरिक तरीकों को छोड़कर श्री विधि (System of Rice Intensification - SRI) अपनाया है, जिससे उन्हें बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

श्री विधि के तहत कम बीज, कम पानी और वैज्ञानिक तरीके से रोपाई कर फसल की पैदावार को बढ़ाया जाता है। इससे न केवल लागत में कमी आती है, बल्कि फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। इस विधि को अपनाने वाली सखी मंडल की दीदी अब प्रखंड की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। उन्होंने बताया कि पहले जहां पारंपरिक खेती में अधिक मेहनत और लागत लगती थी, वहीं श्री विधि अपनाने से कम संसाधन में अधिक लाभ मिल रहा है। साथ ही, इससे मिट्टी की सेहत भी बेहतर बनी रहती है। ग्राम संगठन और आजीविका मिशन की सहायता से दीदी को श्री विधि की जानकारी और प्रशिक्षण मिला। अब वे अन्य सखी मंडल की बहनों को भी यह तकनीक सिखाने का कार्य कर रही हैं। यह पहल क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वर्ष प्रखंड क्षेत्र के मनीडांगा, डांगापाड़ा, जामपुर, आदि विभिन्न गांवों में श्री विधि से धान की खेती किया जा रहा है। इस दौरान मौके पर बीआरपी लखी हांसदा, प्रेमशिला मरांडी, लालू पहाड़िया, मनवेल किस्कू आदि आदी मौजूद थे।

प्रोजेक्ट समावेश के अंतर्गत एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना कार्यक्रम के तहत कृत्रिम अंग का वितरण कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय परिसर में किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, जेएमएम जिला अध्यक्ष अजीजूल इस्लाम, उपाध्यक्ष समद अली, विधायक प्रतिनिधि के द्वारा चार दिव्यांगजन के बीच एक इलेक्ट्रॉनिक ट्राय साइकिल और तीन व्हील चेयर का वितरण किया गया। एलिम्को द्वारा आयोजित निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों का जीवन सरल बनाने के लिए सरकार प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरण न होने की वजह से दिव्यांगजनों का जीवन कठिन हो जाता है, लेकिन कृत्रिम उपकरणों के माध्यम से उनके जीवन को सरल बनाया जा सकता है।

आदिवासी समुदायों को लाभ वितरण आयोजित शिविर में कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुये लाभुक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

लिट्टीपाड़ा पाकुड़। कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किये जाने के उद्देश्य से गुरुवार को प्रखंड के करमाटांड़ पंचायत सचिवालय में पीएम-जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लाभ वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करमाटांड़ ग्राम के कमजोर वर्गों के संरक्षण एवं बेहतरी के लिए योग्य लाभुकों कोस्वास्थ्य जाँच, आधार पंजीकरण, प्रधानमंत्री

गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन योजना, विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम, सिकल सेल मिशन, मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं के लाभ से अच्छादित करने के लिए जानकारियां दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर कई लाभुकों को मौके पर ही लाभ पहुँचाया गया।

शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि हाल ही में, सरकार ने 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' शुरू किया है, जो एक प्रमुख राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसका उद्देश्य सरकारी लाभों तक पूर्ण पहुंच सुनिश्चित करके आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाना है।

मौके पर शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने स्वक्छता शपथ सहित नशा मुक्त करने का संकल्प दिलाया।

बरहेट स्थित मदरसा जामिया एसलाहूल मोमेनिन लील बनात में दिशोम गुरू श्री शिबू सोरेन जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतू दुआ करते छात्रगण

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

अल्लाह से दुआ है कि गुरुजी शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ हो और हम सबको अपने अनुभव व आशीर्वाद से मार्गदर्शित करेः झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान

राज्य के जनक, झामुमो के संस्थापक, पुर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद, हम सबके अभिभावक परम आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हेतू बरहेट स्थित मदरसा में दुआ करते छात्र एवं छात्राएं

मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने बताया कि आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के अस्वस्थ होने का समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। अल्लाह से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की दुआ करते हैं।

गुरुजी झारखण्ड की आत्मा, अस्मिता और संघर्ष की अमिट पहचान हैं। उनका स्नेह, संघर्षशील जीवन और दूरदर्शी नेतृत्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहा है। अल्लाह से दुआ है कि वे शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ हों और पुनः हम सबको अपने अनुभव व आशीर्वाद से मार्गदर्शित करें।

झामुमो ने फूंका भाजपा का पुतला फूंका

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बीते 30 जून को बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह में हूल दिवस कार्यक्रम में बेनकाब हुई भाजपा की साजिश व उपद्रव फैलाने के विरोध में गुरुवार को जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में स्टेशन चौक पर जेएमएम कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा के शीर्ष नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और ओछी राजनीति

बंद करने, शहीदों का सम्मान करने, शहीदों को बदनाम न करने की बात कही। मौके पर सचिव सुरेश टुडु, उपाध्यक्ष संजीव सामु हेंब्रम, मो मारूफ गुड्डू, प्रो मुजम्मिल हक़, राजाराम मरांडी, बबलू मिश्रा, शक्तिनाथ अमन, धर्मवीर कुमार महतो, अमरनाथ यादव, सुरेंद्र यादव, अखलाकुर रहमान, मुजीबुर्रह्मान, मो आज़ाद, राजू अंसारी, बर्नाड मरांडी, दुर्गा मंडल, जेठा मरांडी, विकास यादव, अमरदीप, गफ़्फ़ार अंसारी, आदित्य यादव, जंग बहादुर सिंह, संजय मिश्रा, सुबोध सोरेन, सरिता देवी, नईम अंसारी, छवि हेंब्रम, तारिक अनवर, विनीत पोद्दार, एकरामूल हसन, दिनेश सोरेन, वारिश अंसारी, योगेश हांसदा, ग़ोपाल मंडल, नुमान अंसारी, मो इब्राहिम शेख सहित अन्य मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य पियारपुर पंचायत के मुखिया पति पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगा है। पीड़िता के बयान पर राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही इस संबंध में पुलिस जांच में जुटी हुई है। विदित हो कि मामले को लेकर पीड़िता ने मध्य पियारपुर पंचायत के मुखिया पति

मासिउर रहमान उर्फ भोदू के विरुद्ध राधानगर थाना में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। जिसमें बताया गया कि बीते एक साल पूर्व 25 जून 2024 को महिला घर में अकेली थी। मुखिया पति मासिउर रहमान उर्फ भोदु मौका पाकर घर में घुसकर महिला के साथ बलात्कार किया। दुष्कर्म करने के बाद जब महिला रोने लगी तो मुखिया पति ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर चुप करा दिया। वहीं एक साल तक कई बार यौन संबंध बनाता रहा। आपको बता दें महिला शादी-शुदा थी, इधर मसिउर शेख उर्फ भोदु शेख ने शादी करने का प्रलोभन देकर षड्यंत्र रचकर महिला का उसके पति से तलाक करवाते हुए महिला के साथ यौन संबंध बनाने पर महिला सात माह पूर्व गर्भवती हुई थी। इधर समाज में बदनामी होने की दुहाई देकर मुखिया पति ने गर्भपात करवा दिया। इसके अलावा पीड़िता ने आरोप लगाते हुए बताई कि विगत 28 फरवरी 2025 को राजमहल नया बाजार स्थित एक घर में उनसे शादी किया परंतु शादी का काग़ज़ात उन्हें नहीं दिया। जब विगत 22 जून को मुखिया पति महिला के घर के सामने से गुजर रहा था तो पीड़िता द्वारा उनके घर जाना चाही तो इंकार कर दिया और धक्का मुक्की करके भाग गया। मामले में मुखिया पति भोदू शेख़ के विरुद्ध राधानगर पुलिस ने थाना कांड संख्या 251/25 में बीएनएस की धारा 69,89, 352,115 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुट गई है।

नए दलाई लामा की घोषणा: कौन होगा दलाई लामा का उत्तराधिकारी?

>> विचार

> "वर्तमान दलाई लामा के देहांत के बाद उनकी आत्मा एक नवजात शिशु में पुनर्जन्म लेती है, जिसकी खोज वरिष्ठ लामाओं द्वारा संकेतों, सपनों, और भविष्यवाणियों के माध्यम से होती है। संभावित बच्चे को पूर्ववर्ती दलाई लामा की वस्तुओं, जैसे माला या छड़ी, को पहचानने की परीक्षा दी जाती है, जिसके बाद उसे बौद्ध धर्म, तिब्बती संस्कृति, और दर्शन की गहन शिक्षा दी जाती है। 14वें दलाई लामा ने संकेत दिया है कि पारंपरिक पुनर्जन्म के अलावा 'उद्भव' भी उत्तराधिकार का एक वैकल्पिक तरीका हो सकता है। इसका अर्थ है कि वे अपने जीवनकाल में भी उत्तराधिकारी चुन सकते हैं, जिससे चीनी हस्तक्षेप से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उत्तराधिकारी 'स्वतंत्र दुनिया' में जन्म लेगा।

जयसिंह रावत

तिब्बती बौद्ध धर्म की आत्मा मानी जाने वाली दलाई लामा की परंपरा आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। परंपरागत रूप से दलाई लामा का चयन वर्तमान लामा की मृत्यु के बाद पुनर्जन्म के सिद्धांत के आधार पर होता है, लेकिन चीन के हस्तक्षेप के खतरे ने इस प्रक्रिया को नया आयाम दिया है। 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, ने संकेत दिया है कि अगले दलाई लामा की घोषणा उनके जीवनकाल में भी हो सकती है, ताकि चीनी दखल से बचा जा सके। इस संदर्भ में, 6 जुलाई 2025 को उनके 90वें जन्मदिवस पर धर्मशाला में होने वाले महायोजन में कोई महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना है। यही कारण है कि न केवल चीन और भारत, बल्कि अमेरिका जैसे अन्य देशों की निगाहें इस तारीख पर टिकी हैं। यह घोषणा न केवल तिब्बती अस्मिता और धार्मिक स्वतंत्रता को मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालेगी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : दलाई लामा, तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग संप्रदाय के सर्वोच्च नेता, करुणा के बोधिसत्त्व अवलोकितेश्वर के अवतार माने जाते हैं। यह उपाधि पहली बार 1578 में मंगोल शासक अल्तान खान द्वारा तीसरे दलाई लामा, सोनम ग्यात्सो को दी गई थी। 17वीं शताब्दी में पांचवें दलाई लामा ने गदेन फोड्रांग सरकार के माध्यम से तिब्बत में आध्यात्मिक और राजनीतिक सत्ता स्थापित की। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, का जन्म 6 जुलाई 1935 को उत्तर-पूर्वी तिब्बत में एक किसान परिवार में हुआ था। दो वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया। 1959 में चीनी आक्रमण के बाद वे भारत में निर्वासन में आए और धर्मशाला को तिब्बती निर्वासित सरकार का केंद्र बनाया। 1989 में उन्हें शांति और अहिंसा के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसने उन्हें वैश्विक स्तर पर शांति का प्रतीक बनाया।

उत्तराधिकार की प्रक्रिया : तिब्बती बौद्ध परंपरा में दलाई लामा का चयन पुनर्जन्म के सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान दलाई लामा के देहांत के बाद उनकी आत्मा एक नवजात शिशु में पुनर्जन्म लेती है, जिसकी खोज वरिष्ठ लामाओं द्वारा संकेतों, सपनों, और भविष्यवाणियों के माध्यम से होती है। संभावित बच्चे को पूर्ववर्ती दलाई लामा की वस्तुओं, जैसे माला या छड़ी, को पहचानने की परीक्षा दी जाती है, जिसके बाद उसे बौद्ध धर्म, तिब्बती संस्कृति, और दर्शन की गहन शिक्षा दी जाती है। 14वें दलाई लामा ने संकेत दिया है कि पारंपरिक पुनर्जन्म के अलावा 'उद्भव' भी उत्तराधिकार का एक वैकल्पिक तरीका हो सकता है। इसका अर्थ है कि वे अपने जीवनकाल में भी उत्तराधिकारी चुन सकते हैं, जिससे चीनी हस्तक्षेप से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उत्तराधिकारी 'स्वतंत्र दुनिया' में जन्म लेगा, संभवतः भारत, उत्तराखंड, हिमाचल, या लद्दाख जैसे क्षेत्रों में, न कि चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्र में। यह प्रक्रिया गदेन फोड्रांग ट्रस्ट द्वारा संचालित होगी, जो 2015 में स्थापित किया गया था और तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुखों के परामर्श से कार्य करेगा।

भू-राजनीतिक महत्व : दलाई लामा का उत्तराधिकार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। 1951 में तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद से, बीजिंग ने तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करने का प्रयास किया है। 1995 में, जब दलाई लामा ने गेधुन चोएक्यी न्यिमा को 11वें पंचेन लामा के रूप में मान्यता दी, तो चीन ने उस बच्चे को हिरासत में ले लिया, जिसका ठिकाना आज तक अज्ञात है। इसके बजाय, चीन ने अपने चुने हुए पंचेन लामा को स्थापित किया, जिसे तिब्बती समुदाय ने अस्वीकार कर दिया। चीन का दावा है कि उसे 1793 के किंग राजवंश की 'गोल्डन अर्न' प्रक्रिया के तहत दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मंजूरी देने का अधिकार है, लेकिन दलाई लामा और तिब्बती समुदाय इसे धार्मिक स्वायत्तता पर हमला मानते हैं। दलाई लामा की हालिया घोषणा, जिसमें उन्होंने गदेन फोड्रांग ट्रस्ट को उत्तराधिकारी चयन की जिम्मेदारी सौंपी, चीन के लिए एक सीधी चुनौती है। अगर अगला दलाई लामा भारत के तवांग क्षेत्र में चुना जाता है, जहां छठा दलाई लामा जन्मे थे, तो यह भारत-चीन संबंधों में नए तनाव का कारण बन सकता है।

तिब्बतियों को चीन के हस्तक्षेप की आशंका : चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करना चाहता है ताकि तिब्बत, जिसे अब "ज़िज़ांग" कहते हैं, पर अपनी सत्ता मजबूत कर सके। उसने दलाई लामा जैसे जीवित बुद्धों के चयन के लिए कानून बनाए हैं और कहता है कि केवल उसका चुना 15वां दलाई लामा ही वैध होगा। "ज़िज़ांग में मानवाधिकार" श्वेत पत्र में "वैधानिक" धार्मिक गतिविधियों पर जोर है। 2016 से चीन ने पुनर्जनन की पहचान के लिए ऑनलाइन सिस्टम शुरू किया है। वह गोल्डन ४१ह्ल विधि या राजनीतिक प्रक्रिया से अपने चुने उत्तराधिकारी की निष्ठा सुनिश्चित कर सकता है। 1959 से धर्मशाला में रह रहे 14वें दलाई लामा ने चीन के दावे को खारिज किया। अपनी पुस्तक वॉयस फॉर द वॉयसलेस में उन्होंने कहा कि उनका उत्तराधिकारी "स्वतंत्र दुनिया" में, चीन के बाहर जन्मेगा। उन्होंने गदेन फोदरांग ट्रस्ट को उत्तराधिकारी चुनने की जिम्मेदारी दी और चीन के चुने को अवैध माना। इससे दो दलाई लामाओं की स्थिति बन सकती है। चीन को विरोधों की चिंता नहीं, क्योंकि तिब्बत में उसकी सेना मजबूत है। वह केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को अमेरिकी समर्थन को भी नजरअंदाज करता है। बीजिंग का लक्ष्य तिब्बती बौद्ध धर्म के भविष्य पर नियंत्रण है, जो धार्मिकता से ज्यादा राजनीति को प्राथमिकता देता है।

भारत की संवेदनशील स्थिति : भारत, जो 1959 से दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित सरकार को शरण दे रहा है, एक नाजुक संतुलन बनाए रखता है। एक ओर वह चीन के आक्रामक रवैये का सामना करता है, वहीं दूसरी ओर तिब्बती लोगों के सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का समर्थन करता है। भारत में लगभग 1,00,000 तिब्बती शरणार्थी रहते हैं, और धर्मशाला निर्वासित सरकार का केंद्र है। अगर 15वें दलाई लामा की खोज भारत में होती है, तो यह तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती देगा और भारत-चीन संबंधों में एक नया विवाद पैदा कर सकता है।

अमेरिका और पश्चिमी जगत की भूमिका : अमेरिका ने "तिब्बती नीति एवं समर्थन अधिनियम, 2020" और हाल के एक द्विदलीय प्रस्ताव के माध्यम से स्पष्ट किया है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन केवल तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा। यह अधिनियम अमेरिका को उन चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जो इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करेंगे। दलाई लामा की घोषणा ने अमेरिका को नैतिक और कूटनीतिक समर्थन प्रदान किया है, जिससे वह चीन पर दबाव बढ़ा सकता है।

तिब्बती समुदाय में आशा और आशंका : दलाई लामा ने अपने हालिया वीडियो संदेश में स्पष्ट किया कि उनके पुनर्जन्म की प्रक्रिया में परंपरा का पालन होगा। बीते 14 वर्षों में इस विषय पर उनकी चुप्पी से तिब्बती समुदाय में चिंता थी कि यह परंपरा समाप्त हो सकती है। उनकी इस घोषणा ने न केवल आश्वासन दिया, बल्कि आध्यात्मिक उत्तराधिकार की निरंतरता का मार्ग भी प्रशस्त किया। गदेन फोड्रांग ट्रस्ट इस प्रक्रिया को कई वर्षों तक चला सकता है, जिसमें धर्म रक्षक, भविष्यवाणी करने वाले संकेत, और तिब्बती बौद्ध संस्थानों की सलाह शामिल होगी।

संपादकीय

जानलेवा जाम

निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि का आशातीत विस्तार हुआ है। सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पिछले हफ्ते मध्यप्रदेश में लगातार 40 घंटे लगे जाम से जहां हजारों लोगों को घंटों परेशान होना पड़ा, वहीं जाम में फंसकर तीन लोगों की मौत हुई है। निश्चय ही यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन-प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, मध्यप्रदेश की घटना को लेकर एनएचएआई की आलोचना की जा रही है। इस घटना के बारे में एनएचएआई के एक अधिकारी की संवेदनहीन टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठे हैं। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। दरअसल, एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने एनएचएआई को दोषपूर्ण और देर से सड़क निर्माण के लिये फटकार लगायी है, जिसके कारण आगरा-मुबई राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर-देवास खंड में जाम लग गया था। बताते हैं कि एनएचएआई के कानूनी सलाहकार ने इस बाबत संवेदनहीन टिप्पणी की कि लोग बिना किसी काम के घर से इतनी जल्दी क्यों निकलते हैं? इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। जिसके खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यही प्रतिक्रिया अदालत की टिप्पणी में भी झलकती है। इसमें दो राय नहीं कि अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है। निस्संदेह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय संभाल रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सक्रियता व प्रतिबद्धता की अकसर सराहना होती रहती है। वे सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों को बढ़ाने को लेकर लगातार अभियान चलाते भी रहते हैं। हालांकि, वे भी मानते रहे हैं कि अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। निस्संदेह, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निरंतर यातायात को सुगम मानकों के अनुरूप बनाने के लिये प्रयासरत रहता भी है। निश्चित रूप से स्थलों की स्थिति और भूमि अधिग्रहण के तमाम विवाद भी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण काम राजमार्गों की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जाना होना चाहिए। दरअसल, योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर निर्माण फर्मों और ठेकेदारों के माध्यम से किया जाता है। जिसमें व्यापक अनुभव, क्षमता और नैतिकता जैसे कारक मिलकर भूमिका निभाते हैं। निस्संदेह, काम की गुणवत्ता समस्याओं के समाधान में मददगार साबित हो सकती है। लेकिन जरूरी है कि इस काम में बाह्य हस्तक्षेप राजनीतिक व अन्य स्तर पर न हो। जैसा कि हिमाचल प्रदेश में एक मंत्री पर एनएचएआई के दो अधिकारियों के साथ मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। जिसको लेकर कई आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में सड़कों का नेटवर्क काफी सुधरा है। लेकिन एनएचएआई को अपनी कार्यशैली पर पुनर्विचार करना चाहिए। जिससे भविष्य में लंबे जाम लगने और दुर्घटनाओं को टाला जा सके। निस्संदेह, देश के शहरों में आए दिन जाम लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शासन-प्रशासन को इसके तार्किक समाधान की दिशा में वैज्ञानिक तरीके से गंभीरता के साथ प्रयास करने चाहिए। जाम की सूचना मिलने पर उसे खुलवाने की तत्काल पहल होनी चाहिए। यात्रियों के लिये तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए ताकि भविष्य में जाम में फंसकर किसी की जान न जाए।

पिघलते ग्लेशियरों में जल संकट की आहट

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनियाभर के ग्लेशियर खत्म होने की कगार पर हैं। वे तेजी से पिघल रहे हैं। अगर इनके पिघलने की यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले दशकों में दुनिया एक-एक बूंद पानी को तरस जायेगी। दरअसल, जलवायु की प्रचंड आंधी ग्लेशियरों को निगल रही है। यह केवल बर्फ का पिघलना नहीं है; इससे बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता है, साथ ही यह बुनियादी ढांचे, कृषि उत्पादन और जलीय-स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साल 2000 से 2023 के बीच बर्फ के ये पहाड़ यानी ग्लेशियर 650,000 करोड़ टन बर्फ खो चुके हैं। यह सिलसिला जारी है। वेनेजुएला पहला देश है जिसने जलवायु परिवर्तन के असर के चलते अपने सभी ग्लेशियर खो दिये। बीसवीं सदी के मध्य में पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में करीब 400 ग्लेशियर गायब हुए। ग्लेशियरों के पिघलने की स्थिति अंटार्कटिका, आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आल्प्स, रॉकीज़, आइसलैंड, हिंदूकुश, स्विट्ज़रलैंड या ब्रिटेन-सभी जगह लगभग एक जैसी है। वर्ष 2010 से पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें लाखों वर्ग किमी की कमी हो गयी है। अंटार्कटिका का सबसे बड़ा हिमखंड ए 23 फिर खिसक रहा है जो महासागरों की धाराओं द्वारा बहाकर लाया गया है और अभी दक्षिण जार्जिया के गर्म जल की ओर बढ़ रहा है। यहां यह टूटकर पिघलने की प्रक्रिया में है। बर्फ के प्राकृतिक रूप से बढ़ने की क्रिया के कारण यह हिमखंड टूटकर अलग हुआ है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है जिसने समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड में जहां बीते 13 साल में 2,347 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ गायब हो गयी है। ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से दुनियाभर में समुद्र के जलस्तर में बदलाव हुआ। मौसम के पैटर्न में भी बदलाव सामने आया है। स्विट्ज़रलैंड के प्रसिद्ध रोन ग्लेशियर सहित आल्प्स पर्वत श्रृंखला के कई ग्लेशियरों में बर्फ के नीचे सुरंगें और गड्ढे हो गये हैं। तेजी से बढ़ रहे तापमान के कारण अब ग्लेशियर सिर्फ पिघल नहीं रहे हैं, भीतर से खोखले भी हो रहे हैं। हिंदूकुश क्षेत्र के ग्लेशियर से नवम्बर से मार्च तक बर्फ में 23.6 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज हुई है। यह बीते 23 सालों में सबसे कम है। नतीजन पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। बर्फबारी में यह गिरावट लगातार तीसरे साल दर्ज की गयी है। जलवायु बदलाव और स्थलाकृति के कारण मध्य हिमालय का एक ग्लेशियर तेजी से खिसक रहा है। ग्लेशियरों की चिंताओं के बीच यह नया संकट है। दरअसल, ग्लेशियर आगे की ओर खिसकने की घटनाएं अभी तक अलास्का, काराकोरम और नेपाल में सामने आती थीं। वैज्ञानिक इसमें ग्लोबल वार्मिंग, तापीय इफेक्ट और उस इलाके की टोपोग्राफी को मुख्य वजह मान रहे हैं। वैज्ञानिक इस ग्लेशियर का उद्गम भारत में और निकास तिब्बत की ओर मानते हैं। इससे तिब्बत से लेकर धौलीगंगा तक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। ग्लेशियर में इस बदलाव की स्थिति निचले इलाकों के लिए खतरनाक हैं। ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक स्तर पर मौजूद ग्लेशियरों को नुक़सान पहुंचा रही है। वह हिमालयी क्षेत्र में 37,465 वर्ग किलोमीटर में फैले कुल 9575 ग्लेशियरों को भी अपनी चपेट में ले चुकी है। ये ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दुनिया के सभी पर्वतीय क्षेत्रों में जमे ताजे पानी के सबसे बड़े भंडार हैं। इसे विश्व का तीसरा ध्रुव भी कहते हैं। एशिया की 10 प्रमुख नदियों को पानी देने वाले इन ग्लेशियरों से सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र जैसी तीन नदियां विभाजित हुई हैं। कश्मीर में भी ग्लेशियर पिघल रहे हैं। यहां भी पानी का संकट है। यहां लिद्दर नदी का मुख्य स्रोत कोलाहोई ग्लेशियर और तेजवान ग्लेशियर का दायरा ढाई किलोमीटर से भी ज्यादा घट गया है। इससे बड़ा खतरा यह हुआ कि पहाड़ों पर कई छोटी-छोटी झीलें बन गयी जो ज्यादा हिमस्खलन की स्थिति में कभी भी फट सकती हैं। इसरो की रिपोर्ट को मानें तो हिमालय की 2432 ग्लेशियर झीलों में से 676 का आकार तेजी से बढ़ रहा है। इनमें से भारत में मौजूद 130 झीलों के टूटने का खतरा बढ़ता जा रह है। मध्य हिमालयी राज्य उत्तराखंड में ग्लेशियर झीलें खतरे की घंटी बजा ही रही हैं। फिर नदियों का जलस्तर भी कम हो रहा है। गौरतलब है कि सूखे के मौसम में यही बर्फ नदियों में पानी का स्रोत होती है। ऐसे में बर्फ में इस भारी गिरावट का असर भारत या आसपास के देशों के लगभग दो अरब लोगों की जलापूर्ति पर पड़ेगा। कार्बन उत्सर्जन इस इलाके में बर्फ की कमी का कारण है। साथ ही सीमापार जल प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण के लिए नये सिरे से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। आमतौर पर नदियों के पानी का 23 फीसदी हिस्सा बर्फ पिघलने से आता है लेकिन इस बार बर्फ में सामान्य से 23.6 फीसदी की गिरावट चिंतनीय है। यूनेस्को ने भी चेताया है कि ग्लेशियरों के पिघलने की यदि मौजूदा दर बनी रही तो इसके परिणाम अभूतपूर्व और विनाशकारी हो सकते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं।

एएसआई की खोदाई और गोवर्धन में छिपी सभ्यताएं

अमित मुद्गल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भले ही महाभारत काल को मान्यता न देता हो, पर मथुरा से सटे और गोवर्धन पर्वत की तलहटी में बसे राजस्थान के बहज गांव के टीले पर पिछले साल से खोदाई कर रहे एएसआई को हजारों साल पुरानी सभ्यताओं के साक्ष्य मिल रहे हैं। एएसआई इस टीले को गोवर्धन पर्वत का ही भाग मानता है। महाभारत काल करीब पांच हजार वर्ष पूर्व का माना जाता है। पिछले साल भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां प्राकट्योत्सव मना था। खोदाई के साक्ष्य इसी ओर इशारा और भगवान श्रीकृष्ण के अस्तित्व की आम अवधारणा को मजबूत करते हैं। इसी अवधारणा को लेकरहाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मूल गर्भगृह पर मंदिर बनाने के लिए मुकदमा चल रहा है। खोदाई में गणेश्वर सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। यहां तीन हजार साल पुरानी शिव-पार्वती की प्रतिमा, मौर्यकालीन मातृदेवी प्रतिमा का सिर, सिक्के, यज्ञ कुंड, धातु के औजार और शुंग कालीन अश्विनी कुमारों की मूर्ति फलक, तो दुर्लभ टेराकोटा पाइप मिले हैं। खोदाई का नेतृत्व कर रहे अधीक्षण विनय कुमार गुप्ता ने बीते दिनों बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रस्तुति देकर इन अवशेषों को विशेष बताया था। खोदाई से यह बात भी साफ हो गई है कि इस क्षेत्र की सभ्यता मध्य और उत्तर पाषाण कालीन है। यानी लगभग ढाई लाख वर्ष पुरानी सभ्यता के भी यहां प्रमाण मिले। एक लुप्त नदी के प्रमाणों ने पुरातत्वविदों के चेहरे पर और चमक ला दी है। पुरातत्व विभाग यह साबित कर चुका है कि गोवर्धन पर्वत पुरापाषाण काल का है। यह खोदाई कई पुरानी मान्यताओं को भी बदल रही है। आजादी के बाद मथुरा क्षेत्र में पहली खोदाई 1954-55 में जन्मभूमि के पास हुई थी। उस समय यहां धूसर मृदभांड संस्कृति मिली। हालांकि, यह रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हो पाई थी। उस वक्त यह सिद्धांत गढ़ने की कोशिश हुई कि मथुरा व आसपास का क्षेत्र पांचवीं-छठी शताब्दी ईसा पूर्व का छोटा-सा गांव था और उससे पहले यहां संस्कृति नहीं थी। बाद में जब विदेशी आक्रांता आए, तब यह मेट्रोपोलिटन सिटी बनने की दिशा में आगे बढ़ा। अब विनय कुमार गुप्ता ने न केवल अपनी रिपोर्ट में इसका खंडन किया, बल्कि बताया कि इस क्षेत्र में ढाई किलोमीटर के टीले पर भरपूर मात्रा में चित्रित धूसर मृदभांड मिले हैं। यहां कई ऐसे साक्ष्य मिल रहे हैं, जिनसे विशेषज्ञ भी अचंभित हो रहे हैं। पुरातत्वविद अब इस पर काम कर रहे हैं कि यहां खेती एवं पशुपालन की शुरुआत कब हुई। मशहूर पुरातत्वविद एवं इतिहासकार डॉ. उपिंदर सिंह ने इस टीले का भ्रमण किया और विजिटर बुक में लिखा, 'यह खोदाई नई मान्यताओं एवं खोजों को नई दिशा देगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

64वीं जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, तालझारी की टीम विजेता बनी

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप अंडर-17 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोजन के प्रथम दिन जिले की विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए।
प्रतियोगिता के पहले राउंड में पतना ने उधवा को 2-0 से, बरहरवा ने साहिबगंज को 3-0 से, मंडरो ने राजमहल को 4-3 (पेनल्टी शूटआउट) से, तालझारी ने बरहेट को 6-0 से तथा बरहरवा ने बोरियों को 4-1 से पराजित किया। सेमीफाइनल मुकाबलों में मंडरो ने पतना को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं दूसरे सेमीफाइनल में तालझारी ने बरहरवा को 3-0 से शिकस्त दी।
फाइनल मुकाबला तालझारी बनाम मंडरो के बीच खेला गया, जिसमें तालझारी की टीम ने पहले हाफ तक 2-0 की बढ़त बना ली और यही बढ़त अंत तक बरकरार रखते हुए प्रतियोगिता की विजेता बनी। मंडरो को उपविजेता की ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा।
फाइनल मुकाबले से पूर्व जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर एडीपीओ जयंत कुमार मिश्रा एवं एपीओ शबनम तबस्सुम भी उपस्थित थीं।
पूरे आयोजन को सफल एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने में जिला के शारीरिक शिक्षकों का अहम योगदान रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तालझारी की टीम ने प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर जिले का मान बढ़ाया।

कदमा गांव मे टेंपो पलटने से तीन लोग घायल हो गए और एक की मौत हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहेट प्रखंड अंतर्गत जिला प्रशासन की और से पुलिस के सहयोग से लगातार सड़क दुर्घटना रोकथाम को लेकर अभियान चलाते आ रही है। लेकिन जिले में बेअसर है। इससे दिन प्रतिदिन जिले के अलग-अलग सड़कों पर सड़क दुर्घटना हो रही है। वहीं गुरुवार को बरहेट लिट्टीपाड़ा मुख्य सड़क अंतर्गत कदमा गांव समीप टेंपो पलटने से तीन लोग घायल हो गए जबकि एक लोग की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हड़वाडिह गाव के टेंपो चालक छोटू अंसारी 45 वर्षीय, मो. एजाज अंसारी 18 वर्षीय, आलमगीर आलम 18 वर्षीय, घायल हो गए जबकि मुर्तजा अंसारी 42 वर्षीय, टेंपो पलटने से जान चली गई। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि माल वाहक टेंपो बरहेट से हिरणपुर हटिया की ओर जा रहा था,उसी विपरीत दिशा में एक बस बरहेट की ओर जा रही थी,इसी दौरान टेंपो साइड देने के क्रम में असंतुलित होकर सड़क किनारे रखा गिट्टी में चढ़ गया जिससे मालवाहक टेंपो पलटी मार दी। सभी हिरणपुर हटिया में दुकान लगाने जा रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों की सहयोग से सभी घायलों को समुदाय स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया वही बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इधर पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

भारतीय अग्निवीर भर्ती योजना के अंतर्गत प्रचार-प्रसार हेतु एलईडी वाहन के माध्यम से जागरूकता अभियान प्रारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। भारतीय अग्निवीर योजना के अंतर्गत जिले में अग्निवीर पदों के लिए भर्ती से संबंधित व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। यह एलईडी वाहन प्रतिदिन सुबह से शाम तक चलाया जा रहा है, जिसमें वीडियो और पंपलेट के माध्यम से अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया, योग्यता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। यह प्रचार-प्रसार अभियान दिनांक 30 जून से प्रारंभ होकर आगामी 06 जुलाई, 2025 तक चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को इस योजना से जोड़ना और उन्हें भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। जिला प्रशासन ने सभी इच्छुक युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और एलईडी वाहन के माध्यम से प्रसारित जानकारी से अवगत हों। यह पहल युवाओं के बीच देशभक्ति, जागरूकता और अवसर के नए द्वार खोलने का प्रयास है।

बीते बुधवार की रात आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव में बीते बुधवार की रात आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार सुदाम चौधरी 39 वर्षीय व जयंती देवी 28 वर्षीया का पड़ोसी के साथ किसी बात को लेकर वाद विवाद होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया, जिसमें दोनों घायल हो गया। वही राधानगर थाना क्षेत्र के बेगमगंज गांव निवासी बेलाल शेख 45 वर्षीय का भी पड़ोसी के साथ आपसी विवाद में हुई मारपीट में घायल हो गया। सभी को अपने-अपने परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा तीनों घायलों का इलाज किया गया। वहीं ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कलीमुद्दीन ने बताया कि दोनों घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

भोगनाडीह में हूल दिवस पर उपद्रव भाजपा की सोची समझी साजिश, जिला प्रशासन ने बेहतरीन कार्य किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया। जिसमें बोरियो विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि भोगनाडीह में हूल दिवस पर उपद्रव भाजपा की सोची समझी साजिश थी। जिला प्रशासन ने बेहतरीन कार्य किया। शहीद स्थल में कोई भी राजनीति न करे। मंडल मुर्मू का फायदा होगा, इसलिए वो ऐसा कर रहा है, शहीद सबके है। वही केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला प्रवक्ता ने कहा कि 30 जून हूल दिवस पर भोगनाडीह में घटी घटना में भाजपा के लोग शामिल थे। भाजपा के बड़े नेता 20 दिन पहले संथाल परगना के दौरा में थे। उपद्रवी लोगों से मिलकर हूल दिवस कार्यक्रम को भंग करने, कार्यक्रम में अशांति फैलाने का प्रयास किया। 30 जून की घटना सुनियोजित तरीके से रची गई थी। मंडल मुर्मू सिदो कान्हु के छठे वंशज के साथ साथ भाजपा नेता भी है। हूल दिवस राजकीय कार्यक्रम मुख्य मंच में मंडल मुर्मू को छोड़कर सिदो कान्हु के सभी वंशज सरकारी मंच में थे। मुख्य मंच में शिक्षा मंत्री ने सिदो कान्हु के वंशज को सम्मानित किया। भाजपा के लोग शुरू से ही ओछी राजनीति में लगे हुए है। धर्म, जाति, मंदिर मस्जिद के नाम पर राजनीति करती है। सिदो कान्हु हूल फाउंडेशन और मांझी परगना की ओर से जो कार्यक्रम आयोजित था। पूर्व सीएम चंपई सोरेन सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते। पूर्व सीएम ने अपने एक्स हैंडल में लिखा है कि 30 जून हूल दिवस के दिन एक ओर हूल की जरूरत है। हूल पार्ट टू नाम दिया गया था। सुनियोजित तरीके से भाजपा के नेताओं ने इस घटना को अंजाम दिया। पैसा ओर कपड़ा देकर भाजपा नेताओं ने लोगों को खरीदने का कार्य किया है। जो लोगों को इस कार्य के लिए लगाया वो गोड्डा में पकड़ा गया, वो लोग भोगनाडीह में रहने वाले एक एक को कपड़ा और पैसा दिया, प्रधानों तक को पैसा देकर खरीद लिया गया। मंडल मुर्मू पार्क में तालाबंदी किया था, पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन बाहर से आए लोगों के दर्शन पूजन के लिए पार्क का दरवाजा खोला। जिसके बाद उपद्रवी लोगों ने हमला कर दिया। उपद्रव फैलाने और सिदो कान्हु के नाम को बदनाम करने वाले को चिन्हित करके, उच्च स्तरीय जांच करके कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। सरकार व जिला प्रशासन की सजगता के कारण हूल दिवस के दिन बड़ी घटना होने से बचा, वरना मुख्यमंत्री, मंत्री अन्य के खिलाफ बड़ी घटना घट सकती थी। वही जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सिदो कान्हु के नाम को साजिश के तहत भाजपा वाले बदनाम करने की साजिश की गई। घटना प्रायोजित था, राजनीतिक गोटी तलाशने के लिए भाजपा कुछ भी कर सकती है। प्रशासन सराहनीय कार्य किया है। सीएम हेमंत सोरेन अगर आते तो उनके साथ कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। सिदो कान्हु का शहादत पूरे देश का है, साजिश के तहत शहीद के जन्मस्थली को बदनाम किया जा रहा है। राजकीय कार्यक्रम तय था। जर्मन पंडाल मंडल मुर्मू कहा से बनाया जा रहा है, कहा से मंडल मुर्मू को फंड मिल रहा था ये जांच का विषय है। पूर्व में हेमंत सरकार बनी तो केंद्रीय एजेंसी लगाकर भाजपा वाले सरकार गिराने के फिराक में था। पूर्ण बहुमत का सरकार बना तो फिर ऐसा हरकत करने लगे। हूल टू करने का क्या मतलब है, किस्से लड़ना चाहता है। झारखंड सभी का है। वही भाजपा के बड़े नेताओं पर जमकर बरसे।

कोटालपोखर थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी
बरहरवा। कोटालपोखर गुरुवार, 3 जुलाई को कोटालपोखर थाना परिसर में आगामी मुहर्रम पर्व के संबंध में एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी चंदन भैया ने की, जिसमें कोटालपोखर मुहर्रम कमेटी के सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।
बैठक का मुख्य उद्देश्य मुहर्रम के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने पर जोर देना था। थाना प्रभारी चंदन भैया ने सभी उपस्थित लोगों से पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मुहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक या उत्तेजक गतिविधि न हो। कमेटी को अखाड़ा जुलूस को नियमपूर्वक और केवल निर्धारित मार्गों से ही निकालने के लिए निर्देशित किया गया।
इस वर्ष, अधिकांश स्थानों पर 6 जुलाई को अखाड़ा जुलूस निकाला जाएगा। हालांकि, कोटालपोखर में अपनी परंपरा के अनुसार, यह 7 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।
बैठक में कांग्रेस बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास, कोटालपोखर पंचायत की मुखिया सेरोफिना हेंब्रम, पंचायत समिति सदस्य रंजीत साह, वरिष्ठ कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष रंजीत भंडारी, युवा कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष सह मुहर्रम कमेटी अध्यक्ष शमीम मंसूरी, सन्नावर मंसूरी, गुलाम रब्बानी सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मॉडल कॉलेज राजमहल में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। मॉडल कॉलेज, राजमहल, साहिबगंज में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता और इसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्लास्टिक विशेषकर सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक न केवल भूमि को प्रदूषित करता है, बल्कि जल स्रोतों को भी विषाक्त करता है। प्लास्टिक पदार्थों को नष्ट होने में सैकड़ों वर्ष लगते हैं, जिसके कारण यह मृदा की उर्वरता, पानी की गुणवत्ता तथा जैव विविधता को बुरी तरह प्रभावित करता है। सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहें पृथ्वी के स्वस्थ व हरियाली के लिए पेड़ पौधे लगाए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की वे प्लास्टिक बैग और पॉलिथीन की जगह कपड़े या जूट से बने थैले का उपयोग करें। साथ ही, दैनिक जीवन में प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का बहिष्कार कर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में उपस्थित परीक्षा पर्वेक्षक भैया बेसरा ने भी प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय खतरों पर गहन चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरे से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डालता है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक पर कानूनी प्रतिबंध और इसके सख्त क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम में शाहिद ब्रिगेडियर मो. उस्मान और परमवीर चक्र कैप्टन मनोज कुमार पांडेय को भी याद किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के डॉ. अमित कुमार, डॉ. विवेक महतो, कर्मचारी मोहन सिंह, सुमित साहा, प्रकाश महतो सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में संकल्प लिया और कॉलेज परिसर में प्लास्टिक उपयोग न करने की शपथ ली।

आत्मा सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त कृषि भवन के आत्मा सभागार में दो दिवसीय बिक्री केंद्र कार्मिक प्रशिक्षण सह पोश मशीन का वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद ऐक्का ने डेढ़ सौ उर्वरक विक्रेताओं को एल वन पौश मशीन वितरित किया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान देखा जाता है आजकल किसान अधिक सब्जी का उत्पादन के लिए ऑनलाइन गलत केमिकल खरीद कर खेतों में इस्तेमाल कर रहे हैं इससे सब्जी का उत्पादन को बढ़ रहा है लेकिन यह सब्जी शरीर के लिए काफी हानिकारक है। सब्जी उत्पादकों को ऐसे उत्पाद से बचना चाहिए। इस अवसर पर कृषि पदाधिकारी राम प्रकाश कुमार ने कहा कि विक्रेताओं को किसानों को अच्छे उत्पादन के की जानकारी देनी चाहिए जिससे किसानों की फसल भी बढे और किसी भी तरह का हानि नहीं हो कृषि पदाधिकारी अरुण भोक्ता ने कहा कि किसानों को मिट्टी जांच के बाद आवश्यकता अनुसार उर्वरक का इस्तेमाल करें। आत्मा उपनिदेशक मंटू ने भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर इफको के क्षेत्रीय पदाधिकारी नवीन राय ने कहा कि पहले भारत सरकार उर्वरक पर 1.73 लाख करोड रुपए सब्सिडी देती थी आज यह बढ़ाकर ढाई लाख करोड रुपए हो गई। इस अवसर पर जिले भर के उर्वरक विक्रेता मौजूद थे।

मालदा रेल मंडल स्थित बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड में उस समय एक बड़ा रेल हादसा टल गया

● एक मालगाड़ी के रैक अचानक अनियंत्रित होकर लुढ़क कर पटरी से उतर गई

प्रिंस मिश्रा आदिवासी एक्सप्रेस
साहिबगंज। बरहरवा साहिबगंज जिले के मालदा रेल मंडल स्थित बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड में उस समय एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब लोड होने के बाद ट्रैक पर खड़ी एक मालगाड़ी के रैक अचानक अनियंत्रित होकर लुढ़क कर पटरी से उतर गई। हादसे में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रेलवे को भारी नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मालगाड़ी रैक में पत्थर लदे हुए थे और वह खड़ा था। तभी अचानक वह आगे की ओर लुढ़क गया और कई मालगाड़ी के डिब्बे एक दूसरे के ऊपर चढ़ने लगे। हादसे के बाद घटनास्थल के आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया व राहत कार्य शुरू किया। इस घटना ने रेलवे के सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड के पास घनी आबादी, स्कूल व बस्तियां हैं, अगर यह हादसा दिन में होता तो बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था, लेकिन इस घटना से लगता है कि इन मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण इतना बड़ा हादसा हुआ। स्थानीय निवासियों ने रेलवे प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अगर इसी तरह लापरवाही जारी रही तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अभी तक रेलवे की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। इससे पूर्व में भी एक बड़ा हादसा होने से बाल बाल बच गए थे।

दुष्कर्म मामले में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत दुष्कर्म मामले में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो थाना कांड संख्या 68/24, दिनांक 20 दिसंबर 2024 धारा 370/371/372/374 भादवि परिवर्तित धारा 370/371/376/34 भादवि एवं 04 पोक्सो एक्ट के अप्राथमिकी नामजद अभियुक्त राजू उर्फ निजाम अंसारी उम्र 23 वर्ष पिता रफीक अंसारी, साकिन तेलो मांझी टोला, को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया करने के उपरांत चिकित्सा जांच करवाने के बाद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

सांप काटने से एक युवक हुआ गंभीर अस्पताल में भर्ती

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। शहर के केलाबाड़ी पोखरिया निवासी युवक को सांप काटने से गंभीर हो गया. गंभीर युवक को सदर अस्पताल लाया गया बताया जा रहा है कि केलाबाड़ी पोखरिया निवासी 30 वर्षीय सुन्नी पासवान किसी काम को लेकर खेत गया था इस दौरान किसी सांप ने काट कर मूर्छित कर दिया बरहाल मूर्छित युवक का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है।

दो बालक में विवाद एक बालक के सिर में लगी चोट घायल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। शहर बड़ा पचगढ़ मुहल्ला में दुकान से खाने का कुछ सामान मांगने पर सामान नही देने पर एक बालक ने दुसरे बालक को मारकर किया घायल बालक इलाज के लिए साहिबगंज सदर में लाया जहां अस्पताल में चिकित्सक कुलदीप कुमार गुप्ता ने घायल बालक का इलाज किया.घायल मिथुन कुमार राय का 12 वर्षीय पुत्र करण कुमार है करण कुमार का सिर मे चोटे लगी है.घायल ने बताया कि मै किराना दुकान में कुछ सामान लाने के लिए गया हुआ था. इसी दौरान मुहल्ला के ही अमन कुमार ने हमसे सामान मांगने लगा. मैने उसे सामान नही दिया तो उसने मेरे उपर मुक्का चला दिया उसके कड़े से मेरा सिर फट गया बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया.

मालदा रेल मंडल स्थित बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड में उस समय एक बड़ा रेल हादसा टल गया

एक मालगाड़ी के रैक अचानक अनियंत्रित होकर लुढ़क कर पटरी से उतर गई

प्रिंस मिश्रा आदिवासी एक्सप्रेस
साहिबगंज। बरहरवा साहिबगंज जिले के मालदा रेल मंडल स्थित बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड में उस समय एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब लोड होने के बाद ट्रैक पर खड़ी एक मालगाड़ी के रैक अचानक अनियंत्रित होकर लुढ़क कर पटरी से उतर गई। हादसे में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रेलवे को भारी नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मालगाड़ी रैक में पत्थर लदे हुए थे और वह खड़ा था। तभी अचानक वह आगे की ओर लुढ़क गया और कई मालगाड़ी के डिब्बे एक दूसरे के ऊपर चढ़ने लगे। हादसे के बाद घटनास्थल के आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया व राहत कार्य शुरू किया। इस घटना ने रेलवे के सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरहरवा रैक लोडिंग यार्ड के पास घनी आबादी, स्कूल व बस्तियां हैं,अगर यह हादसा दिन में होता तो बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था, लेकिन इस घटना से लगता है कि इन मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण इतना बड़ा हादसा हुआ। स्थानीय निवासियों ने रेलवे प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अगर इसी तरह लापरवाही जारी रही तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अभी तक रेलवे की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। इससे पूर्व में भी एक बड़ा हादसा होने से बाल बाल बच गए थे।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह पुलिस की बड़ी सफलता, चार साइबर अपराधी को किया गिरफ्तार

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले की साइबर अपराध पर लगाम कसने की दिशा में गिरिडीह पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के बुधुडीह बाजार और गिरिडीह बस स्टैंड के पास झिंझरी मोहल्ला में छापेमारी कर पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से इलाके में साइबर ठगी के खिलाफ एक सख्त संदेश गया है। मंगलवार को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि कुछ लोग मोबाइल फोन के जरिए आम नागरिकों से ठगी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से चार साइबर अपराधियों को धर दबोचा। गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में साइबर डीएसपी आबिद खान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में दीपु कुमार मंडल उर्फ दीपक मंडल (22), छोटी मंडल उर्फ छोटे मंडल (30), श्रवण राय (21) और मोहित कुमार मंडल (19) शामिल हैं। ये सभी आरोपी गिरिडीह जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से पांच मोबाइल फोन और छह सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान चारों ने स्वीकार किया कि वे फर्जी एपीके फाइल्स भेजकर लोगों को विभिन्न बहानों जैसे केवाईसी अपडेट, आधार अपडेट, कूरियर सर्विस और दिल्ली जल बोर्ड के नाम पर ठगते थे। इस मामले में साइबर थाना में कांड संख्या 26/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और आगे की कार्रवाई जारी है। डीएसपी ने बताया कि छोटे मंडल के खिलाफ पहले से ही देवघर साइबर थाना में मामला दर्ज है, और उसके विरुद्ध तेलंगाना- हैदराबाद में साइबर ठगी के 65 से अधिक केस लंबित हैं। वहीं दीपक मंडल के खिलाफ अहिल्यापुर थाना में तथा श्रवण राय पर गिरिडीह साइबर थाना में पहले से मामले दर्ज हैं। डीएसपी आबिद खान ने कहा कि गिरिडीह पुलिस साइबर अपराध के विरुद्ध लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे किसी भी अज्ञात कॉल, संदिग्ध लिंक या मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।गिरफ्तार सभी आरोपियों को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अलका मिश्रा ने किया राष्ट्रीय जनता दल का सदस्यता ग्रहण

संवाददाता श्रीकान्त यादव

पटना में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव एवं नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव के विचारों में आस्था व्यक्त करते हुए आज अलका मिश्रा एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के वाइस-प्रेसिडेंट राष्ट्रीय जनता दल का सदस्यता ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण कराने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, बीनू यादव राष्ट्रीय महासचिव,रणविजय साहू प्रधान महासचिव, बिहार प्रदेश राजद (MLA) मंगनी लाल,मंडल प्रदेश अध्यक्ष RJD मधु मंजरी ,प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक रंजन, अभिषेक कुमार झा एवं तमाम पार्टी के शीर्ष नेता मौजुद थे।

शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया मे अचानक बदलाव से शिक्षक संघ के पदाधिकारियों मे आक्रोश

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बिहार सरकार के सरकारी विद्यालय मे कार्यरत शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया मे अचानक बदलाव से शिक्षक संघ के पदाधिकारियों मे आक्रोश व्याप्त है। बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी सोशल मीडिया के सचिव सह जिला कॉंग्रेस कमिटी ओ बी सी बांका के अध्यक्ष श्री सुरेश प्रसाद यादव ने भी इस प्रक्रिया पर कहा की यह बीच मे नियम बदलना न्यायोचित नहीं है।म्यूचुअल ट्रांसफर से एक फीसदी भी शिक्षकों को इनसे पसंदीदा स्थान पर ट्रांसफर नही मिल सकेगा। सबसे ज्यादा परेशानी अंतर जिला मे पदस्थापित शिक्षकों को होगी। शिक्षा विभाग को तत्काल प्रभाव से इस प्रक्रिया को रिज लगा देना चाहिए।और रिक्ति के आधार पर शिक्षकों का स्थांतरण कर देना चाहिए। अंधेरे मे तीर छोड़ने से काफी परेशानी हुई है। कई स्कूलों से प्रधानाध्यक सहित सभी शिक्षक का तबादला हो गया है। जिससे पठन पाठन प्रभावित है। कई शिक्षक का तबादला प्राइवेट स्कूल मे कर दिया गया है। जिससे विभाग का जगहसाई हो रही है। दिव्यंग शिक्षक का 10 की मी की दूरी से 30 की मी कर दिया गया है।

अतः सरकार को जानकार शिक्षाविदों एवं शिक्षक संघ के पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर समुचित समाधान निकलना चाहिए। शिक्षक वर्षो से काफी पीड़ा मे है। वे अपने परिवार से 500 कि. मी.दूर है। बिना लम्बी छुट्टी के घर आ पाना मुश्किल है।इसलिए ए सी एस सिद्धार्थ जी शिक्षा मंत्री इसे संज्ञान मे लेते हुए शक्षकों के समस्या का यथा शीघ्र समाधान करें।

केंद्र सरकार मजदूर विरोधी है, 9 जुलाई की प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को रैयत विस्थापित मोर्चा व झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन करेगा समर्थनः इकबाल हुसैन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) पिपरवारः आगामी 9 जुलाई को संयुक्त मोर्चा द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को रैयत विस्थापित मोर्चा व झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन समर्थन करेगी। इकबाल हुसैन, केंद्रीय उपाध्यक्ष आरवीएम, केंद्रीय सदस्य जेसीएमयू , ने हड़ताल के समर्थन का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार मजदूर विरोधी है। केंद्र सरकार किसी समय चार लेबर कोड घोषणा कर सकती है। मजदूरों के संघर्षों से हासिल अधिकारों को छीनने और देश के ट्रेड यूनियन

आंदोलन को अपंग कर देने के कॉरपोरेट्स की योजना को अमली जामा पहनाने के लिए 29 श्रम अधिनियमों को बदलकर बनाए गए चार लेबर कोड न केवल मजदूरों को अधिकारों से वंचित कर देंगे बल्कि मजदूरों के अधिकारों को हासिल करने के लिए बने ट्रेड यूनियनों को भी अपंग कर देंगे। मजदूर, विस्थापित हित के कानून व ट्रेड यूनियन की नीतियों को निरस्त व अपंग बनाने का साजिश किया जा रहा है जिससे ट्रेड यूनियन व मजदूर अपनी आवाज को बुलंद करने में नाकामयाब रहेंगे। केंद्र सरकार के द्वारा श्रमिक संगठनों के अधिकारों को धीरे-धीरे समाप्त करने का प्रयास तथा श्रमिकों का शोषण लगातार बढ़ रहा है। यह हड़ताल मजदूर विस्थापितो और देश की सार्वजनिक संपत्तियों को निजीकरण से बचाने के लिए अत्यंत जरूरी है। केंद्र सरकार निजीकरण की ओर केंद्रित है। यही कारण है कि कोल इंडिया के स्थाई श्रमिक दिनों दिन घटती जा रही है और अस्थाई श्रमिक की संख्या बढ़ती जा रही है। झारखंड सहित भारत देश में भी राजनीतिक व आर्थिक दिशा को पूंजीपतियों के हाथ में देने और सांप्रदायिक विभाजन पैदा कर मजदूर वर्ग की एकता को तोड़ने की सुनिश्चित साजिशों को आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे मजदूर वर्ग के सामने रोजी-रोटी को बचाने की लड़ाई के साथ-साथ अपनी वर्गीय एकता अधिकार को छिनने वाली ताकतों से निपटने की चुनौतियां बढ़ गई है। देश के श्रमिक वर्ग की कई मांगों को सरकार अनसुनी कर रही है जबकि इसके लिए मजदूर वर्ग लगातार आंदोलन कर रहा है। कोल इंडिया के सभी आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत चलने वाली सभी संस्थाओं विभागों में तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग में सीसीएल से विस्थापित हुए एवं स्थानीय निवासियों की शत प्रतिशत नियुक्ति हो ,रोजगार मिले इसके लिए यहां के मूल रैयतों न राष्ट्र के विकास के लिए अपनी जमीन कोयला खनन के लिए दिया इसके बावजूद भी यहां के विस्थापित मूलभूत सुविधा से वंचित हैं तथा पलायन को मजबूर है। आज केंद्र सरकार कोल इंडिया को पूंजी पत्तियां तथा निजी हाथों में बेचने की तैयारी कर ली है। इकबाल हुसैन ने जल जंगल जमीन और अपने अधिकार को बचाने के लिए पिपरवार/एन के/आम्रपाली-चंद्रगुप्त/ मगध-संघमित्रा क्षेत्र के सभी मजदूर वर्ग एवं मूल रैयतों, किसानों विस्थापितों को गोल बंद होकर 09, जुलाई की प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने की अपील की जाती है तथा इस आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले।

हूल दिवस पर हुई घटना को लेकर जेएमएम का भाजपा पर बड़ा हमला

टावर चौक पर किया भाजपा का पुतला दहन, कहा-साजिश के तहत रची गई थी घटना

गिरिडीह, प्रतिनिधि। साहेबगंज के भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर हुई घटना को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अब आक्रामक मूड में आ गई है। बुधवार को गिरिडीह के झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने प्रेसवार्ता कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश को लूटने का काम किया है और हूल दिवस जैसे ऐतिहासिक दिन पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। इस दौरान झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने मांग की है कि प्रशासन इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कर जल्द से जल्द पूरे मामले का खुलासा करे। उन्होंने कहा कि भोगनाडीह की धरती

हमारे इतिहास और स्वाभिमान का प्रतीक है, जहां से सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका था। ऐसे पावन स्थल पर इस तरह की घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हूल दिवस के कार्यक्रम में इसलिए शामिल नहीं हो सके क्योंकि उनके गुरु जी की तबियत गंभीर थी और वे दिल्ली में मौजूद थे। भाजपा द्वारा इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। झामुमो ने इस घटना के विरोध में गुरूवार झामुमो जिला कार्यालय में प्रेसवार्ता करने के बाद शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों कार्यकर्ता संजय सिंह के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुए टावर चौक पहुंचे, जहां भाजपा का पुतला फूंका गया। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि जेएमएम किसी भी हालत में अपने इतिहास और शहीदों के सम्मान से समझौता नहीं करेगी। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दोषियों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो जेएमएम राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। इस दौरान पूर्व विधायक केदार हाजरा, जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पप्पू, नगर अध्यक्ष रॉकी सिंह, उपाध्यक्ष नौशाद अहमद चंद, शाहनवाज अंसारी, झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा, रंजीत कुमार समेत कई जेएमएम कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

झारखंड के एक सुदूर गांव से IIT खड़गपुर तकः मनोज कुमार ने पूर्ण किया पीएचडी, बना प्रेरणा स्त्रोत

- **वैज्ञानिक मनोज की यह सफलता पर गांव सहित पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल, जिला का नाम किया रौशन, ईश्वर दयाल**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा)। प्रखण्ड के सिसई ग्राम के निवासी, मनोज कुमार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वे वैज्ञानिक के रूप में CSIR-इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (IMMT), भुवनेश्वर में कार्यरत हैं। झारखंड के चतरा ज़िले के टंडवा प्रखंड स्थित एक छोटे से गाँव से आने वाले मनोज कुमार की शैक्षणिक यात्रा दृढ़ संकल्प, परिश्रम और शिक्षा के प्रति समर्पण का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। मनोज कुमार इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को अपने पिता परमेश्वर रजक और माता बिमला देवी को समर्पित करते हैं। वे कहते हैं, कठिन परिस्थितियों के बावजूद मेरे माता-पिता ने कभी भी मेरी शिक्षा के प्रति अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटे। उनका विश्वास और सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है। उनकी प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय चतरा से हुई। वर्ष 2010 में उन्होंने प्रतिष्ठित IIT-JEE परीक्षा उत्तीर्ण की और IIT खड़गपुर में प्रवेश प्राप्त किया, जहाँ से उन्होंने बी.टेक और एम.टेक की संयुक्त डिग्री प्राप्त की: IIT से उत्तीर्ण होने के बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश स्थित विज्ञान विश्वविद्यालय में यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। इस सफलता पर चतरा सांसद काली चरण सिंह व विधायक उज्ज्वल दास। भाजपा नेता ईश्वर दयाल पांडेय, जिला परिषद सदस्या देवंती देवी, मुखिया संघ जिलाध्यक्ष अरबिंद कुमार सिंह, कबरा पंचायत मुखिया निलेश ज्ञाशेन, पंचायत समति सदस्या शशिबाला, भाजपा नेता अक्षयवट पांडेय, मिथलेश गुप्ता, संजीव पांडेय, प्रमोद कुमार सिंह, सहायक शिक्षक संघ प्रखंड अध्यक्ष सुमन भारतीय, उदय पांडेय, धनंजय पांडेय, प्रोफेसर जय प्रकाश रजक सहित अनेकों ने बधाई देते हुए कहा कि डॉ मनोज कुमार की यह सफलता पर हमारा क्षेत्र गौरवान्वित है।

फॉरवर्ड ब्लॉक ने जिले की सबसे बड़ी आबादी को जोड़ने वाले गिरिडीह-जमुआ जर्जर मार्ग के जीर्णोद्धार की मांग की

- **कहा, इस मुद्दे पर सरकार और सत्तारूढ़ जन प्रतिनिधि इस विषय पर संवेदनशील नहीं**

शुभम सौरभ

गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक ने गिरिडीह जमुआ भाया तेलोडीह, द्वारपहरी, जोरासांख, चरघरा, भूपतडीह-नावाडीह मार्ग के अत्यंत जर्जर होने के कारण आम लोगों हो रही कठिनाई से निजात दिलाने के लिए गिरिडीह के उपायुक्त को एक आवेदन देकर इसका तत्काल जीर्णोद्धार कराने की मांग की है।

इस बाबत पार्टी नेता एवं पूर्व जिप सदस्य राजेश यादव ने कहा कि, बारिश से सड़क की हालत और भी बदतर हो गई है। राहगीरों के लिए आवागमन दूभर हो गया है। जबकि यह सड़क गिरिडीह जिले के दो-दो अनुमंडलों को जोड़ने वाली एक पुरानी और प्रमुख सड़क है। उन्होंने कहा कि, इसी सड़क पर गिरिडीह से कल्याणडीह तक 4 लेन सड़क भी बनाई जा रही है, लेकिन संवेदक तथा संबंधित विभाग की मनमानी से निर्माण में हो रहे विलंब और निर्माण में बरती जा रही अनियमितता के कारण लोग परेशान हैं। कहा कि, इसके बेहतर निर्माण के लिए पूर्व में भी फॉरवर्ड ब्लॉक ने लिखित ज्ञापन दिया था, जिसके बाद सड़क का रुका हुआ काम तो शुरू हुआ लेकिन अनियमितता पर रोक नहीं लगी। ऐसे में बनने के बाद इसके टिकाऊ होने पर भी लोगों को संदेह है। फॉरवर्ड ब्लॉक नेता ने कहा कि, आगे इसी मार्ग में तेलोडीह , जोरासांख, चरघरा, भूपतडीह-नावाडीह सहित पूरी सड़क ही जर्जर और गड्ढानुमा हो चुकी है, जिससे आम लोग अभूतपूर्व परेशानी झेल रहे हैं। हर रोज इस मार्ग से गुजरने वाले कई दोपहिया/ तिपहिया वाहन पलट रहे हैं। सड़क की ऐसी बदतर हालत लोगों ने कभी नहीं देखी थी। लेकिन ताज्जुब है कि, 4 लेन सड़क निर्माण की लापरवाही से लेकर जमुआ तक की जर्जर हालत पर कोई भी सत्तारूढ़ जन प्रतिनिधि कुछ नहीं बोल रहा, जो सरकार और सत्तारूढ़ जन प्रतिनिधियों की असंवेदनशीलता को ही दर्शाता है।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

- **कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं को लेकर जागरूकता से ही अधिकाधिक लोग लाभान्वित होंगेः उपायुक्त रामनिवास यादव**
- **प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अभियंता द्वारा कराये जा रहे कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन कर योजनाओं में प्रगति लाना सुनिश्चित करेंः उपायुक्त रामनिवास यादव**

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं यथा साइकिल वितरण, प्री मेट्रिक, पोस्ट मेट्रिक छात्रवृति, सीएम रोजगार सृजन योजना, छात्रावास जीर्णोद्धार, पशुधन योजना, पीएम जन मन योजना समेत अन्य योजनाओं की गहन समीक्षा की गई तथा उक्त सभी योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंडवार साइकिल वितरण योजना की जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत साइकिल वितरण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में वर्ग 8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को साईकिल उपलब्ध कराने का निदेश दिया। इसके अलावा प्री मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक 2024-2025 के तहत आच्छादित बच्चों को छात्रवृति की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने पशुधन योजना, रोजगार सृजन योजना और पीएम जनमन योजना की विस्तृत समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सक्रियता से कार्य करते हुए प्रगति लाने तथा प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को संबंधित प्रखंडों में कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की प्रगति का अनुश्रवण करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अभियंता द्वारा कराये जा रहे कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन कर योजनाओं में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यपालक अभियंता, स्पेशल डिवीजन, कार्यपालक अभियंता, बीसीडी, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव ने शिक्षा विभाग के तहत कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

- **सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति अनिवार्यः उपायुक्त**
- **पीएम पोषण योजना से आच्छादित विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच को नियमित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया**

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में

शिक्षा विभाग के तहत कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही साथ बच्चों की उपस्थिति के बारे में भी जाना। वहीं जिले के सभी विद्यालय की बिन्दुवार चर्चा के क्रम में उपायुक्त ने उपस्थित विभाग के पदाधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों से स्कूल में बच्चों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, बच्चों को मिल रही मौलिक सुविधा, मध्यान भोजन समेत कई विषयों पर विस्तृत जानकारी लिए। बैठक में सभी को निर्देशित करते हुए उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि सभी विद्यालयों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। जिन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम है वे अपने विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाएं। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों को शिक्षा देने के साथ नैतिक मूल्यों के बारे में बताना सबकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को शिक्षा के अलावा मिलने वाली मध्यान भोजन सहित मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने 8 से 9 और 10 से 12 कक्षा में नये बच्चों के नामांकन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नामांकन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उपायुक्त ने पारा शिक्षकों के सर्विस बुक को ई विद्या वाहिनी पर अपलोड करने का निर्देश दिया। पाठ्य पुस्तक की शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यालयों में विद्युतीकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि विद्यालयों में बिजली की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें, जिससे कि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चे, शिक्षक व अन्य कर्मियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उपायुक्त ने पीएम पोषण योजना से आच्छादित विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच को नियमित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित कराएं। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक समेत विभाग से संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

संत जेवियर्स कॉलेज रांची पूर्वी भारत में सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान

संवाददाता द्वारा

रांची: संत जेवियर्स कॉलेज रांची को इंडिया टुडे के एनुअल सर्वे 2025 में लगातार दूसरे पायदान पर अपनी साख को बरकरार रखा है। पूर्वोत्तर भारत में वाणिज्य व कला संकाय में दूसरे बेस्ट कॉलेज के रूप में अपनी जगह बनायीं है। पूरे भारत के कला संकाय क्षेत्र के 194 कॉलेजों सर्वे में 33वां स्थान हासिल किया है तो वहीं विज्ञान संकाय में 192 कॉलेजों में 68वां स्थान प्राप्त किया है। वाणिज्य संकाय के सर्वे में 251 कॉलेजों में 41वां स्थान प्राप्त किया है। बीबीए 218 कॉलेजों के सर्वे में 36वां स्थान प्राप्त किया है।

इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक भारत में संत जेवियर्स कॉलेज रांची उभरते शिक्षण संस्थान के रूप में अपना स्थिति बरकरार राखी है। यह जानकारी कॉलेज के प्राचार्य फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर एस.जे. ने देते हुए कहा है कि यह झारखण्ड राज्य के शिक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। शिक्षा के अलख को जगाने के लिए हमेशा से प्रयत्नशील हैं और आगे भी रहेंगे। राज्य के छात्रों के शिक्षा व उसने समग्र विकास के लिए कॉलेज प्रंबधन है। प्राचार्य ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरे महाविद्यालय के प्रबंधन, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं अभीभावक के साथ साथ मीडिया बंधुओं को भी दिया है।

श्रावणी मेला के अवसर पर 17 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर: श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा कई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा । साथ ही मेला अवधि के दौरान जसीडीह स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को छोड़कर अन्य सभी का न्यूनतम ठहराव बढ़ाकर 05 मिनट किया गया तथा सुलतानगंज स्टेशन पर 04 जोड़ी टेञ्न का 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन -1.गाड़ी सं. 05597/05598 जयनगर-आसनसोल-जयनगर श्रावणी मेला स्पेशल -2.गाड़ी सं. 05545/05546 रक्सौल-देवघर-रक्सौल श्रावणी मेला स्पेशल-3.गाड़ी सं. 03236/03235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर श्रावणी मेला स्पेशल। -4.गाड़ी सं. 03511/03512 आसनसोल-पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल (सप्ताह में पांच दिन-5.गाड़ी सं. 05028/05027 बढ़नी-देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन):-6.गाड़ी सं. 08855/08856 गोंदिया-मधुपुर-गोंदिया श्रावणी मेला स्पेशल-7.गाड़ी सं. 03480/03479 जमालपुर-सुलतानगंज-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन-8.गाड़ी सं. 03442/03441 जमालपुर-देवघर-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशलः-9.गाड़ी सं. 03444/03443 देवघर-गोड्डा-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल10. गाड़ी सं. 03501/03502 जसीडीह-बैद्यनाथघाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-11. गाड़ी सं. 03503/03504 जसीडीह-बैद्यनाथघाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-12. गाड़ी सं. 03505/03506 जसीडीह-बैद्यनाथघाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-13.गाड़ी सं. 03146/03145 जसीडीह-दुमका-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-14. गाड़ी सं. 03148/03147 जसीडीह-दुमका-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-15.गाड़ी सं. 03507/03508 देवघर-जसीडीह-देवघर एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-16. गाड़ी सं. 03150/03149 जसीडीह-गोड्डा-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन-17. गाड़ी सं. 07540/07539 कटिहार-मनिहारी-कटिहार श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन.

असम के तीनसुकिया जिला निगरानी समिति की बैठक में 'अरुणोदय 3.0' की समीक्षा

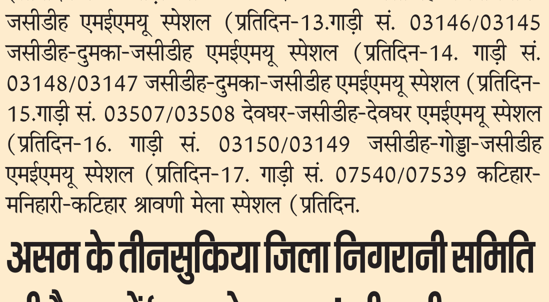

पंकज नाथ, असम, आदिवासी एक्सप्रेस

असम सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'अरुणोदय 3.0' से संबंधित जिला स्तर की निगरानी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आज तीनसुकिया जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता तिनसुकिया जिला आयुक्त स्वप्नील पाल ने की, जिसमें तीनसुकिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय किशन ने भी भाग लिया। असम सरकार की मंत्री तथा तिनसुकिया जिले के अभिभावक मंत्री बिमल बरा और डिगबोई क्षेत्र के विधायक सुरेन फुकन ने वर्चुअल रूप से बैठक में भाग लिया। इसके अलावा, जिले के अन्य विधायकों और सांसदों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक में अरुणोदय योजना के लाभार्थियों के चयन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिले के सभी सम-जिला आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, राजस्व सर्किल अधिकारी, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रभारी उप-निदेशक आदि भी उपस्थित थे।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नितिन गडकरी से किया मुलाकात

पंकज नाथ, असम

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कल बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और उनके समयबद्ध समापन में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग को व्यक्त किया। एक्स हेंडल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, आज नई दिल्ली में, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @nitin_gadkari जी के साथ मेरी एक उपयोगी बैठक हुई। हमने असम की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और उनके समयबद्ध पूरा होने में @MORTHIndia के सहयोग की मांग किया। माननीय मंत्री ने हमें इस मामले पर मंत्रालय के अविभाजित ध्यान का आश्वासन दिया है।

आईएबीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव कुमार का पटना पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

● प्रदेश सचिव अभिषेक यादव और प्रदेश प्रो अध्यक्ष चंद्रमा प्रसाद उर्फ चंदन एवं अन्य पदाधिकारी को अंगवस्त्र व माला पहनाकर किया अभिनन्दन

संवाददाता श्रीकान्त यादव

पटना। बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में राजधानी पटना स्थित सिटीजन केयर कार्यालय में कार्यकारिणी बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भागलपुर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष नीरज कुमार तथा संचालन नंदन कुमार ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में सम्मान समारोह सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजीव कुमार तथा बिहार सचिव अभिषेक कुमार यादव और बिहार प्रदेश प्रो अध्यक्ष चंद्रमा प्रसाद उर्फ चंदन का फूल-माला तथा अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के अवसर पर कई जिला के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष व जिला पदाधिकारी सहित कई नेशनल बॉक्सर खिलाड़ी भी मौजूद रहे। इस दौरान नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारी तथा बिहार के विभिन्न जिलों से

आए जिला स्तरीय पदाधिकारी का परिचय कराते हुए उनका एसोशिएशन में स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अगले सत्र में बिहार के पांच जिला के अध्यक्ष एवं सचिव को नियुक्त करते हुए उन्हें संबंधित जिला की जिम्मेदारी सौंपी गई। बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने सभी पदाधिकारी को स्वागत करते हुए कहा कि हमलोग स्टेट चैंपियनशिप एवं बिहार कप, यूथ मेंस बॉक्सिंग बिहार चैंपियनशीप को सफल कैसे बनाएं, इस विषय पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। बिहार में बॉक्सिंग जैसे खेल को बढ़ावा देने के लिए संगठन को बिहार के सभी जिलों में मजबूती देने के लिए ग्राउंड स्तर पर मेहनत किया जाएगा। एसोसिएशन के प्रत्येक पदाधिकारी दिन रात मेहनत कर आगामी चैंपियनशिप को सफल बनाने के लिए कृत संकल्पित है। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को तन-मन-धन से व ईमानदारीपूर्वक बॉक्सिंग चैंपियनशिप को सफल बनाना है। स्टेट चैंपियनशिप 10 जुलाई से 15 जुलाई के बीच आयोजित किए जाएंगे। भागलपुर जिले में 17 जुलाई से 22 जुलाई के बीच जोन बॉक्सिंग चैंपियनशिप होंगे। झारखंड या बंगाल में उसके बाद बिहार कप बॉक्सिंग चैंपियनशिप भागलपुर जिले में सम्पन्न होंगे। भारत से 13 स्वर्ण पदकधारी बॉक्सिंग खिलाड़ी को रूस के लिए चयनित किया जाएगा। यह खिलाड़ी रूस में 7 से 14 सितंबर को आयोजित इंटरनेशनल यूथ मेंस बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। जो इंटरनेशनल में गोल्ड मेडल आएंगे। स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सिंग खिलाड़ियों को 5 लाख, रजत पदक विजेता को 2 लाख और कांस्य पदक विजेता को 1 लाख मिलेंगे। जबकि कोच को भी एक लाख सहयोग राशि दिया जाएगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव कुमार द्वारा किए गए ऐलानों के बाद कार्यक्रम में मौजूद अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग खिलाड़ी व कोच के अलावा एसोशिएशन के पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल जाग उठा। प्रो बॉक्सिंग के बिहार प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमा प्रसाद उर्फ चंदन ने अपने संबोधन में कहा कि बॉक्सिंग जैसे खेल आज भारत के महज चंद लोगों के बीच सिमटा हुआ है। बॉक्सिंग खेल को गांव-गांव तक एवं छोटे शहरों तक पहुंचाने की दिशा में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के निर्देश पर बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से जो यह पहल की जा रही है, आने वाले दिनों में यह रंग लाएगा। प्रेस मीडिया एवं जनसंपर्क विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पत्रकार पवन कुमार चौधरी ने फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बिहार अध्यक्ष संजीव कुमार को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि बिहार के खिलाड़ियों के लिए उनके द्वारा किया जा रहा प्रयास कोयले की खान से हीरे की तलाश करने के समान है। आज बिहार के ग्रामीण स्तर पर प्रतिभा को खोजने की दिशा में बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन का हर कार्यकर्ता जी-तोड़ मेहनत कर अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करने को तत्पर है। इस कार्यक्रम में उपस्थित थे सिटीजन ग्रुप के चेयरपर्सन चंदन प्रसाद, बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के अनंत कुमार, शाहबाज उद्दीन जॉइंट सेक्रेटरी ,अवधेश कुमार खेल प्रमोटर, जितेंद्र कुमार, राजीव सिंह झारखंड खिलाड़ी कोच, राकेश सिंह आरा भोजपुर, अभिजीत सिंह वह अन्य कई गनमानीय व्यक्ति शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी कल रांची में सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के नए क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन करेंगी

शशांक चौधरी

रांची। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शुक्रवार, 4 जुलाई 2025 को झारखंड के रांची में सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के एक नए क्षेत्रीय केंद्र के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेगा। संस्थान को पहले एनआईपीसीसीडी के नाम से जाना जाता था। इस नए केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी करेंगी। उद्घाटन समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, खिजरी के विधायक श्री राजेश कच्छप और हटिया निर्वाचन क्षेत्र के विधायक श्री नवीन जायसवाल और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु लड़कियों के साथ बातचीत, अनुभव साझा करना और व्यावसायिक प्रशिक्षण पूरा करने वालों के लिए नौकरी के प्रमाणपत्रों का वितरण भी शामिल होगा। इस कार्यक्रम में संस्थान के नए लोगो का शुभारंभ भी किया जाएगा।

यह नया क्षेत्रीय केंद्र भारत के पूर्वी क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रयासों को विकेंद्रीकृत करने और सेवा वितरण में सुधार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह नया क्षेत्रीय केंद्र विशेष रूप से मंत्रालय की प्रमुख पहलों- मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इसमें झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योगदान करने

● भारत के पूर्वी क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रयासों को विकेंद्रीकृत करने और सेवा वितरण में सुधार लाने की दिशा में नया क्षेत्रीय केंद्र बड़ा कदम साबित होगा

● नया क्षेत्रीय केंद्र विशेष रूप से मंत्रालय की झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए की गई प्रमुख पहलों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करेगा

और केंद्रीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नया क्षेत्रीय केंद्र बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करेगा और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा।

इससे पहले, इन राज्यों के पास इस तरह की समर्पित प्रशिक्षण सुविधाएं सीमित सीमित मात्रा में थी। आमतौर पर गुवाहाटी और लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्रों पर निर्भर राज्यों को रसद सम्बंधी कठिनाइयां आती थीं। रांची केंद्र प्रमुख संसाधनों और बुनियादी ढांचे को क्षेत्र-स्तरीय श्रमिकों के करीब लाकर इन बाधाओं को दूर करेगा और इससे सभी तक सेवाओं को प्रभावी ढंग से वितरित करने की उनकी क्षमता बढ़ेगी।

इस क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना श्रीमती अन्नपूर्णा देवी के दूरदर्शी नेतृत्व में एक व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है। इसमें राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) का आधिकारिक नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला और बाल विकास संस्थान करना शामिल है। इस नाम का बदला जाना तेज मिशन-संचालित दृष्टिकोण और महिला और बाल-केंद्रित विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह संस्थान नई दिल्ली में अपने मुख्यालय और बेंगलुरु, गुवाहाटी, लखनऊ, इंदौर और मोहाली में क्षेत्रीय केंद्रों के साथ, ऑनलाइन और व्यक्तिगत कार्यक्रमों के माध्यम से सालाना 1,000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित करने में सबसे आगे रहा है। रांची केंद्र के जुड़ने से देश के पूर्वी क्षेत्र में इस मुहिम के मजबूत होने की उम्मीद है।

यह कदम, सभी तक सेवाएं पहुंचाने, क्षेत्र-विशिष्ट क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समावेशी, सशक्त और स्वस्थ भारत के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कैंसर के मरीजों के व्यापक हित में भारतीय रेल द्वारा दिशा-निर्देश जारी

हाजीपुरः भारतीय रेल द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर अस्पताल, राष्ट्रीय महत्व के चिकित्सा संस्थानों, सरकारी अस्पतालों और रेलवे द्वारा सूचीबद्ध अस्पतालों में कैंसर रोगी मरीजों के बेहतर इलाज के लिए नए प्रावधान किए गए हैं।

कैंसर उपचार के लिए सरलीकृत रेफरल प्रक्रियाः

सभी कैंसर मामलों में रेफरल/प्रतिपूर्ति आदि के लिए एक रेलवे डॉक्टर को नोडल प्राधिकारी के रूप में नामित किया जाएगा।

सेवारत रेलवे कर्मचारी और उनके आश्रित लाभार्थी एवं रेलवे पेंशनभोगी यूएमआईडी कार्ड लाएंगे और लाभार्थी की पात्रता रेफरल यूएमआईडी में इंगित की जाएगी। चल रहे उपचार (जहां पिछला रेफरल दिया गया हो) के संबंध में फॉलोअप उपचार के लिए दोबारा रेफरल की आवश्यकता नहीं होगी।

रोगी अपने यूएमआईडी कार्ड द्वारा टाटा मेमोरियल अस्पताल/राष्ट्रीय महत्व के चिकित्सा संस्थानों/सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तहत् सूचीबद्ध अस्पतालों रेलवे से सूचीबद्ध चिकित्सा संस्थानों में सीधे इलाज के लिए जा सकते हैं।

1. कैंसर रेफरल की वैधता - रेलवे डॉक्टर द्वारा कैंसर रेफरल की वैधता 90 दिनों की अवधि के लिए होगी और रेफरल की 90 दिनों की अवधि के दौरान रोगी दो और विशेषज्ञों से परामर्श कर सकता है यानी कुल तीन विशेषज्ञों द्वारा । यदि प्राथमिक विशेषज्ञ द्वारा सिफारिश की जाती है तो इसे 3 महीने की अवधि के दौरान अधिकतम 6 परामर्श तक की अनुमति दी जा सकती है। रोगी उक्त वर्णित चिकित्सा संस्थानों में निर्धारित मानदंडों को पूरा कर इलाज करा सकते हैं।

2. टाटा मेमोरियल सेंटर अस्पताल में कैंसर के मरीजों के इलाज हेतु प्रोटोकॉलः

(i) टाटा मेमोरियल सेंटर अस्पताल में प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी शाखा या ओपीडी में प्रारंभिक डायग्नोस्टिक्स/टेस्ट/परामर्श/जांच के लिए कोई रेफरल/अनुमति/समर्थन की आवश्यकता नहीं है।

(ii) इलाज के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति टीएमसीएच के साथ भारतीय रेल के समझौता ज्ञापन में निर्धारित दरों के अनुसार या वास्तविक दर, जो भी कम होगी और इसमें ओपीडी में पंजीकरण, परामर्श, प्रारंभिक टेस्ट/दवाइयों आदि की लागत शामिल होगी।

(iii) रेलवे डॉक्टर द्वारा रेफर की स्थित में इन हाउस उपचार, जांच, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, सर्जरी आदि शामिल हैं।

(iv) ऑपरेशन के बाद भी निर्धारित दवाइयां एवं अन्य देखभाल दवाएं टीएमसीएच द्वारा प्रदान की जाएंगी। टीएमसीएच द्वारा दवाएं प्रदान नहीं किए जाने की स्थिति में रोगी के दवा UMID कार्ड से संबंधित रेलवे चिकित्सालय या हेल्थ यूनिट द्वारा प्रदान किया जाएगा।

3. एम्स, पीजीआई/चंडीगढ़, पीजीआई/पुडुचेरी और निमहंस/ बेंगलुरु एवं सरकारी अस्पतालों में कैंसर के मरीजों के इलाज हेतु प्रोटोकॉलः

(i) यहां कैंसर के उपचार के लिए ओपीडी/ आईपीडी/ परामर्श/ जांच/ उपचार/ परीक्षण आदि के लिए रेफरल/अनुमति/समर्थन की आवश्यकता नहीं है।

(ii) ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति वास्तविक या शहर विशेष सीजीएचएस दरों के अनुसार (जो भी कम हो) होगी और इसमें ओपीडी में पंजीकरण, परामर्श, प्रारंभिक उपचार/दवा आदि की लागत शामिल होगी।

4. भारतीय रेल और सीजीएचएस द्वारा पैनल में शामिल चिकित्सा संस्थानों में कैंसर के मरीजों के इलाज हेतु प्रोटोकॉलः

(i) इन चिकित्सा संस्थानों में कैंसर ओपीडी परामर्श/ जांच/ निदान/ परीक्षण (आईपीडी को छोड़कर) के लिए रेफरल/अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

(ii) ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति वास्तविक या शहर विशेष सीजीएचएस दरों के अनुसार (जो भी कम हो) और इसमें ओपीडी में पंजीकरण, परामर्श, प्रारंभिक उपचार, दवा आदि की लागत शामिल होगी।

(iii) यदि रोगी को कैंसर के इलाज के लिए इंडोर भर्ती की आवश्यकता होगी तो रोगी के न्डिप्क् कार्ड के क्षेत्राधिकार वाले रेलवे चिकित्सालय द्वारा ओपीडी/परामर्श/जांच/ निदान/परीक्षण के आधार पर रेफर किया जाएगा।

(iv) पोस्ट-ऑपरेटिव प्रोटोकॉल/दवाएँ रोगी के UMID कार्ड से संबंधित रेलवे चिकित्सालय या हेल्थ यूनिट द्वारा दवाइयां प्रदान की जाएगी।

32वीं असम राज्य स्तरीय जल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन के खेल सफलतापूर्वक संपन्न

पंकज नाथ, असम, आदिवासी एक्सप्रेस

असम के गुवाहाटी के डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक कॉम्प्लेक्स में आज 32वीं असम राज्य स्तरीय जल क्रीड़ा प्रतियोगिता (Assam State Aquatic Championship) के दूसरे दिन 60 इवेंट्स सफलतापूर्वक संपन्न हुए। राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने इन इवेंट्स में भाग लेकर अपनी जल क्रीड़ा प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आज शाम 3 बजे असम सरकार की खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गारलोसा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता में उपस्थित रहीं। उन्होंने जल क्रीड़ा के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि आधारभूत संरचना विकास, उचित प्रशिक्षण और खेल महारण जैसी योजनाओं के

माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे लाकर असम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का रास्ता प्रशस्त किया जा रहा है। इसके बाद राष्ट्रीय जल क्रीड़ा में ख्याति प्राप्त कर वर्ल्ड जूनियर एक्वेटिक चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में स्थान पाने वाले जनंजय ज्योति हजारिका और तीरथांक पेगु को मंत्री ने सम्मानित किया। साथ ही, इस बार राष्ट्रीय खेल में पदक जीतने वाली आस्था चौधरी और जाह्नवी कश्यप को भी सम्मानित किया गया। दूसरे दिन के खेल के अंत में, 37 स्वर्ण, 34 रजत और 22 कांस्य पदकों के साथ जोरहाट ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। 21 स्वर्ण, 20 रजत और 21 कांस्य के साथ कामरूप जिला दूसरे स्थान पर और 3 स्वर्ण, 4 रजत, 10 कांस्य के साथ शिवसागर टीम ने तीसरे स्थान पर प्रगति की। पदक विजेताओं को असम सरकार के खेल और युवा निदेशालय की संयुक्त निदेशिका अंतरा गोगोई, खेल अधिकारी बकुल कलिता, असम स्विमिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष देव हजारिका, संयुक्त सचिव चंदन ज्योति फुकन, प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी, कामरूप जिला स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव नवज्योति गोगोई, जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी के राजीव शर्मा, मोनिका चौधुरी आदि विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किए गए। आगामी 4 जुलाई को अंतिम दिन के खेल आयोजित होंगे, जिसमें डाइविंग और वॉटर पोलो प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रहेंगी।

अहीर रेजिमेंट की माँग को लेकर पटना में गूंजा जनसैलाब, सरकार को चेतावनी-अभिषेक कुमार यादव

● अहीर रेजिमेंट महासम्मेलन बिहार पटना जिले के मिलर हाई स्कूल ग्राउंड में यादव सम्मेलन संपन्न हुए ● मुंगेर जिला से भरत यादव जो तारापुर विधानसभा से है उन्होंने घोषणा किया अगस्त माह की लास्ट में यादव महासम्मेलन होगी उनकी तैयारी में सभी यादव परिवार जुट चुके है ● पटना में हजारों की संख्या में एकजुट हुए यदुवंश परिवार ● अभिषेक कुमार यादव का नारा पटना में गूंज उठा आवाज दो हम एक हैं, यादव एकता जिंदाबाद, यदुवंश परिवार जिंदाबाद, अहीर रेजिमेंट हक है हमारा, जय यादव जय माधव ● अभिषेक कुमार यादव ने कहा भारत सरकार हर रोज स्टेशन का नाम चेंज कर रहे हैं नए कानून हर रोज बन रही हैं तो अहीर रेजिमेंट क्यों नहीं ● अभिषेक कुमार यादव ने कहा इटावा का कथा वाचक के ऊपर समाज के कुछ गलत मानसिकता के लोग जो घटना का अंजाम दिया है सरासर देशद्रोही है हमें समाज में आपस में लड़वाना चाहता है, ऐसे गलत मानसिकता लोगों पर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए तभी हमारा भारत देश मजबूत होगा ● राष्ट्रीय सिंगर कल्लू यादव सभी यदुवंश परिवार का दिल को जीता सैकड़ो अहीर रेजिमेंट का गाना गाया है

संवाददाता श्रीकान्त यादव

पटना। देशभर में अहीर रेजिमेंट की माँग को लेकर चल रहे आंदोलन ने अब ज़ोर पकड़ लिया है। रविवार को पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में अहीर रेजिमेंट के माँग को लेकर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के अलग अलग जिलों से सैकड़ों की संख्या में युवाओं, पूर्व सैनिकों, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभा के दौरान अहीर रेजिमेंट के संस्थापक अरुण यादव ने कहा कि अहीर समाज का भारतीय सेना के इतिहास में गौरवशाली योगदान रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध हो या कारगिल युद्ध - अहीर सैनिकों ने अपने साहस और बलिदान से देश की रक्षा की है। इसके बावजूद अब

तक अहीर रेजिमेंट की स्थापना नहीं किया जाना समाज के साथ एक गंभीर उपेक्षा है। सभा को संबोधित करते हुए यदुवंशी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष रेणु यादव ने कहा कि अब अहीर समाज जाग चुका है और अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार है। उन्होंने केंद्र सरकार से माँग की कि अहीर रेजिमेंट की स्थापना शीघ्र की जाए, जिससे सैन्य क्षेत्र में अहीर वीरों को संगठित पहचान और सम्मान मिल सके। सभा की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर विद्याशंकर यादव ने कहा, अगर सरकार ने हमारी माँग को नजरअंदाज किया तो आंदोलन को पूरे राज्य और देशभर में फैलाया जाएगा। यह अब सिर्फ माँग नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की लड़ाई बन चुकी है। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार यादव जो हरियाणा से चल के आए थे संयुक्त अहीर रेजिमेंट का संस्थापक भी हैं और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी, विशिष्ट अतिथि के रूप में संतोष रेनू यादव , यदुवंश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रूबी यादव, कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे हैं प्रदेश अध्यक्ष बबन यादव एवं संचालन कर रहे डॉक्टर विद्या नंद यादव कार्यक्रम का व्यवस्थापक रंजीत राय उर्फ मुन्ना यादव कर रहे थे यदुवंश महासभा का सभी पदाधिकारी गण उपस्थित थे, राष्ट्रीय महासचिव शबनम यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ की संगीता यादव ,बिहार प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ की बिंदा यादव , प्रदेश महासचिव अजय यादव जिला अध्यक्ष संजीत यादव ,जिला अध्यक्ष युवा अनिल यादव , जिला अध्यक्ष रोहतास महिला प्रकोष्ठ की एडवोकेट सीमा यादव औरंगाबाद से चलकर आए प्रोफेसर संतोष यादव , बिहार के कोने-कोने से यादव परिवार पटना की धरती पर पहुंच कर अपनी अपनी बातों को रखें, अहीर रेजिमेंट की मांग की सबों, मुंगेर जिला से भरत यादव जो तारापुर विधानसभा से है उन्होंने घोषणा किया अगस्त माह की लास्ट में यादव महासम्मेलन होगी उनकी तैयारी में सभी यादव परिवार जुट चुके हैं, प्रवक्ता चंदन प्रसाद यादव , रोहतास जिला से अनिल यादव कलेक्टर अजय यादव औरंगाबाद से संजीत यादव संतोष यादव मुंगेर से भरत यादव हजारों की संख्या में उपस्थित होकर अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग किया।

मौके पर अहीर रेजिमेंट आंदोलन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बबन यादव, फ्रोफेसर डॉ राणा प्रताप यादव, प्रो देवेंद्र सिंह, प्रोफेसर डॉ0 रूबी यादव, अधिवक्ता सिमा यादव, गायक बिजेंद्र यादव, पत्रकार छोटन यादव, हरिनारायण सिंह, सुग्रीव यादव, मनीष कुमार, सुमित कुमार धीरेंद्र यादव, गोलू यादव, बिट्टू यादव, नागेंद्र यादव समेत सैकड़ो की संख्या यादव समाज मौजूद थे।

नोरा फतेही

पहले जड़ा थप्पड़, फिर को-एक्टर ने खींचे इस एक्ट्रेस के बाल, जमकर हुई थी लड़ाई

आज हम आपसे बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ सालों पहले कनाडा से भारत आई थीं. यहां वो अपने साथ कई सपने भी लाई थीं और अब उनका एक बड़ा और खास नाम बन चुका है. कनाडा से महज 5 हजार रुपये लेकर भारत आने वाली वो लड़की है नोरा फतेही. जो आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. नोरा फतेही आज करियर में अच्छे खासे मुकाम पर हैं, लेकिन उन्हें कड़े स्ट्रगल का सामना करना पड़ा है.

नोरा फतेही के लटके झटकों पर फैंस दिल हार जाते हैं. उनके डांस मूव्स को काफी पसंद किया जाता है. लेकिन, एक बार एक एक्टर ने नोरा फतेही के साथ काफी बदतमीजी की थी. उसने नोरा के साथ पहले बदतमीजी की थी और फिर थप्पड़ भी मार दिया था. फिर उनके बाल भी खींच लिए थे. नोरा भी पीछे नहीं हटी और उन्होंने भी को-एक्टर को तमाचा रसीद कर दिया था. इसके बाद दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई थी. ये किस्सा खुद नोरा ने शेयर किया था.

बदतमीजी की तो नोरा ने मारा थप्पड़

एक बार नोरा फतेही, जयदीप अहलावत और आयुष्मान खुराना जैसे एक्टर्स के साथ मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर पहुंची थीं. तब कपिल ने नोरा से पूछा था, आप जितने भी शूट पर जाती हैं कभी सही तरीके से हुआ कोई ? कोई न कोई तो पंगा होता है ? इस पर नोरा ने कहा था, ऑडियंस और फैंस के साथ तो नहीं, लेकिन को-एक्टर के साथ हुआ है.

मेरी पहली फिल्म में हम सेट पर थे और हम सुंदरबन में शूट कर रहे थे बांग्लादेश में एक दम जंगल में. एक को-एक्टर था उसने मेरे साथ बदतमीजी की तो मैंने उसे थप्पड़ मार दिया था.

फिर को-एक्टर ने मारा थप्पड़, बाल खींचे

नोरा ने आगे बताया था कि बदतमीजी करने के बाद भी को-एक्टर ने उनके साथ बुरा बर्ताब किया था और उन्हें वापस थप्पड़ मार दिया. एक्ट्रेस ने आगे कहा था, तो उसने भी मुझे थप्पड़ मार दिया था. फिर मैंने उसे दोबारा थप्पड़ मारा तो उसने मेरे बाल खींच लिए थे. मैंने भी खींचे. तो फिर बहुत गंदा वाला झगड़ा हुआ.

असल में थोड़ी न बाप हूं...

फातिमा सना शेख

की कास्टिंग पर आमिर खान का खुलासा, कहा- वो इतने मुर्ख नहीं हैं

बेहतरीन स्क्रिप्ट चुनने के लिए मशहूर एक्टर आमिर खान की 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' एक चौंकाने वाली गलती साबित हुई. अपने बड़े बजट और स्टार पावर के बावजूद, यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी. आमिर की इस फिल्म से सभी को निराशा हाथ लगी. काफी वक्त गुजर जाने के बाद अब सुपरस्टार ने खुलकर इस फिल्म के फ्लॉप होने को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि क्या-क्या गलत हुआ, कास्टिंग में दिक्कत से लेकर स्क्रिप्ट में बड़े बदलाव तक, जिससे वह निराश हो गए थे.

द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने बताया कि फीमेल लीड रोल के स्पेस को भरना आसान नहीं था. फातिमा सना शेख के आने से पहले कई टॉप एक्ट्रेस ने इसे ठुकरा दिया था. उन्होंने बताया, जब हम इसके लिए कास्टिंग कर रहे थे, तो किसी और फीमेल एक्टर ने इस रोल के लिए हां नहीं कहा. दीपिका, आलिया, श्रद्धा, सभी ने मना कर दिया. पूरी इंडस्ट्री को यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन कोई भी इसे करना नहीं चाहता था.जब उनसे पूछा गया कि क्या स्क्रिप्ट की क्वालिटी इसकी वजह थी, तो आमिर ने माना कि ये भी एक वजह हो सकती है.

'दंगल' में निभाया था फातिमा के पिता का रोल

जब फातिमा को कास्ट किया गया, तो एक और चिंता पैदा हुई ङ्क उनकी ऑन-स्क्रीन गतिशीलता. 'दंगल' में उनके पिता की भूमिका निभाने के बाद, आमिर से अब उनके प्रेमी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी. डायरेक्टर ने रोमांटिक कहानी को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया. उनका कहना था, हम आपके और उनके बीच कोई रोमांटिक ट्रैक नहीं रखेंगे क्योंकि दंगल में वह आपकी बेटी थी, वह यहां आपकी प्रेमिका की भूमिका कैसे निभा सकती है ? दर्शक इसे अस्वीकार कर देंगे.

मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं- आमिर

लेकिन आमिर इस तर्क से पूरी तरह असहमत थे. उन्होंने कहा, मैं इन सब बातों पर यकीन नहीं करता. मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं, और असल में मैं उसका ब्वॉयफ्रेंड हूं. हम लोग फिल्म बना रहे हैं भाई. दर्शक इतने मूर्ख नहीं हैं कि वे सोचेंगे कि वह असली पिता है. अगर हम ऐसा कहते हैं तो हम अपने दर्शकों को कम आंक रहे हैं.

12वीं क्लास में ही हीरोइन बन गई थीं माधुरी दीक्षित, फिर देखे थे इतने बुरे दिन

माधुरी दीक्षित न सिर्फ अपने दौर की बल्कि भारतीय सिने इतिहास की सबसे पसंदीदा और कामयाब एक्ट्रेस में से एक रही हैं. अपनी एक्टिंग के साथ ही माधुरी ने फैंस के दिलों पर अपनी खूबसूरती और डांस से भी राज किया था. 90 के दशक तक माधुरी स्टार बन चुकी थीं. हालांकि अपने करियर की शुरुआत उन्होंने 80 के दशक के बीच में ही कर दी थी. लेकिन, सफलता पाने के लिए शुरुआती चार-पांच सालों तक संघर्ष करना पड़ा था.

माधुरी दीक्षित को 'धक धक गर्ल' के नाम से भी जाना जाता है. साल 1984 में उन्होंने अपना डेब्यू किया था. माधुरी स्कूल के दिनों के दौरान ही एक्ट्रेस बन गई थी. शुरू से ही कथक में माहिर रहीं माधुरी को बतौर एक्ट्रेस बॉलीवुड में शुरुआती समय में ज्यादा दिक्कतें नहीं हुईं, लेकिन उन्हें पहचान मिलने में लंबा वक्त लग गया था. उनकी शुरुआती 6 फिल्में एक के बाद एक टिकट खिड़की पर पिट गई थीं.

12वीं क्लास में की डेब्यू फिल्म की शूटिंग

58 साल की माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में हुआ था. माधुरी ने बॉलीवुड में डेब्यू साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से किया था. इसकी शूटिंग उन्होंने 12वीं क्लास की एग्जाम के बाद गर्मियों की छुट्टी में की थी. लेकिन, करियर की शुरुआत में ही उनका सामना अपने सबसे बुरे दिनों से हो गया था.

लगातार फ्लॉप हुईं 6 फिल्में

माधुरी दीक्षित की पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं बिखेर सकी. हालांकि उनके अभिनय को लोगों ने पसंद किया था. फ्लॉप का सिलसिला आगे की चार फिल्मों के साथ भी जारी रहा. डेब्यू पिक्चर के पीटने के बाद माधुरी की चार और फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया था. इनमें 'स्वाति', 'मानव हत्या', 'हिफाजत', 'आवारा बाप' और 'उत्तर दक्षिण' शामिल हैं.

'दयावान' और 'तेजाब' ने दिलाई पहचान

लगातार 6 फ्लॉप का मुंह देखने के बाद माधुरी की झोली में एक के बाद एक दो बड़ी फिल्में गिरी थीं. एक थी 'दयावान' और दूसरी थी 'तेजाब'. दोनों को ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली. दयावान में उन्होंने उम्र में 21 साल बड़े विनोद खन्ना के साथ काम किया था. ये सुपरहिट थी. वहीं तेजाब ब्लॉकबस्टर निकली, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया. इसके बाद माधुरी स्टार और फिर सुपरस्टार भी कहलाईं.

ऐश्वर्या-अमिताभ और जया बच्चन के साथ एक घर में रहने पर अभिषेक का खुलासा, कहा- महसूस नहीं हुआ...

अभिषेक बच्चन, जिन्होंने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे किए हैं, फिलहाल वह अपनी अगली फिल्म कालीधर लापता की रिलीज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म का प्रीमियर 4 जुलाई, 2025 को ZEEz पर होगा. अभिषेक अपनी फिल्म को लगातार प्रमोट करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं जूम को दिए इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपनी फैमली लाइफ और इनटेंस किरदारों को निभाते हुए इमोशन्स को बैलेंस करने के बारे में बताया.जहां कई अभिनेता किरदार में ढलने के लिए खुद को एकांत में डुबो लेते हैं, वहीं अभिषेक थोड़ा अलग रास्ता अपनाते हैं. उन्होंने कहा, मैंने कभी भी खुद को खोया हुआ या हर चीज़ से दूर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं की. मैं लोगों से मिलने-जुलने वाला व्यक्ति हूं. मेरे पास ऐसे पल होते हैं जब मुझे अपने एकांत की ज़रूरत होती है. यह एक अभिनेता के लिए बहुत ज़रूरी है. लेकिन ज़्यादा समय के लिए नहीं. मुझे बात करने के लिए किसी की ज़रूरत होती है.

ज्वाइंट फैमली में साथ रहना कैसा होता है ?

अभिषेक एक स्टार-स्टडेड ज्वाइंट फैमली में रहते हैं, जिसमें उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन, पिता अमिताभ बच्चन, माँ जया बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन शामिल हैं. जब उनसे घर की गतिशीलता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक मनोरंजक लेकिन व्यावहारिक बात कही यह मज़ेदार है. मेरा घर बहुत मज़ेदार है, और हम सभी एक्टर्स हैं. हम सभी एक साथ घूमना पसंद करते हैं, और फिर अचानक हर कोई अपने पर्सनल स्पेस पर वापस चला जाता है.

मैं अकेला नहीं रहना चाहता- अभिषेक

एक्टर ने आगे कहा, यह स्वाभाविक रूप से आता है क्योंकि अभिनेताओं के लिए खुद के साथ समय बिताना और खुद को जानना महत्वपूर्ण है. आत्म-खोज एक ऐसी चीज है जो हम शायद ही कभी करते हैं. यह आवश्यक है, लेकिन मैं कभी भी अकेला नहीं रहना चाहता.

अभिषेक, जिन्होंने 2000 में करीना कपूर के साथ रिफ्यूजी में अपनी शुरुआत की थी, वह इस वक्त कई मुश्किल-मुश्किल किरदार निभाते हुए नजर आ रहे हैं. कालीधर लापता, एक मनोरंजक थ्रिलर फिल्म है. इसके ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया है. अब इसकी डिजिटल रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार हो रहा है.

भारत और अमेरिका में 10 साल के लिए एक डील, इन शेयरों पर दौड़े निवेशक, आपका है दांव

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, बीईएमएल, पारस डिफेंस, डेटा पैटर्न्स समेत अन्य डिफेंस शेयरों में गुरुवार को बढ़त दर्ज की गई। डिफेंस शेयरों में तेजी के पीछे एक पॉजिटिव खबर है। दरअसल, भारत और अमेरिका ने 10 साल के लिए डिफेंस फ्रेमवर्क पर साइन करने पर सहमति जताई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में डेटा पैटर्न्स (इंडिया), साइएंट डीएलएम, बीईएमएल, एचएएल, डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में शामिल रहे, जिनमें से प्रत्येक में एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। इंडेक्स में 0.65त्न की बढ़त दर्ज की गई।

इन शेयरों में गिरावट

इसके अलावा, भारत डायनेमिक्स, यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग, एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स, मिश्रा धातु निगम, डीसीएक्स सिस्टम्स और जेन टेक्नोलॉजीज इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में शामिल रहे, जिनमें से प्रत्येक में आधा प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका-भारत डिफेंस फ्रेमवर्क

बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और विस्तारित करने के लिए 10 साल की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति व्यक्त की है। यह जानकारी बुधवार को पेंटागन द्वारा जारी एक बयान में दी गई। यह बयान सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ के बीच फोन पर बातचीत के एक दिन बाद जारी किया गया। इसमें कहा गया है, ÷सचिव हेगसेथ और मंत्री सिंह इस

साल अगली बैठक में अगले 10 वर्षीय यूएस-इंडिया डिफेंस फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हुए।÷

क्या है डिटेल

पेंटागन के बयान में कहा गया है कि दोनों पार्टी ने भारत को लंबित प्रमुख अमेरिकी रक्षा बिक्री और दोनों देशों के बीच क्लोज डिफेंस इंडस्ट्रियल सहयोग की अनिवार्यता पर चर्चा की। मामले से परिचित लोगों के हवाले से पीटीआई ने बताया कि मंगलवार को फोन पर बातचीत में सिंह ने हेगसेथ से तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट को शक्ति प्रदान करने के लिए जीई एफ404 इंजन की डिलीवरी में तेजी लाने का आग्रह किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंह ने भारत में एफ414 जेट इंजन के संयुक्त उत्पादन के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी रक्षा प्रमुख जीई एयरोस्पेस के बीच प्रस्तावित सौदे को जल्द फाइनल रूप देने की भी वकालत की।

एयरपोर्ट लाउंज एरिया में अब यात्रियों की डायरेक्ट एंट्री, अडानी का बड़ा तोहफा

एजेंसी

नयी दिल्ली। एयरपोर्ट पर अब यात्रियों की लाउंज में डायरेक्ट एंट्री होगी। अडानी समूह की ओर से यात्रियों को यह बड़ा तोहफा दिया गया है। समूह की कंपनी अडानी एयरपोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल ने लिंक्डइन पर इसके बारे में विस्तार से बताया है। उन्होंने कहा कि अन्य ऑपरेटरों के साथ साझेदारी के तहत अब यात्रियों को लाउंज एरिया की डायरेक्ट एंट्री या एक्सेस दी जाएगी। इसका मतलब है कि अब लाउंस फैसलिटीज के लिए यात्रियों को थर्ड पार्टी की जरूरत नहीं है। अब यात्री अडानी एयरपोर्ट्स के डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे लाउंज में प्रवेश कर सकते हैं। बता दें कि अडानी समूह वर्तमान में मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम में एयरपोर्ट का संचालन करता है। कंपनी वर्तमान में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कर रही है।

क्या कहा अधिकारी ने

अरुण बंसल ने कहा- यात्री अब अन्य लाउंज ऑपरेटरों के साथ साझेदारी में हमारे प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे लाउंज तक पहुंच सकते हैं। इसका मतलब है कि कोई बिचौलिया नहीं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर डिजिटल इनोवेशन में लीड कर रहा है। यूपीआई ने बिचौलियों को किया खत्मयूपीआई जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से शुरू की गई फिनटेक क्रांति ने सभी क्षेत्रों में बिचौलियों की जरूरत को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल इनोवेशन के मामले में वैश्विक स्तर पर सबसे आगे है। यूपीआई ने एक अरब भारतीयों के जीवन को बदल दिया है। अब हम इनोवेशन की उसी भावना को अपने सिस्टम में लेकर आए हैं। इसका नेतृत्व हमारी डिजिटल लैब टीम कर रही है।

क्या होता है लाउंज एरिया

लगभग हर बड़े एयरपोर्ट पर लाउंज एरिया होता है। इस जगह पर यात्रियों को सामान्य प्रतीक्षा क्षेत्र की तुलना में अधिक आरामदायक और बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। उदाहरण के लिए यात्रियों को आरामदायक सीटिंग, मुफ्त भोजन और पेय पदार्थ, वाई-फाई और चार्जिंग स्टेशन के अलावा मीटिंग रूम और समाचार पत्र आदि की सुविधा मिलती है। बता दें कि वर्तमान में पैसेंजर्स को क्रेडिट कार्ड या सब्सक्रिप्शन के जरिए ही लाउंज एरिया में एंट्री मिलती है।

2 दिन में 1.42 गुना सब्सक्रिप्शन, 245 प्राइस बैंड, ग्रे मार्केट में रॉकेट बना भाव, एक्सपर्ट बोले-

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिजैक लिमिटेड का आईपीओ (IPO) बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लिए खुल गया। आईपीओ 4 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। कोलकाता स्थित एजुकेशन कंपनी ने क्रिजैक IPO का प्राइस बैंड ?233 से ?245 प्रति इक्विटी शेयर रखा है। कंपनी का लक्ष्य ?860 करोड़ जुटाना है, जो पूरी तरह से बिक्री के लिए प्रस्ताव (OFS) आधारित है। इसका मतलब है कि पब्लिक इश्यू की शुद्ध आय कंपनी की बैलेंस शीट में नहीं जाएगी। बाजार जानकारों के अनुसार, कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में आज ?39 के प्रीमियम पर उपलब्ध है, जो बुधवार के ?21 से अधिक है।

कितना हुआ सब्सक्राइब

बोली के दूसरे दिन सुबह 12.30 बजे तक इश्यू को 1.42 गुना, रिटेल हिस्से को 1.34 गुना, एनआईआई हिस्से को 1.83 गुना और क्यूआईबी भाग को 0.10 गुना सब्सक्राइब किया गया। बोलीदाता कई लॉट में आवेदन कर सकता है। पब्लिक इश्यू के एक लॉट में 61 कंपनी शेयर शामिल हैं। शेयर आवंटन को अंतिम रूप देने की सबसे संभावित तारीख 5 जुलाई 2025 है। हालांकि, चूंकि 5 जुलाई शनिवार है, इसलिए देरी हो सकती है, और क्रिजैक आईपीओ आवंटन की घोषणा 7 जुलाई 2025 को होने की उम्मीद है। एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (लिंक इनटाइम) को पब्लिक इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इक्विरस कैपिटल और आनंद राठी एडवाइजर्स को कंपनी के प्रस्ताव का प्रमुख प्रबंधक नियुक्त किया गया है।दांव लगाना चाहिए या नहीं?

केनरा बैंक सिक्योरिटीज ने भी पब्लिक इश्यू को 'सब्सक्राइब' टैग दिया है, जिसमें कहा गया है, ÷कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में एक मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है, जहां राजस्व वित्त वर्ष 23 में 274 करोड़ से 76त्न की CAGR से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 849 करोड़ हो गया है। EBITDA वित्त वर्ष 23 में 104 करोड़ से 43त्न की CAGR से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 212 करोड़ हो गया है। यह इश्यू 28X PE पर उचित वैल्यू पर है, जो इसके एकमात्र लिस्टेड भारतीय कॉम्पिटिटर के समान है और 9X PB पर है, जो इसके कॉम्पिटिटर की तुलना में थोड़ा महंगा है,

PPF से बनाएं 1.5 करोड़ का फंड, बस यूज करना होगा ट्रिपल 5 का ये फॉर्मूला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही के लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) की ब्याज दर 7.1त्न सालाना पर स्थिर रखी है. यह योजना विशेष रूप से सैलरीड क्लास और सुरक्षित निवेश चाहने वालों के बीच बेहद लोकप्रिय है. पीपीएफ की मैच्योरिटी 15 साल की होती है, लेकिन इसमें बार-बार 5-5 साल के लिए एक्सटेंशन लेने की सुविधा भी है, जिससे इसे पूरे नौकरी के दौरान चालू रखा जा सकता है.

नौकरी के पूरे 30 साल में निवेश का फायदा

अगर कोई व्यक्ति 28 साल की उम्र में PPF अकाउंट शुरू करता है और 58 साल की उम्र तक, यानी 30 साल तक निवेश जारी रखता है, तो वह इस स्कीम को तीन बार 5-5 साल के लिए एक्सटेंड कर सकता है. इस अवधि में अगर हर साल 1.5 लाख रुपए का निवेश किया जाए, तो कुल निवेश 45 लाख रुपए होता है. इस पर सालाना 7.1त्न ब्याज दर के हिसाब से 30 साल बाद फंड बढ़कर करीब 1.54 करोड़ रुपए हो जाता है, जिसमें ब्याज से मिलने वाला फायदा 1.09 करोड़ रुपए से ज्यादा होता है.

एक्सटेंशन से जुड़े फायदे

PPF को एक्सटेंड करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप बिना किसी अतिरिक्त जोखिम के अपने रिटायरमेंट तक एक मजबूत फंड तैयार कर सकते हैं. साथ ही, यह पूरी राशि और इससे मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री होता है.रिटायरमेंट के बाद यदि आप निवेश बंद कर देते हैं, फिर भी स्कीम को 5 साल के लिए एक्सटेंड कर सकते हैं. इस दौरान क्लोजिंग बैलेंस पर ब्याज मिलता रहेगा, और साल में एक बार आप ब्याज की पूरी राशि निकाल सकते हैं.उदाहरण के लिए, 1.50 करोड़ रुपए के फंड पर 7.1त्न के हिसाब से सालाना ब्याज 10.65 लाख रुपए बनता है. इसे 12 महीनों में बांटें तो यह लगभग 88,750 रुपए प्रति माह की नियमित टैक्स-फ्री इनकम बन जाती है.PPF न सिर्फ एक लंबी अवधि की सुरक्षित निवेश योजना है, बल्कि यह आपके रिटायरमेंट के लिए मजबूत फाइनेंशियल बैकअप भी बन सकती है. अगर आप सही समय पर निवेश शुरू करें और एक्सटेंशन का लाभ लें, तो यह स्कीम आपको बिना जोखिम के करोड़पति बना सकती है. यही कारण है कि फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स भी इसे हर नौकरीपेशा व्यक्ति के पोर्टफोलियो में शामिल करने की सलाह देते हैं.

ढाई घंटे में जयपुर से नोएडा, 3 घंटे में दल्लिी; नया एक्सप्रेस-वे लिंक तैयार; एक घंटे की होगी बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप भी वीकेंड पर दल्लिी से जयपुर का सफर करते हैं तो यह खबर आपके काम की है. जी हां, जयपुर से दल्लिी के बीच अब आप पहले से ज्यादा फर्राटे से सफर कर सकेंगे. यानी दोनों के शहरों के बीच सफर करने में अब पहले से कम समय लगेगा. नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बागराना और बांदीकुई के बीच 65 किमी का नया हिस्सा खोल दिया है. इस रास्ते को जल्द ट्रायल के लिए शुरू कयिा जाएगा. सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) की तरफ से जल्द इसका औपचारिक उद्घाटन कयिा जाएगा.यह नया हिस्सा जयपुर के बाहरी इलाके बागराना को बांदीकुई से

जोड़ता है. अभी जयपुर से यात्रियों को दौसा के रास्ते जयपुर-आगरा रोड से होकर एक्सप्रेसवे तक जाना पड़ता है. नए अपडेट के बाद रोटरी सर्कल या रिंग रोड से आने वाले लोग बागराना में क्लोवरलीफ रैंप और स्लिप लेन से सीधे एक्सप्रेसवे पर पहुंच सकते हैं. इससे ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मलिेगी और पहले से कम समय लगेगा

ढाई घंटे में डीएनडी और तीन घंटे में दल्लिी

नए रास्ते से दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (DND) फ्लाईवे तक ढाई घंटे में पहुंचा जा सकता है. इसके अलावा आप नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या ढ्ढत्रढ्ढ एयरपोर्ट तक का सफर तीन से साढ़े तीन घंटे में पूरा कर सकेंगे. पहले इस सफर को तय करने में साढ़े चार घंटे का समय लगता था. इस रास्ते के शुरू होने से यात्रियों के समय की बड़ी बचत होगी. इससे आसपास के गांवों को भी फायदा होगा. रास्ते में भेडोली, खुरीकुर्द, सुंदरपुरा और गीला की नंगल में चार नए इंटरचेंज बनाए गए हैं. इससे आसपास के गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी मलिेगी.

पीएम किसान की 20वीं किस्त का काउंटडाउन शुरू, अगर किया ये काम तो खाली हो जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं अभी तक किस्त जारी नहीं हुई है। सरकार ने अभी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, इसकी उल्टी गिनती जरूर शुरू हो गई है। हालांकि, पीएम किसान के नाम पर साइबर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। अगर आपने सावधनी नहीं रखी तो आपका बैंक खाता खाली हो सकत है। खबर में यह जानेंगे कि ऐसे फ्रॉड से बचने के लिए क्या करें?

कब आएगी पीएम किसान की 20वीं किस्त

अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि सम्मन निधि का पैसा कब आ रहा है। तो जवाब है, बहुत जल्द 10 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 2000 रुपये की किस्त गिरने

वाली है। इसकी वजह यह है कि पिछले ट्रेंड के मुकाबले अप्रैल-जुलाई की किस्त वैसे ही लेट हो चुकी है। हालांकि, नियमानुसार अभी इसके आने का समय 31 जुलाई तक है।पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार 10 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सलाना 6000 रुपये की आर्थिक सहायता देती है। यह डीबीटी के जरिए 2000 रुपये की 3 किस्त सीधे किसानों के खाते में क्रेडिट होता है। हर वित्तवर्ष की पहली किस्त 1 अप्रैल से 31 जुलाई, दूसरी किस्त 1 अगस्त से 30 नवंबर और तीसरी किस्त 1 दिसंबर से 31 मार्च के बीच किसानों के बैंक खातों में केंद्र सरकार द्वारा डाल दी जाती है।

PM-KISAN रजिस्ट्रेशन अपडेट

अगर आपने अभी तक ई-केवाईसी नहीं की है या बैंक डिटेल्स नहीं जोड़ी हैं, तो 20वीं किस्त से पहले अपना प्रोफाइल अपडेट करें। कुछ राज्यों (जैसे पंजाब, हरियाणा) में किसानों को भूमि रिकॉर्ड अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम किसान के नाम पर खाली हो सकता है खाता

फर्जीवाड़े वाली SMS/कॉल्स से सावधान रहें। पीएम किसान के लाभार्थियों के पास आजकल बहुत सारे फेक कॉल्स और मैसेज आ रहे हैं। इनमें कहा जा रहा है, ÷आपकी 20वीं किस्त लंबित है, लिंक पर क्लिक करें!÷ जैसे मैसेज आपकी बैंक में रखी जमा-पूंजी को खत्म कर सकती है। साइबर अपराधियों की नजर इस पर है। पीएम किसान की 2000 रुपये की किस्त भुगतान सीधे बैंक खाते में आता है। ऐसे में आप सिर्फ ऑफिशियल वेबसाइट pmkisan.gov.in से ही स्टेटस चेक करें।

कारोबार विस्तार करेगी 1 रुपये के शेयर वाली कंपनी! 4त्न उछला भाव, 17 जुलाई को बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। कई दिनों की गिरावट के बाद गुरुवार को शेयर बाजार एक बार फिर रिकवरी मोड में नजर आया। इस दौरान कुछ पेनी शेयरों में भी उछाल देखा गया। ऐसा ही एक पेनी शेयर-ढ्ढस्नरुएंटरप्राइजेज का है। कंपनी के 1 रुपये के शेयर में गुरुवार, 3 जुलाई को इंट्रा-डे ट्रेड में लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह तेजी ऐसे समय में आई जब कंपनी ने बोर्ड मीटिंग की तारीख का ऐलान किया। इस मीटिंग में कंपनी के नए कारोबार एंट्री को लेकर फैसले लिए जा सकते हैं।शेयर की कीमत

ढ्ढस्नरुएंटरप्राइजेज शेयर की पिछली क्लोजिंग 1.08 रुपये थी। इस मुकाबले गुरुवार को शेयर उछलकर 1.13 रुपये तक पहुंच गया। जुलाई 2024 में शेयर की कीमत 1.51 रुपये थी, जो 52 हफ्ते का हाई भी है। वहीं, इस साल मार्च महीने में शेयर 0.56 पैसे के निचले स्तर तक आ गया। यह वर्तमान में 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से 26 प्रतिशत डिस्काउंट पर कारोबार कर रहा है। पिछले साल 30 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद शेयर ने हाल के महीनों में सुधार के संकेत दिखाए हैं।

मई में 41 प्रतिशत और अप्रैल में 11 प्रतिशत की छलांग लगाने के बाद जून में यह 25 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। इससे पहले, यह लगातार तीन महीनों तक निगेटिव जोन में था। शेयर मार्च में 20 प्रतिशत, फरवरी में 16.7 प्रतिशत और जनवरी में 8 प्रतिशत गिर गया था।

गाजियाबाद में नई टाउनशिप बसाने का काम शुरू, किसानों को मिल रहा 4 गुना ज्यादा दाम, 5 गांवों को होगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्लीनई दिल्ली. उत्तर प्रदेश के सबसे घने और सबसे ज्यादा आबादी वाले जिले गाजियाबाद में नया शहर बसाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने नई टाउनशिप हरनंदीपुरम प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण का काम भी शुरू कर दिया है. इसकी पहली किश्?त के रूप में 25 किसानों को 5 करोड़ रुपये का मुआवजा भी दिया जा चुका है. हालांकि, इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार को 5 गांवों की जमीन चाहिए, जिसके लिए किसानों को मौजूदा कीमत से 4 गुना ज्यादा दाम दिया जा रहा है.

त्नष्ठ के वाइस चेयरमैन अतुल व्यास के अनुसार, किसी भी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण का काम मुश्किल होता है. यही हालत हरनंदीपुरम टाउनशिप प्रोजेक्ट की भी है. इस टाउनशिप के लिए प्राधिकरण को कुल 336 हेक्टेयर जमीन की जरूरत है. यह जमीन 5 गांवों में मौजूद है. फिलहाल 43 लाख रुपये की सेल डीड तैयार हो चुकी है, जिसमें 759 वर्गमीटर जमीन की बिक्री का सौदा हुआ है. यह जमीन नगला फिरोज मोहन नगर में स्थित है. टाउनशिप के लिए खरीदी गई इस जमीन पर पहला ऑनर रूबी को ही माना जाएगा, जिनकी जमीन पर जीडीए ने सेल डीड बनाई है.

25 किसान अभी तक सामने आए

व्यास के अनुसार, अभी तक 25 किसानों ने सेल डीड बनाई है. इसके लिए कुल 5 करोड़ रुपये ऑफर किया गया है. उनका कहना है कि यह अच्छी शुरुआत है, जिसका मतलब है कि आगे और भी किसान हमारे प्रस्ताव पर मंजूरी के लिए आगे आ सकते हैं. भूमि अधिग्रहण के लिए बनाई गई समिति की अगुवाई जिले के डीएम कर रहे हैं, जो प्रोजेक्ट के लिए जमीन की कीमत तय करेंगे. डीएम इसकी कीमत मौजूदा सर्किल रेट से 4 गुना तय की है.

2,384 रुपये का होगा सौदा

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को हरनंदीपुरम प्रोजेक्ट के लिए कुल 336 हेक्?टेयर जमीन की जरूरत है. यह सौदा करीब 2,384 करोड़ रुपये में किया जा रहा है. इसमें 7 फीसदी का स्टांप शुल्क और 1 फीसदी रजिस्ट्रेशन चार्ज भी शामिल है. 5 गांवों के लोगों से यह भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है. जमीन के अधिग्रहण के लिए हर गांव का अलग रेट लगाया गया है.

नए रिजीम में कौन-कौन सी टैक्स छूट
नए रिजीम में कौन-कौन सी टैक्स छूट
आगे देखें

हर गांव के लिए अलग सर्किल रेट

इस प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण 5 गांवों से किया जा रहा है. इसके लिए मथुरापुर गांव के किसानों से 14 हेक्टेअर जमीन ली जा रही है. इसके लिए प्राधिकरण ने 4,080 रुपये प्रति वर्गमीटर का रेट तय किया है, जो अभी 1,020 रुपये प्रति वर्गमीटर चल रहा है. शमशेर गांव से प्राधिकरण ने 86 हेक्?टेअर जमीन को 6,760 रुपये प्रति वर्गमीटर के रेट पर खरीद रहा है.

सोने के तेवर फिर गरम, 100719 पर पहुंचा भाव, चांदी में 1060 रुपये की उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के तेवर एक बार फिर गरम हो रहे हैं। आज सोने का भाव 306 रुपये और चांदी का 1060 रुपये उछला है। आज 3 जुलाई गुरुवार को 24 कैरेट सोना 97786 रुपये पर खुला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100,719 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 110,980 रुपये किलो बिक रही है।

22 कैरेट गोल्ड का रेट

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 306 रुपये उछल कर 97394 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100,315 रुपये हो गई है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 280 रुपये बढ़कर 89572 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जीएसटी के साथ यह 92259 रुपये का 10 ग्राम बैठेगा।

18 कैरेट गोल्ड का भाव

18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 230 रुपये महंगा होकर 73340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 3 पर्सेंट जीएसटी के साथ 75540 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 179 रुपये चढ़कर होकर 57205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इसमें जीएसटी जोड़ने के बाद यह 58921 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।

सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA)ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

म्यूचुअल फंड से दूरी बना रहे निवेशक, इस फंड की तरफ बढ़ा रुझान; जानिए क्या है कारण

एजेंसी

नई दिल्ली।पछिले हफ्ते लगातार गरिावट के बाद इस सप्ताह शेयर बाजार में तेजी का दौर देखा जा रहा है. इंडयिन स्टॉक मार्केट मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ. 18 मार्च को सेंसेक्स 1131 अंक चढ़कर 75,301 अंक पर बंद हुआ. दो दनि में ही बीएसई सेंसेक्स 1472 प्वाइंट चढ़ गया है. एनएसई का नफ्टिी भी मंगलवार को 325.55 अंक चढ़कर 22,834 प्वाइंट पर पहुंच गया. दो दनि में इस प्रमुख सूचकांक में 435 अंक से ज्यादा का उछाल आया है. इक्वटिी मार्केट में उठा-पटक के बीच कई निवेशक कंफ्यूजन में हैं. कसिी तरह का साफ संकेत नहीं है कि बाजार में अस्थिरता का माहौल कब तक रहेगा.एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) के आंकड़ों से यह सामने आया है कि इसलिए म्यूचुअल फंड निवेशक ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं. यानी नविेशक एक झुंड वाली मानसिकता को फॉलो कर रहे हैं. फरवरी महीने के ही आंकड़ों से ही पता चलता है कि म्यूचुअल फंड से निवेशकों ने 9.87 लाख करोड़ रुपये के फंड को कैश कर लिया है. इसके अलावा जुटाए गए कुल फंड में भी गिरावट आई है. यह गरिकर 10.27 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो जनवरी के महीने में 12.17 लाख करोड़ रुपये था. इससे यह साफ है कि नविेशक अस्थिर समय में सुरक्षति माने जाने वाले इनवेस्टमेंट ऑप्शन पर फोकस कर रहे हैं.

हाइब्रिड फंड की तरफ नविेशकों का रुझान

एम्फी (AMFI) के आंकड़ों के अनुसार फरवरी में हाइब्रिड फंड की कैटेगरी में 28,461 करोड़ रुपये जुटाए. निकासी में कमी आई है, जो इस साल जनवरी में 26,202 करोड़ रुपये से घटकर फरवरी में 21,657 करोड़ रुपये रह गई. इस डेटा से यह साफ है बाजार की उठा-पटक के बीच निवेशक अस्थिर बाजार के बीच हाइब्रिड फंड में अपने निवेश को बनाए रख रहे हैं.

निवेशक क्यों कर रहे वशि्वास

हाइब्रिड फंड में बढ़ते वशि्वास का कारण फंड की नेचर है. उतार-चढ़ाव भरे बाजार में निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड सबसे सुरक्षित माना जाता है. दरअसल, इस फंड में इक्वटिी, डेट और कमोडिटीज का मिला जुला पोर्टफोलियो होता है. यही कारण है इसमें रस्कि कम होता है और निवेशको बाजार में गिरावट के बावजूद अच्छे रिटर्न मलि सकते हैं. उदाहरण के लिए निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट जैसे फंड, जो इक्वटिी, डेट और कमोडिटीज में नश्चिति राशि का अलोकेशन करते हैं. बाजार के मौजूदा हालात में ये नविश का अच्छा वकिल्प हो सकते हैं. यह फंड गोल्ड में भी निवेश करते हैं, जो पिछले कुछ समय से नए रकिॉर्ड बना रहा है.

ये फंड भी दे रहे पॉजटिवि रटिर्न

निप्पॉन इंडिया के अलावा सैमको, एडलवाइस, इनवेस्को और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के हाइब्रिड फंड भी पॉजटिवि रटिर्न दे रहे हैं. निवेशकों को रिटर्न के मामले में हाइब्रिड फंड आगे हैं. अगर आप एक साल के रिटर्न को देखें तो हाइब्रिड फंड करीब डबल डजिटि के साथ सबसे आगे है. बाजार के जानकारों का मानना है कि वित्तीय अनिश्चतिताओं के दौर में सही एसेट एलोकेशन निवेशकों को फायदा देता है.

क्या है हाइब्रिड फंड?

हाइब्रिड फंड एक तरह का म्यूचुअल फंड की तरह होता है.

सावन में बाबा विश्वनाथ के शरण में होंगे अखिलेश, क्या मुस्लिम परस्त छवि से बाहर निकलने का प्लान?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है. योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए हिंदुत्व एजेंडे को धार देने में जुटी है, तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में वापसी करने की जुगत लगा रहे हैं. सपा के जातीय समीकरण दुरुस्त करने के साथ-साथ अखिलेश यादव अपनी मुस्लिम परस्त वाली छवि को भी तोड़ने में लगे हैं. इसी के मद्देनजर मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय सामाजिक न्याय का एजेंडा सेट कर रहे है, तो साथ ही सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं.

सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हरिद्वार से कांवड़ लेकर कांवड़िए शिवलिंग पर गंगा जल चढ़ाते हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल सावन के पहले दिन गोरखनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक व विधिवत पूजा अर्चना करते हैं. इस साल सावन के पहले सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव काशी के बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे, जिसे लेकर सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं.

बाबा विश्वनाथ के शरण में अखिलेश

धार्मिक नगरी काशी सावन के महीने में भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान बन जाता है. सावन में काशी में भारी भीड़ होती है, खासकर सोमवार को, जब भक्त भगवान शिव की पूजा करने और जलाभिषेक करने के लिए उमड़ते हैं. देशभर के लोग बड़ी संख्या में बाबा विश्वनाथ के दर पर गंगा जल चढ़ाने और माथा टेकने पहुंचते हैं. इस बार सावन के पहले सोमवार को यादव बंधुओं के जलाभिषेक में सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी शिरकत करेंगे.

सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है. जलाभिषेक के लिए देशभर से 50 हजार यादव बंधु काशी विश्वनाथ के दर पर पहुंच रहे हैं. चंद्रवंशी गोप समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पिछले दिनों अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात करके जलाभिषेक के लिए आमंत्रित किया. इस प्राचीन परंपरागत जलाभिषेक कार्यक्रम में शिरकत करने की मंजूरी भी अखिलेश यादव दे चुके हैं. चंद्रवंशी गोप सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष लालजी चंद्रवंशी ने बताया कि अखिलेश यादव सावन के प्रथम सोमवार को होने वाले बाबा के प्रथम जलाभिषेक में शामिल होंगे.

'अगले दलाई लामा के चुनाव का अधिकार किसी और को नहीं...', भारत का चीन को सीधा जवाब

एजेंसी

चीन. अगला दलाई लामा कौन होगा? इसको लेकर तिब्बतियों में कयास तो चल ही रहा है. भारत और चीन में भी इस मसले को लेकर जोरदार बहस छिड़ी हुई है. चीन ने दलाई लामा के अगले उत्तराधिकार योजना को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भावी उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी लेनी होगी. इस बीच भारत ने भी साफ कर दिया कि अगले दलाई लामा के चुनाव का अधिकार किसी को भी नहीं है. उत्तराधिकार को लेकर छिड़े विवाद के बीच अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने आज गुरुवार को दो-टूक शब्दों में कहा कि अगले दलाई लामा पर फैसला सिर्फ और सिर्फ स्थापित संस्था और दलाई लामा ही लेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा.

भारत को रूस से तेल खरीदने की सजा देना चाहता है अमेरिका, जयशंकर बोले- समय आने दो, देख लेंगे

जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा और वैश्विक कूटनीति में संतुलन बनाए रखेगा। भारत ने हाल के वर्षों में रूस से तेल आयात को बढ़ाया है, क्योंकि यह सस्ता और विश्वसनीय स्रोत रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500त्न टैरिफ लगाने की योजना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह सामने आएगा। जयशंकर ने इसे ÷पुल को पार करने÷ की तरह बताया, जिसका मतलब है कि भारत इस मामले में तभी कोई ठोस रुख अपनाएगा, जब स्थिति स्पष्ट होगी।

जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जिसने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500त्न शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने वाशिंगटन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷ऐसे घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वही सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक पेश किया है। विधेयक पेश करते समय उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेते हुए आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70त्न तेल खरीद रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तो हम उस पुल को पार करेंगे।

ट्रंप का समर्थन बना नई चुनौती

इस विधेयक को और जटिल बना रहा है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500त्न आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं- इनमें भारत और चीन शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है।

अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तो भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500त्न शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।

CM सिद्धारमैया ने मंच पर जिसे थप्पड़ मारने के लिए उठाया था हाथ, उस स्क्कने कहा- अब नहीं करेंगे नौकरी!

एजेंसी

कर्नाटक. कर्नाटक की राजनीति में इस समय हलचम मची हुई है. सीएम की सुर्सी के लिए घमासान मचा है. इसी बीच सीएम सिद्धारमैया की एक पुरानी घटना को लेकर नया विवाद सामने आया है. दरअसल, कहानी कुछ ऐसी है कि, कुछ दिनों पहले सीएम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. मंच पर उन्हें एक पुलिस अवसर को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाते हुए देखा गया था. उसी पुलिस अधिकारी ने अब सरकार से रिटायरमेंट की मांग की है. आइए समझते हैं, उस दिन क्या हुई थी पूरी घटना, और अफसर ने रिटायरमेंट की मांग क्यों की?

मंच पर सबके सामने मारने वाले थे थप्पड़

अप्रैल महीने में कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम हुआ था. इस कार्यक्रम में खुद मुख्यमंत्रीसिद्धारमैया भी पहुंचे थे. सबकुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन तभी कुछ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अचानक विरोध शुरू कर दिया. उन्होंने ष्ट्रू और सरकार के खिलाफ नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए. यह देखकर ष्ट्रूगुस्से में आ गए. गुस्से में उन्होंने मंच से पूछा ङ्क यहां के एसपी कौन हैं? उसी समय ड्यूटी पर मौजूद ASP नारायण वी. बारमणी को बुलाया गया, जो धारवाड़ से बेलगावी में तैनात किए गए थे.

Bihar Chunav: राजनाथ सिंह क्यों पहुंचे पटना... राजपूत वोटरों का लालू से मोह या BJP का इंटरनल पॉलिटिक्स?

एजेंसी

पटना. मोदी सरकार में नंबर-2 का ओहदा रखने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को बिहार दौरे पर थे. सिंह के पटना पहुंचते ही बिहार की राजनीति में गर्माहट आ गई. बीजेपी के 1200 कार्यकर्ताओं और नेताओं को राजनाथ सिंह समझाने पहुंचे थे या खुद माहौल को समझने? राजनाथ का दौरा क्या राजपूत वोटरों के लिए मैसेज था या फिर पार्टी का इंटरनल पॉलिटिक्स? बिहार चुनाव को लेकर बीजेपी एक्शन मोड में आ गई है. बीजेपी नहीं चाहती है कि जो हालत लोकसभा के चुनाव में पार्टी को यूपी में हुई थी, वही हालत बिहार विधानसभा चुनाव में भी हो. बिहार के कई इलाकों में राजपूत वोटरों का झुकाव आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के प्रति है. आरजेडी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और उनके बेटे सुधाकर सिंह ने हाल के दिनों में राजपूत वोट बैंक में ठीक ठाक पैठ बना ली है. ऐसे में राजनाथ सिंह का बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के कई मायने हैं. बिहार में राजपूत वोटरों का बड़ा अहम रोल होने वाला है. राजनाथ

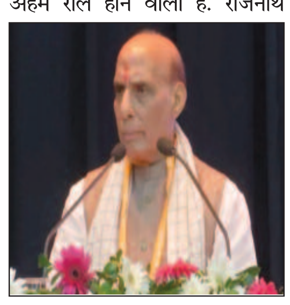

सिंह, जो खुद भी राजपूत समुदाय से हैं. राजनाथ सिंह को पटना बैठक में लाने के पीछे बीजेपी की रणनीति राजपूत मतदाताओं को एकजुट करने की हो सकती है. कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राजद के नेता और पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह जैसे राजपूत चेहरों की सक्रियता ने बीजेपी को सतर्क कर दिया है. हाल के दिनों में आरजेडी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के सांसद बेटे सुधाकर सिंह राजपूत जाति में लोकप्रिय हुए हैं. आरा, बक्सर, औरंगाबाद और काराकाट जैसे इलाके में राजपूत वोटरों की अच्छी खासी आबादी है. पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह की नाराजगी को देखते हुए राजनाथ सिंह का दौरा काफी अहम है.

राजनथा सिंह के पटना पहुंचने के मायने

राजनाथ सिंह का बिहार दौरा बीजेपी की आंतरिक राजनीति के महत्व को भी बढ़ाती है. बिहार में बीजेपी के कई नेताओं, जैसे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के बीच संगठनात्मक और राजनीतिक वर्चस्व की होड़ देखी जा रही है. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के बीच कथित विवाद ने भी राजनाथ सिंह को पटना आने के लिए मजबूर किया.

पंजाबः भगवंत मान कैबिनेट में पूर्व सांसद संजीव अरोड़ा की एंट्री, ली मंत्री पद की शपथ

एजेंसी

पंजाब। पंजाब में आज गुरुवार को भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (क्क) सरकार का कैबिनेट विस्तार कर दिया गया. कैबिनेट विस्तार के तहत लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले दिनों उपचुनाव जीतने वाले संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया है. अरोड़ा के अलावा किसी अन्य विधायक ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली.

चंडीगढ़ स्थित पंजाब राजभवन में मान कैबिनेट का विस्तार कराया गया. आज के कैबिनेट विस्तार में राज्यसभा के पूर्व सांसद और हाल में विधायक चुने गए संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया. कहा जा रहा है कि आज शाम तक कैबिनेट विभागों का नए सिरे से बंटवारा होने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा.

भगवंत मान कैबिनेट में अब कुल 17 मंत्री

इस विस्तार के साथ पंजाब कैबिनेट में मुख्यमंत्री (भगवंत मान) समेत 17 मंत्री हो गए हैं. कैबिनेट में 18 मंत्री हो सकते हैं. भगवंत मान की अगुवाई सरकार ने अपना आखिरी कैबिनेट फेरबदल पिछले साल सितंबर में किया था, जब उसने 4 मंत्रियों को हटाने के बाद 5 नए मंत्री शामिल किए थे.

संजीव अरोड़ा को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज दोपहर राजभवन में एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. अरोड़ा ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले महीने हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद एक जुलाई (मंगलवार) को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया.

पिछले महीने उपचुनाव में हासिल की थी जीत

19 जून को अरोड़ा लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी भारत भूषण आशु को आसान मुकाबले में 10,637 मतों से हरा दिया था. आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी जिस वजह से यहां पर उपचुनाव कराया गया. इससे पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उपचुनाव में प्रचार के दौरान कहा था कि अगर संजीव अरोड़ा विधायक चुने गए तो उन्हें मंत्री बनाया जाएगा. पहली बार सांसद बने संजीव अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे, उनका यह कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक के लिए था.

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

'नारी शक्ति के लिए नए अवसर'

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान,
के क्षेत्रीय केंद्र, रांची के उद्घाटन के अवसर पर
समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

"हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"
- श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रांची केंद्र के खुलने से लाभ:

- देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को मिलेगा लाभ और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को किया जाएगा पूरा।
- केंद्र द्वारा बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
- रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन समारोह
मुख्य अतिथि
श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
माननीय केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
श्री संजय सेठ
माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय
श्रीमती सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
श्री नवीन जयसवाल
माननीय विधायक, हटिया
श्री राजेश कच्छप
माननीय विधायक, खिजरी

दिनांक : 4 जुलाई 2025, शुक्रवार
स्थान : सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, झारखंड शहरी नियोजन एवं प्रबंधन संस्थान, एचईसी मुख्यालय के पास, धुर्वा, रांची, झारखंड

CBC 46101/13/0013/2526